हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी, 2024 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर अब 05 अप्रैल, 2024 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है। यहां बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक(यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अब 05 अप्रैल, 2024 तक चलेगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीयूईटी के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 05 अप्रैल, 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए ३३स्र२://ी७२.ल्ल३.ल्ल/उवएळ-वत्र/ व ६६६.४.ल्ल पर लॉगइन करें।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया उत्कल दिवस

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को उत्कल दिवस (ओडिशा डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत ह्लवंदे उत्कल जननीह्व की मधुर प्रस्तुति हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को उत्कल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी व गर्व की बात है कि हम विश्वविद्यालय में उत्कल दिवस मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमें एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परम्पराओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी सभी को उत्कल दिवस की बधाई दी। अपने संबोधन में जगन्ननाथपुरी, कोणार्क आदि मंदिरों का जिक्र करते हुए प्रो. सुषमा यादव ने ओडिशा को मंदिरों का प्रदेश बताया। उन्होंने ओड़िशा के पारम्परिक नृत्य व खाने की तारीफ करते हुए कहा कि ओड़िशा के लोग वैज्ञानिक, शिक्षाविद् बनकर विश्वभर में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दशार्या गया है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ओड़िशा के पारम्परिक नृत्यों व गीत की प्रस्तुतियों से आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में मंच का संचालन शुभाशीष नाथ, रुचि स्मिता नाग, अभिषेक जैना, संदीप मंडल ने किया। कार्यक्रम के अंत में ओडिया परिवार की ओर से छात्र प्रतिनिधि हृषिकेश प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. आलेख एस नायक, डॉ. रंजन कुमार साहू सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में आवेदन की अंतिम तिथि 5 तक बढ़ी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से शुरू हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर अब 5 अप्रैल कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अब 5 अप्रैल तक चलेगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीयूईटी के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 5 अप्रैल तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए हकेंवि की वेबसाइट पर लॉग इन करें। संवाद

आयोजन

एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परंपराओं से रुबरु होने का मिला अवसर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया उत्कल दिवस

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को उत्कल दिवस (ओडिशा डे) उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद ओडिसा के राज्य गीत वंदे उत्कल जननी की मधुर प्रस्तुति दी गई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को पुष्प गुच्छ भेंट करते डॉ. आलेख एस नायक। स्रोत : हकेंवि

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी व गर्व की बात है कि हम विश्वविद्यालय में उत्कल दिवस मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमें एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परंपराओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी सभी को उत्कल दिवस की बधाई दी। अपने संबोधन में जगन्नाथपुरी, कोणार्क आदि मंदिरों का जिक्र करते हुए प्रो. सुषमा यादव ने ओडिशा को मंदिरों का प्रदेश बताया। उन्होंने ओडिशा के पारंपरिक

ओडिशा के राज्य गीत वंदे उत्कल जननी की मधुर प्रस्तुति दी

नृत्य व खाने की तारीफ करते हुए कहा कि ओडिशा के लोग वैज्ञानिक, शिक्षाविद् बनकर विश्वभर में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दर्शाया गया है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ओडिशा के पारंपरिक नृत्यों व गीत की प्रस्तुतियों से आयोजन की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. आलेख एस नायक, डॉ. रंजन कुमार साहू आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया उत्कल दिवस

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को उत्कल दिवस (ओडिशा-डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि व सम्कुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत 'वंदे उत्कल जननी' की मधुर प्रस्तुति हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमें एक- दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परम्पराओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है। सम्कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने जगन्नाथपुरी, कोणार्क आदि मंदिरों का जिक्र करते हुए ओडिशा को मंदिरों का प्रदेश बताया। इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सच्चिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दर्शाया गया है। विद्यार्थियों ने ओडिशा के पारम्परिक नृत्यों व गीत की प्रस्तुतियों से आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में मंच का संचालन शुभाशीष नाथ, रुचि स्मिता नाग, अभिषेक जैना, संदीप मंडल ने किया। कार्यक्रम के अंत में ओडिया परिवार की ओर से छात्र प्रतिनिधि ह्रषिकेश प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. आलेख एस नायक, डॉ. रंजन कुमार साहू सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर अब पांच अप्रैल कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है।

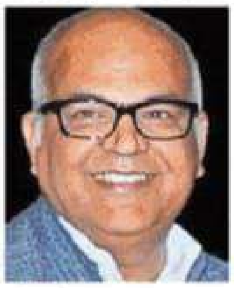

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब पांच अप्रैल तक चलेगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीयूईटी के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब पांच अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/ व www.cuh.ac.in पर लागइन करें।

हकेंवि में मनाया उत्कल दिवस

महेंद्रगढ़, 1 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को उत्कल दिवस (ओडिशा डे) धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत ओडिशा प्रदेश के विद्यार्थियों ने यह पर्व पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके बाद ओडिशा के राज्य गीत 'वंदे उत्कल जननी' की मधुर प्रस्तुति हुई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को उत्कल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमें एक-दूसरे राज्यों की कला, संस्कृति, खानपान व परम्पराओं से रुबरु होने का अवसर मिलता है।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी सभी को उत्कल दिवस की बधाई दी। इससे पूर्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अलेखा सचिदानंद नायक ने एक वृत्तचित्र के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें ओडिशा के वर्तमान परिदृश्यों को उसके प्राचीन वैभव के साथ दर्शाया गया है। मंच संचालन शुभाशीष नाथ, रुचि स्मिता नाग, अभिषेक जैना, संदीप मंडल ने किया।

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

महेंद्रगढ़, 1 अप्रैल (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी, 2024 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर अब 05 अप्रैल, 2024 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन का अवसर उपलब्ध करा रहा है। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ विषय की व्यावहारिक समझ और उससे जुड़े कौशल से भी अवगत कराया जाता है।

यहां बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक(यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अब 05 अप्रैल, 2024 तक चलेगी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीयूईटी के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 05 अप्रैल, 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/ व www.cuh.ac.in पर लॉगइन करें।

नवोदय टाइम्स Tue, 02 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74841

विविधता में एकता का पोषक है युवा संगम: प्रो. टंकेश्वर कुमार

-युवा संगम फेज चार के अंतर्गत हकेवि पहुंचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने और विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति व पर्यटन से रूबरू कराने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित युवा संगम फेज चार के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों का एक समूह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ पहुंचा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आ ई आ ई ए स ई आ र), कोलकाता के नेतृत्व में पहुंचे इस समूह के विद्यार्थियों का स्वागत किया और कहा कि अवश्य ही यह यात्रा उन्हें हरियाणा और यहां की कला, संस्कृति को करीब से जानने समझने में मददगार साबित होगी। कुलपति ने इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर आयोजित कार्यक्रम युवा संगम के संबंध में कहा कि यह प्रयास यकीनन समूचे भारत को एक सूत्र में पिरोना का कार्य कर रहा है। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने पश्चिम बंगाल से आए विद्यार्थियों का परिचय हरियाणा से कराते हुए कहा कि यह वहीं राज्य है जो आबादी में भले ही देश की कुल आबादी का दो प्रतिशत के आसपास है लेकिन जब बात योगदान की आती है तो सेना, खेल, कृषि व पशुधन के मामले में इस राज्य का योगदान दस प्रतिशत से भी अधिक है। कुलपति ने विद्यार्थियों को हरियाणा के इतिहास की जानकारी देते हुए कहा कि बंगाल और हरियाणा दोनों ही राज्यों ने विभाजन का दर्द झेला है। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय व आईआईएसईआर, कोलकाता के शिक्षकों की भी सराहना की, जिनके प्रयासों से दोनों ही राज्यों के विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल का यह आयोजन संभव हो सका।

विश्वविद्यालय परिसर में पश्चिम बंगाल से आएं विद्यार्थियों व शिक्षक प्रतिनिधियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित स्वागत कार्यक्रम की शुरुआत कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने अपने संबोधन में इस आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात विश्वविद्यालय में गठित एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्य डॉ.जितेंद्र कुमार ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा हरियाणा राज्य से युवा संगम के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का चयन सहयोगी संस्थान के रूप में किया जाना गर्व का विषय है।

उन्होंने इस अवसर पर युवा संगम फेस चार के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि इस यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल से आया प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय के पुस्तकालय, इनोवेशन सेंटर, इतिहास विभाग में स्थापित म्यूजियम व शैक्षणिक खंडों के साथ-साथ स्थानीय खुड़ाना गांव स्थित मंदिर, माधोगढ़ का किला, राखीगढ़ी, नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, करनाल, कुरुक्षेत्र, मोरनी हिल्स, सकुना लेक, रॉक गार्डन व आईएएफ म्यूजियम का भी भ्रमण करेगा। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालयमें एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने इस यात्रा में विद्यार्थियों के साथ आए शिक्षक अरुण दत्ता, अविजीत देबनाथ, भासवती भौमिक और शुभांकर दास का आभार व्यक्त किया। डॉ. मीणा ने कहा कि अवश्य ही यह यात्रा युवा संगम के उद्देश्य की प्राप्ति में मददगार साबित होगी। इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्य डॉ. श्रीराम पांडे, डॉ. अजय कुमार, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. देवेंद्र राजपूत, डॉ. विद्युलता व प्रो. बीरपाल सिंह यादव साहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, शोधार्थी जिनमें अन्नु, हेमलता, मोनिका व प्योधि आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में टैकफेस्ट 'अद्विक' का होगा आयोजन

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आगामी 9-10 अप्रैल 2024 को अपना वार्षिक टैकफेस्ट 'अद्विक' आयोजित करने जा रहा है। टैकफेस्ट की वेबसाइट का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थी अद्विक के लिए पंजीकरण ऑनलाइन करा सकते हैं।

कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में तकनीक हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है और इसके बिना जीवन की कल्पना करना कठिन है। विश्वविद्यालय में इस तकनीकी महोत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के विकास हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास है जो कि विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान और कौशल में रुचि लेने के लिए प्रेरित करेगा। दो दिवसीय इस आयोजन में 15 प्रतियोगिताएं, 10 वर्कशॉप और एक्सपर्ट टॉक्स सहित कुल 45 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमताओं का विकास करना और नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करना है। यह विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच प्रदान करेगा जहां वे अपने नवाचार और वैज्ञानिक धारणाओं को साझा कर सकेंगे। इस आयोजन में सभी क्षेत्रों और विभागों के विद्यार्थी हिस्सा ले सकते हैं। आयोजकों के अनुसार अभी तक इस आयोजन के लिए 60 से ज्यादा संस्थानों के लगभग 4000 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया है। पंजीकरण हेतु विद्यार्थी अद्विक की वेबसाइट अद्विकफेस्ट डॉट कॉम पर जाकर रजिस्टर हो सकते हैं।

उन्होंने बताया कि अद्विक के इस संस्करण में 10 नए इवेंट्स जोड़े गए हैं। जिसमे 36 घंटे तक लगातार चलने वाले हैकथॉन 'सोल्व 4 प्लेनेट हैकथॉन' भी शामिल है। जिसका उद्देश्य धरती से जुड़ी वर्तमान एवं आने वाली चुनौतियों के लिए समाधान खोजना है। इसके अलावा आयोजन में नए एआई टूल्स जैसे चैट जीपीटी के उत्तम प्रयोग के लिए वर्कशॉप भी आयोजन होगा।

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. राकेश कुमार और कोऑर्डिनेटर डॉ. नितिन गोयल ने कहा कि यह टैकफेस्ट हकेवि के विद्यार्थियों के साथ साथ देशभर के विद्यार्थियों के लिए टेक्नोलॉजी के महत्व को समझने और इनके सार्थक प्रयोग के लिए प्रेरित करेगा।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने फैकल्टी कोऑर्डिनेटर प्रो. कल्पना चौहान, डॉ. पिंकी अरोड़ा, डॉ. कल्पना चौहान, डॉ. नितिन गोयल, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. मोहित मित्तल, ई. पूनम शर्मा, ई. अनिल कुंडु, और ई. सनी तंवर को बधाई दी और कहा कि अद्विक 2024 का थीम 'सतत प्रौद्योगिकी' है, यानि आज के दौर में तकनीकी विकास के साथ-साथ हमें धरती के बारे में भी सोचना होगा।

अवश्य ही यह आयोजन विद्यार्थियों के साथ साथ आमजन को भी बिना पर्यावरण को नुकसान किये बिना उपयोग में आने वाली तकनीक को समझने एवं उपयोग करने के लिए प्रेरित करेगा ।

Students of West Bengal reached CUH under YuvaSangam

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : With the aim of realizing the vision of 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' and making the students aware of the art, culture and tourism of different states, a group of students from West Bengal, under the 'YuvaSangam' Phase IV organized by the Ministry of Education, Government of India, has visiting Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University welcomed the group of students led by the Indian Institute of Science Education and Research (IISER), Kolkata and said that this trip will definitely help them to know closely about Haryana and its art and cultureProf. Tankeshwar Kumar said that this effort is definitely working to unite the India. While giving information about the history of Haryana to the students, the Vice Chancellor said that both the states of Bengal and Haryana have suffered the pain of partition. On this occasion, he also praised the teachers of the University and IISER, Kolkata, whose efforts made this event of mutual interaction between the students of both the states possible.Prof. Suneel Kumar, Registrar of the University highlighted the importance of this event in his regard. Dr. Jitendra Kumar presented the detailed outline of this program organized under 'YuvaSangam' Phase IV and said that during this visit, the delegation from West Bengal will visitthe university's library, innovation centre, along with the museum and Academic Blocks. They will also visit the important tourist places of Haryana Madhogarh Fort, Rakhigarhi, National Dairy Research Institute, Karnal, Kurukshetra, Morni Hills, Sakuna Lake, Rock Garden and IAF Museum. At the end of the program, Dr. Rajendra Prasad Meena, Nodal Officer of Ek Bharat Shreshtha Bharat Abhiyan in the University, expressed his gratitude and said that this visit will definitely prove helpful in achieving the objective of YuvaSangam. On this occasion, Ek Bharat Shrestha Bharat Committee members Dr. Shriram Pandey, Dr. Ajay Kumar, Dr. Abhishek Jindal, Dr. Vishnu Kucheria, Dr. Devendra Rajput, Dr. Vidyulata and Prof. Birpal Singh Yadav were present along with students and research scholars from various departments.

Techfest 'Advik' will be organized in CUH

April 03, 2024 02:34 PM

MAHENDERGARH,03.04.24- Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh is going to organize its Annual Techfest 'Advik' on 9-10 April 2024.
The website of Techfest was launched by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Students can register for Advik online through the website. On this occasion, Prof. Tankeshwar Kumar said that in today's time technology has become an important part of our lives and it is difficult to imagine life without it. Organizing this technical festival in the University is an important effort for the development of the students which will motivate the students to take interest in technical knowledge and skills. A total of 45 events, including 15 competitions, 10 workshops and expert talks, will be organized in this two-day event. Along with this, cultural programs will also be organized for entertainment.
Prof. Phool Singh, Dean of School of Engineering and Technology (SOET) of the University, said that the objective of this festival is to develop the technical abilities of the students and provide new energy and direction. This will provide a platform to the students where they can share their innovations and scientific ideas. Students from all fields and departments can participate in this event. According to the organizers, so far about 4000 students from more than 60 institutions have registered for this event. For registration, students can register by visiting Advik's website www.advikfest.com.
On this occasion, Registrar Dr. Suneel Kumar congratulated Prof. Rakesh Kumar and Faculty Coordinators Prof. Kalpana Chauhan, Dr. Pinki Arora, Dr. Kalpana Chauhan, Dr. Nitin Goyal, Dr. Sudhir Kumar, Dr. Mohit Mittal, Er. Poonam Sharma, Er. Anil Kundu, and Er. Sunny Tanwar.

हकेवि के चार विद्यार्थियों को मल्टीनेशनल रिटेल कंपनी में मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के चार विद्यार्थियों आयुष्मान, रिशु कुमार, रश्मि राज और मीनाक्षी कुमारी झा का प्लेसमेंट दिल्ली ड्यूटी फ्री कंपनी में हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को सामाजिक और रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ विषय का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है जो रोजगार प्रदान करने में अपना अहम योगदान दे रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर आधारित विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों का कौशल विकास, सामाजिक स्वीकृति और रोजगार क्षमता को सशक्त बनाने और सुधारने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ कार्यशाला, इंटर्नशिप और विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाता है जो विद्यार्थियों को रोजगार क्षमता और कौशल बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले तीन वर्षों की योजना बना ली जाती है। बता दें कि विभाग में कैंपस प्लेसमेंट का कार्य तेजी से चल रहा है जिसमें विभाग के ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों के चयन की संभावनाएं हैं।

युवा संगम फेज चार के अंतर्गत भ्रमण का आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ पहुंचें पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों के समूह ने यात्रा के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ महेंद्रगढ़, हिसार व करनाल का भी भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन अतिथियों के लिए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु महत्त्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि युवा संगम चरण 4 के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में एक्सपोजर टूर का विशेष महत्त्व है। पश्चिम बंगाल से आए प्रतिनिधियों ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन, साइंस हब और ई-लैब, इतिहास विभाग और पुरातत्व और शिक्षा विभाग के साथ महेंद्रगढ़ किले खुडाना मंदिर का भ्रमण किया। आयोजन के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, लोक रागनी की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर कोलकाता के प्रतिनिधियों ने भी अपने लोकनृत्य और गीत प्रस्तुत किए। आयोजन में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नंद किशोर ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. बीर पाल, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विद्युलता पेद्दिरेड्डी, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. नीरज करण सिंह , डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. मोहित फोगाट, आशीष साहू, तारा चंद शर्मा सहित वाणिज्य विभाग के शोधार्थी अन्नू, प्रेरणा, मोनिका, हेमलता तथा एम.कॉम के छात्र पयोधी, गौरव, सपना, बलवान, रौनक, अनुभा एवं अन्य छात्र उपस्थित रहे। डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजन के दूसरे दिन प्रतिनिधियों ने हिसार स्थित राखीगढ़ी, करनाल के नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट का भ्रमण किया।

हकेवि के चार विद्यार्थियों को मल्टीनेशनल रिटेल कंपनी में मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के चार विद्यार्थियों आयुष्मान, रिशु कुमार, रश्मि राज और मीनाक्षी कुमारी झा का प्लेसमेंट दिल्ली ड्यूटी फ्री कंपनी में हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को सामाजिक और रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ विषय का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है जो रोजगार प्रदान करने में अपना अहम योगदान दे रहा है।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर आधारित विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों का कौशल विकास, सामाजिक स्वीकृति और रोजगार क्षमता को सशक्त बनाने और सुधारने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ कार्यशाला, इंटर्नशिप और विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाता है जो विद्यार्थियों को रोजगार क्षमता और कौशल बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है।

विद्यार्थियों को मल्टीनेशनल कंपनी में मिला प्लेसमेंट

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट के चार विद्यार्थियों आयुष्मान, रिशु कुमार, रश्मि राज और मीनाक्षी कुमारी झा का प्लेसमेंट दिल्ली ड्यूटी फ्री कंपनी में हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को सामाजिक व रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है। स्कूल आफ लाइफ लांग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ विषय का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है।

सांस्कृतिक विरासत से रूबरू हुए पश्चिम बंगाल से आए विद्यार्थी

युवा संगम आयोजन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हकेंवि के विद्यार्थी • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ पहुँचें पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों के समूह ने यात्रा के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के साथ–साथ महेंद्रगढ़, हिसार व करनाल का भी भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मागदर्शन में कार्यक्रम के पहले दिन अतिथियों के लिए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु महत्त्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल आफिसर डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि युवा संगम चरण चार के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में एक्सपोजर टूर का विशेष महत्त्व है। पश्चिम बंगाल से आए प्रतिनिधियों इतिहास विभाग और पुरातत्त्व और शिक्षा विभाग के साथ महेंद्रगढ़ किले खुडाना मंदिर का भ्रमण किया।

हकेवि के चार विद्यार्थियों को मल्टीनेशनल रिटेल कंपनी में मिला प्लेसमेंट

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के चार विद्यार्थियों आयुष्मान, रिशु कुमार, रश्मि राज और मीनाक्षी कुमारी झा का प्लेसमेंट दिल्ली ड्यूटी फ्री कंपनी में हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को सामाजिक और रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ लोंग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ विषय का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है जो रोजगार प्रदान करने में अपना अहम योगदान दे रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर आधारित विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों का कौशल विकास, सामाजिक स्वीकृति और रोजगार क्षमता को सशक्त बनाने और सुधारने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ कार्यशाला, इंटर्नशिप और विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाता है जो विद्यार्थियों को रोजगार क्षमता और कौशल बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों का पंजीकरण होते ही उनके लिए अगले तीन वर्षों की योजना बना ली जाती है। बता दे कि विभाग में कैंपस प्लेसमेंट का कार्य तेजी से चल रहा है जिसमें विभाग के ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों के चयन की संभावनाएं हैं।

Four students of CUH got placement in multinational company

April 04, 2024 06:25 PM

MAHENDERGARH,04.04.24-Four students Ayushman, Rishu Kumar, Rashmi Raj and Meenakshi Kumari Jha, of B.Voc Retail and Logistics Management of Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, have been placed in Delhi Duty Free Company. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that the University is trying to provide employment opportunities to the students along with studies. He said that skill development among the students along with studies also makes them prosperous from social and employment point of view.

Prof. Pawan Kumar Maurya, Dean, School of Life Long Learning said that along with the theoretical course, students are also given practical knowledge of the subject which is making an important contribution in providing employment. Dr. Suyash Mishra, Coordinator of Retail and Logistics Management, said that the curriculum of the department based on the new education policy is a powerful tool to empower and improve the skill development, social acceptance and employability of students. He said that along with studies, the department organizes workshops, internships and special lectures which make an important contribution in increasing the employability and skills of the students.

तथ्यात्मक समाचार व सूचना पहुंचाना पत्रकार का दायित्व

पत्रकारिता व जनसंचार विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शुक्रवार को फैक्ट चेकिंग पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार एवं फेक्ट चैकर मोहम्मद फहाद विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विशेषज्ञ मोहम्मद फहाद ने कहा कि तथ्यात्मक समाचार व सूचनाएं आमजन तक पहुंचाना पत्रकार का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार के साथ ही दुनिया में भ्रमित सूचनाएं लगातार पहुंच रही हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से इन्हें बनाना व साझा करना आसान हो गया है। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं की पहचान, उनकी रोकथाम व उसके बारे में जागरूकता वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

विशेषज्ञ उदाहरणों के माध्यम से बताया कि डिजिटल मीडिया में गति है, लेकिन सत्यता व तथ्यपरकता बनाए रखने का दायित्व भी पत्रकार का है। मोहम्मद फहाद ने विद्यार्थियों को डिजिटल मीडिया की बारीकियों से अवगत करवाते हुए ऑर्गेनिट ट्रैफिक, अनऑर्गेनिक ट्रैफिक, रेफल ट्रैफिक, बाउंस बैक, सर्च इंजन ऑपटिमाइजेशन, गूगल एनेलेटिक्स, गूगल ट्रेंड्स सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा लेखन का अभ्यास करें व दुनिया भर में मीडिया के क्षेत्र में हो रहे बदलावों पर अपनी नजर रखें। उन्होंने कहा कि नए पत्रकारों के लिए डिजिटल पत्रकारिता ही भविष्य है। डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि फैक्ट चैंकिग वर्तमान समय में समाचार कक्ष के लिए एक नया स्किल हैं। विद्यार्थियों को नए स्किल को हासिल करने के लिए निरंतर प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोजगार क्षमता को बढाना व कौशल विकास करना है।

विद्यार्थियों को मीडिया क्षेत्र में हो रहे बदलाव की जानकारी दी

विविधता में एकता का पोषक है युवा संगम: प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने और विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति व पर्यटन से रूबरू कराने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित युवा संगम फेज चार के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों का एक समूह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ पहुंचा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता के नेतृत्व में पहुंचे इस समूह के विद्यार्थियों का स्वागत किया और कहा कि अवश्य ही यह यात्रा उन्हें हरियाणा और यहां की कला, संस्कृति को करीब से जानने समझने में मददगार साबित होगी।

कुलपति ने इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर आयोजित कार्यक्रम युवा संगम के संबंध में कहा कि यह प्रयास यकीनन समूचे भारत को एक सूत्र में पिरोना का कार्य कर रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पश्चिम बंगाल से आए विद्यार्थियों का परिचय हरियाणा से कराते हुए कहा कि यह वहीं राज्य है जो आबादी में भले ही देश की कुल आबादी का दो प्रतिशत के आसपास है लेकिन जब बात योगदान की आती है तो सेना, खेल, कृषि व पशुधन के मामले में इस राज्य का योगदान दस प्रतिशत से भी अधिक है। कुलपति ने विद्यार्थियों को हरियाणा के इतिहास की जानकारी देते हुए कहा कि बंगाल और हरियाणा दोनों ही राज्यों ने विभाजन का दर्द झेला है। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय व आईआईएसईआर, कोलकाता के शिक्षकों की भी सराहना की, जिनके प्रयासों से दोनों ही राज्यों के विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल का यह आयोजन संभव हो सका।

विश्वविद्यालय परिसर में पश्चिम बंगाल से आएं विद्यार्थियों व शिक्षक प्रतिनिधियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित स्वागत कार्यक्रम की शुरूआत कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने अपने संबांधन में इस आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात विश्वविद्यालय में गठित एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्य डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा हरियाणा राज्य से

युवा संगम के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का चयन सहयोगी संस्थान के रूप में किया जाना गर्व का विषय है। उन्होंने इस अवसर पर युवा संगम फेस चार के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि इस यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल से आया प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय के पुस्तकालय, इनोवेशन सेंटर, इतिहास विभाग में स्थापित म्यूजियम व शैक्षणिक खंडों के साथ-साथ स्थानीय खुड़ाना गांव स्थित मंदिर, माधोगढ़ का किला, राखीगढ़ी, नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, करनाल, कुरुक्षेत्र, मोरनी हिल्स, सकुना लेक, रॉक गार्डन व आईएएफ म्यूजियम का भी भ्रमण करेगा। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालयमें एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने इस यात्रा में विद्यार्थियों के साथ आए शिक्षक अरुण दत्ता, अविजीत देबनाथ, भासवती भौमिक और शुभांकर दास का आभार व्यक्त किया। डॉ. मीणा ने कहा कि अवश्य ही यह यात्रा युवा संगम के उद्देश्य की प्राप्ति में मददगार साबित होगी। इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्य डॉ. श्रीराम पांडे, डॉ. अजय कुमार, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. देवेंद्र राजपूत, डॉ. विद्युलता व प्रो. बीरपाल सिंह यादव सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, शोधार्थी जिनमें अन्नु, हेमलता, मोनिका व प्योधि आदि उपस्थित रहे।

चुनौतियों का समाधान खोजने पर मंथन

हकेंवि में टैकफेस्ट अद्विक के लिए 60 संस्थानों के चार हजार प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में 9 से 10 अप्रैल को अपना वार्षिक टैकफेस्ट आयोजित करने जा रहा है। टैकफेस्ट की वेबसाइट का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थी अद्विक के लिए पंजीकरण ऑनलाइन करा सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में तकनीक हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है और इसके बिना जीवन की कल्पना करना कठिन है। विश्वविद्यालय में इस तकनीकी महोत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है जो कि विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान और कौशल में रुचि लेने के लिए प्रेरित करेगा। दो दिवसीय इस आयोजन में 15 प्रतियोगिताएं, 10 वर्कशॉप और एक्सपर्ट टॉक्स सहित कुल 45 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। अद्विक के इस संस्करण में 10 नए इवेंट्स जोड़े गए हैं, जिसमें 36 घंटे तक लगातार चलने वाले हैकथॉन सोल्व 4 प्लेनेट हैकथॉन भी शामिल है। इसका उद्देश्य धरती से जुड़ी वर्तमान एवं आने वाली चुनौतियों के लिए समाधान खोजना है। इसके अलावा आयोजन में नए एआई टूल्स जैसे चैट जीपीटी के उत्तम प्रयोग के लिए वर्कशॉप भी आयोजन होगा।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमताओं का विकास करना और नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करना है। अभी तक इस आयोजन के लिए 60 से ज्यादा संस्थानों के लगभग 4 हजार विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. राकेश कुमार और कोऑर्डिनेटर डॉ. नितिन गोयल ने कहा कि यह टैकफेस्ट हकेंवि के विद्यार्थियों के साथ-साथ देशभर के विद्यार्थियों के लिए टेक्नोलॉजी के महत्व को समझने और इनके सार्थक प्रयोग के लिए प्रेरित करेगा। यह आयोजन विद्यार्थियों के साथ साथ आमजन को भी बिना पर्यावरण को नुकसान किए बिना उपयोग में आने वाली तकनीक को समझने एवं उपयोग करने के लिए प्रेरित करेगा ।

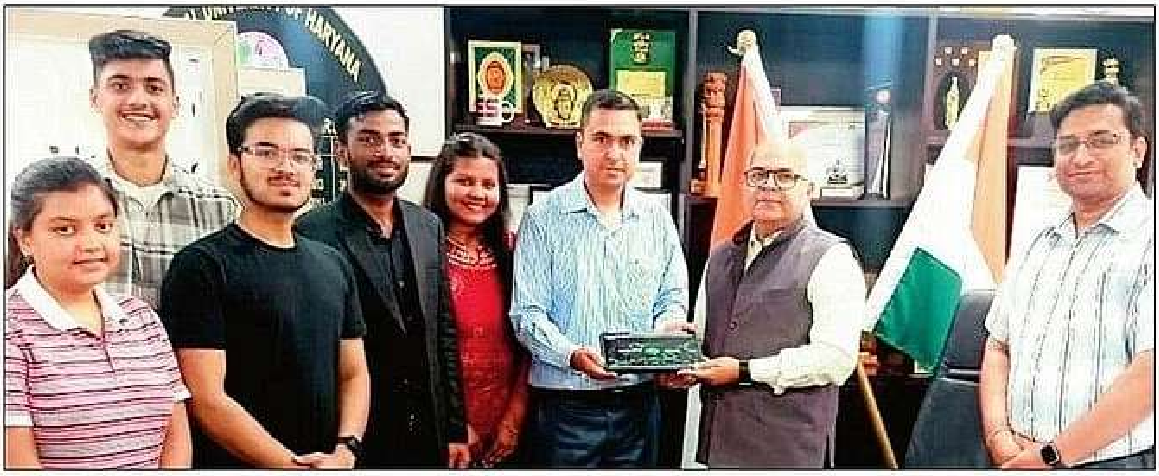

अद्विक की वेबसाइट लांच करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

हकेंवि पहुंचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति व पर्यटन से रूबरू कराने के उद्देश्य से पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों का एक समूह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) पहुंचा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता के नेतृत्व में पहुंचे इस समूह के विद्यार्थियों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह यात्रा उन्हें हरियाणा और वहां की कला, संस्कृति को करीब से जानने समझने में मददगार साबित होगी। युवा संगम फेज चार के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी हकेंवि पहुंचे हैं। इस दौरान कुलपति ने कहा कि विविधता में एकता का पोषक है युवा संगम। उन्होंने पश्चिम बंगाल से आए विद्यार्थियों का परिचय हरियाणा से कराते हुए कहा कि यह वही राज्य है जो आबादी में भले ही देश की कुल आबादी का दो प्रतिशत के आसपास है। जब बात योगदान की आती है तो सेना, खेल, कृषि व पशुधन के मामले में इस राज्य का योगदान दस प्रतिशत से भी अधिक है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में पश्चिम बंगाल से आएं विद्यार्थियों व शिक्षक प्रतिनिधियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। स्वागत कार्यक्रम की शुरुआत कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया किपश्चिम बंगाल से आया प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय के पुस्तकालय, इनोवेशन सेंटर, इतिहास विभाग में स्थापित म्यूजियम व शैक्षणिक खंडों के साथ-साथ खुड़ाना गांव स्थित मंदिर, माधोगढ़ का किला, राखीगढ़ी, नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, करनाल, कुरुक्षेत्र, मोरनी हिल्स, सकुना लेक, रॉक गार्डन व आईएएफ म्यूजियम का भी भ्रमण करेगा। संवाद

हकेंवि के शिक्षक ने मरयम अबाचा अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ नाइजीरिया में दिया व्याख्यान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के शिक्षक ने प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने प्रतिष्ठित मरयम अबाचा अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ नाइजीरिया में ऑनलाइन माध्यम से अनुसंधान प्रकाशन प्लेटफार्मों और संकेतकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

उन्होंने इस व्याख्यान में प्रतिभागियों को अनुसंधान प्रकाशन प्लेटफार्मों की खोज और संकेतक केस स्टडी तथा सर्च इंजन के अनुकूलन के माध्यम से विषय की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराई। मरयम अबाचा अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ नाइजीरिया के प्रेसिडेंट प्रो. (डॉ.) मोहम्मद इसरार ने कहा कि अवश्य ही इस व्याख्यान के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने शोध के संबंध में आवश्यक प्लेटफार्मों के चयन में मदद मिलेगी। प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि उन्होंने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार की ओर से दिए गए अनुसंधान उत्कृष्टता के प्रचार प्रसार के लक्ष्य को पूर्ण करने के दिशा में ही इस आयोजन में प्रतिभागिता की। प्रो. सक्सेना ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सदैव ही इस दिशा में विशेष प्रयासों के लिए सहयोगी शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हैं।

टैकफेस्ट 'अद्विक' में प्रतियोगिता व वर्कशॉप समेत 45 कार्यक्रम होंगे

केंद्रीय विवि में होगा दो दिवसीय आयोजन

अद्विक की वेबसाइट लांच करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़ | हकेंवि 9 व 10 अप्रैल को अपना वार्षिक टैकफेस्ट 'अद्विक' आयोजित करने जा रहा है। टैकफेस्ट की वेबसाइट का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थी अद्विक के लिए पंजीकरण ऑनलाइन करा सकते हैं। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में तकनीक हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है और इसके बिना जीवन की कल्पना करना कठिन है। विश्वविद्यालय में इस तकनीकी महोत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है जो कि विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान और कौशल में रुचि लेने के लिए प्रेरित करेगा।

दो दिवसीय इस आयोजन में 15 प्रतियोगिताएं, 10 वर्कशॉप और एक्सपर्ट टॉक्स सहित कुल 45 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमताओं का विकास करना और नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करना है। इस आयोजन के लिए 60 से ज्यादा संस्थानों के लगभग 4000 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया है। पंजीकरण के लिए विद्यार्थी अद्विक की वेबसाइट अद्विकफेस्ट डॉट कॉम (advikfest.com) पर जाकर रजिस्टर हो सकते हैं। अद्विक के इस संस्करण में 10 नए इवेंट्स जोड़े गए हैं, जिसमें 36 घंटे तक लगातार चलने वाले हैकथॉन 'सोल्व 4 प्लेनेट हैकथॉन' भी शामिल है।

युवा संगम फेज-4 • समूचे भारत को एक सूत्र में पिरोने को चलाया अभियान

हकेंवि पहुंचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी; हरियाणा की कला, संस्कृति और पर्यटन से कराया अवगत

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने और विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति व पर्यटन से रूबरू कराने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित युवा संगम फेज चार के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों का एक समूह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंचा है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता के नेतृत्व में पहुंचे इस समूह के विद्यार्थियों का स्वागत किया और कहा कि अवश्य ही यह यात्रा उन्हें हरियाणा और यहां की कला, संस्कृति को करीब से जानने समझने में मददगार साबित होगी।

कुलपति ने इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर आयोजित कार्यक्रम युवा संगम के संबंध में कहा कि यह प्रयास यकीनन समूचे भारत को एक सूत्र में पिरोना का कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय

परिसर में पश्चिम बंगाल से आएं विद्यार्थियों व शिक्षक प्रतिनिधियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित स्वागत कार्यक्रम की शुरुआत कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने अपने संबोधन में इस आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके बाद विश्वविद्यालय में गठित एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्य डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा हरियाणा राज्य से युवा संगम के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का चयन सहयोगी संस्थान के रूप में किया जाना गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल से आया प्रतिनिधिमंडल हरियाणा की प्रसिद्ध जगहों का भ्रमण करेगा। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने इस यात्रा में विद्यार्थियों के साथ आए शिक्षक अरुण दत्ता, अविजीत देबनाथ, भासवती भौमिक और शुभांकर दास का आभार व्यक्त किया। डॉ. मीणा ने कहा कि अवश्य ही यह यात्रा युवा संगम के उद्देश्य की प्राप्ति में मददगार साबित होगी। इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्य डॉ. श्रीराम पांडे, डॉ. अजय कुमार, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. विष्णु कुचेरिया, डॉ. देवेंद्र राजपूत, डॉ. विद्युलता व प्रो. बीरपाल सिंह यादव सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, शोधार्थी जिनमें अन्नु, हेमलता, मोनिका व प्योधि आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में टैकफेस्ट 'अद्विक' का होगा आयोजन

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आगामी 9-10 अप्रैल 2024 को अपना वार्षिक टैकफेस्ट 'अद्विक' आयोजित करने जा रहा है। टैकफेस्ट की वेबसाइट का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थी अद्विक के लिए पंजीकरण ऑनलाइन करा सकते हैं। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में तकनीक हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है और इसके बिना जीवन की कल्पना करना कठिन है। विश्वविद्यालय में इस तकनीकी महोत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के विकास हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास है जो कि विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान और कौशल में रुचि लेने के लिए प्रेरित करेगा। दो दिवसीय इस आयोजन में 15 प्रतियोगिताएं, 10 वर्कशॉप और एक्सपर्ट टॉक्स सहित कुल 45 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमताओं का विकास करना और नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करना है। यह विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच प्रदान करेगा जहां वे अपने नवाचार और वैज्ञानिक धारणाओं को साझा कर सकेंगे। इस आयोजन में सभी क्षेत्रों और विभागों के विद्यार्थी हिस्सा ले सकते हैं। आयोजकों के अनुसार अभी तक इस आयोजन के लिए 60 से ज्यादा संस्थानों के लगभग 4000 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

पंजीकरण हेतु विद्यार्थी अद्विक की वेबसाइट अद्विकफेस्ट डॉट कॉम पर जाकर रजिस्टर हो सकते हैं। अद्विक के इस संस्करण में 10 नए इवेंट्स जोड़े गए हैं। जिसमे 36 घंटे तक लगातार चलने वाले हैकथॉन 'सोल्व 4 हलेनेट हैकथॉन' भी शामिल है। जिसका उद्देश्य धरती से जुड़ी वर्तमान एवं आने वाली चुनौतियों के लिए समाधान खोजना है। इसके अलावा आयोजन में नए एआई टूल्स जैसे चैट जीपीटी के उत्तम प्रयोग के लिए वर्कशॉप भी आयोजन होगा।

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. राकेश कुमार और कोऑर्डिनेटर डॉ. नितिन गोयल ने कहा कि यह टैकफेस्ट हकेवि के विद्यार्थियों के साथ साथ देशभर के विद्यार्थियों के लिए टेक्नोलॉजी के महत्व को समझने और इनके सार्थक प्रयोग के लिए प्रेरित करेगा। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने फैकल्टी कोऑर्डिनेटर प्रो. कल्पना चौहान, डॉ. पिंकी अरोड़ा, डॉ. कल्पना चौहान, डॉ. नितिन गोयल, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. मोहित मित्तल, ई. पूनम शर्मा, ई. अनिल कुंडु, और ई. सनी तंवर को बधाई दी और कहा कि अद्विक 2024 का थीम 'सतत प्रौद्योगिकी' है, यानि आज के दौर में तकनीकी विकास के साथ-साथ हमें धरती के बारे में भी सोचना होगा।

विविधता में एकता का पोषक है युवा संगमः प्रो. टंकेश्वर कुमार

युवा संगम फेज चार के अंतर्गत हकेवि पहुंचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने और विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति व पर्यटन से रूबरू कराने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित युवा संगम फेज चार के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों का एक समूह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ पहुंचा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता के नेतृत्व में पहुंचे इस समूह के विद्यार्थियों का स्वागत किया और कहा कि अवश्य ही यह यात्रा उन्हें हरियाणा और यहां की कला, संस्कृति को करीब से जानने समझने में मददगार साबित होगी। कुलपति ने इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर आयोजित कार्यक्रम युवा संगम के संबंध में कहा कि यह प्रयास यकीनन समूचे भारत को एक सूत्र में पिरोना का कार्य कर रहा है। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने पश्चिम बंगाल से आए विद्यार्थियों का परिचय हरियाणा से कराते हुए कहा कि यह वहीं राज्य है जो आबादी में भले ही देश की कुल आबादी का दो प्रतिशत के आसपास है लेकिन जब बात योगदान की आती है तो सेना, खेल, कृषि व पशुधन के मामले में इस राज्य का योगदान दस प्रतिशत से भी अधिक है। कुलपति ने विद्यार्थियों को हरियाणा के इतिहास की जानकारी देते हुए कहा कि बंगाल और हरियाणा दोनों ही राज्यों ने विभाजन का दर्द झेला है। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय व आईआईएसईआर, कोलकाता के शिक्षकों की भी सराहना की, जिनके प्रयासों से दोनों ही राज्यों के विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल का यह आयोजन संभव हो सका।

हकेंवि में वार्षिक टैकफेस्ट वेबसाइट लांच

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) आगामी 9-10 अप्रैल को अपना वार्षिक टैकफेस्ट 'अद्विक' आयोजित करने जा रहा है। टैकफेस्ट की वेबसाइट का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थी अद्विक के लिए पंजीकरण आनलाइन करा सकते हैं। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में तकनीक हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है और इसके बिना जीवन की कल्पना करना कठिन है। विश्वविद्यालय में इस तकनीकी महोत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के विकास हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास है जो कि विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान और कौशल में रुचि लेने के लिए प्रेरित करेगा। दो दिवसीय इस आयोजन में 15 प्रतियोगिताएं, 10 वर्कशाप और एक्सपर्ट टाक्स सहित कुल 45 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

अद्विक की वेबसाइट लांच करते प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (एसओईटी) के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमताओं का विकास करना और नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करना है। इस आयोजन में सभी क्षेत्रों और विभागों के विद्यार्थी हिस्सा ले सकते हैं। आयोजकों के अनुसार अभी तक इस आयोजन के लिए 60 से ज्यादा संस्थानों के लगभग 4000 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया है। पंजीकरण के लिए विद्यार्थी अद्विक की वेबसाइट अद्विकफेस्ट डाट काम पर जाकर रजिस्टर हो सकते हैं। 10 नए इवेंट्स के तहत 36 घंटे तक लगातार चलने वाले हैकथान 'सोल्व 4 प्लेनेट हैकथान' भी शामिल है। इसका उद्देश्य धरती से जुड़ी चुनौतियों के लिए समाधान खोजना है। इस मौके पर कुलसचिव डा. सुनील कुमार ने फैकल्टी कोआर्डिनेटर प्रो. कल्पना चौहान, डा. पिंकी अरोड़ा, डा. कल्पना चौहान, डा. नितिन गोयल, डा. सुधीर कुमार, डा. मोहित मित्तल, व अन्य को इस आयोजन के लिए बधाई दी ।

युवा संगम फेज चार के तहत हकेंवि पहुंचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने और विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की कला, संस्कृति व पर्यटन से रूबरू कराने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित युवा संगम फेज चार के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों का एक समूह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ पहुंचा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आइआइएसईआर), कोलकाता के नेतृत्व में पहुंचे इस समूह के विद्यार्थियों का स्वागत किया और कहा कि अवश्य ही यह यात्रा उन्हें हरियाणा और यहां की कला, संस्कृति को करीब से जानने समझने में मददगार साबित होगी।

कुलपति ने इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर आयोजित कार्यक्रम युवा संगम के संबंध में कहा कि यह प्रयास यकीनन समूचे भारत को एक सूत्र में पिरोना का कार्य कर रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल से आए विद्यार्थियों का परिचय हरियाणा से कराते हुए कहा कि यह वहीं राज्य है जो आबादी में भले ही देश की कुल आबादी का दो प्रतिशत के आसपास है लेकिन जब बात योगदान की आती है तो सेना, खेल, कृषि व पशुधन के मामले में इस राज्य का योगदान दस प्रतिशत से भी अधिक है। कुल सचिव प्रो. सुनील कुमार ने इस आयोजन की महत्ता के बारे में बताया। विश्वविद्यालय में गठित एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सदस्य डा. जितेंद्र कुमार ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा हरियाणा राज्य से युवा संगम के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का चयन सहयोगी संस्थान के रूप में किया जाना गर्व का विषय है। कार्यक्रम के अंत में नोडल आफिसर डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हकेंवि में 2 दिवसीय टैकफेस्ट 'अद्विक' 9 से

महेंद्रगढ़, 3 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ आगामी 9-10 अप्रैल को अपना वार्षिक टैकफेस्ट 'अद्विक' आयोजित करने जा रहा है। टैकफेस्ट की वेबसाइट का अनावरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थी पंजीकरण करा सकते हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में इस तकनीकी महोत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के विकास के लिये एक महत्वपूर्ण प्रयास है। दो दिवसीय इस आयोजन में 15 प्रतियोगिताएं, 10 वर्कशॉप और एक्सपर्ट टॉक्स सहित कुल 45 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस आयोजन में सभी क्षेत्रों और विभागों के विद्यार्थी हिस्सा ले सकते हैं। आयोजकों के अनुसार अभी तक इस आयोजन के लिए 60 से ज्यादा संस्थानों के लगभग 4000 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

पंजीकरण हेतु विद्यार्थी अद्विक की वेबसाइट अद्विकफेस्ट डॉट कॉम (advikfest.com) पर जाकर रजिस्टर हो सकते हैं। अद्विक के इस संस्करण में 10 नए इवेंट्स जोड़े गए हैं। जिसमें 36 घंटे तक लगातार चलने वाले हैकथॉन 'सोल्व 4 प्लेनेट हैकथॉन' भी शामिल है। जिसका उद्देश्य धरती से जुड़ी वर्तमान एवं आने वाली चुनौतियों के लिए समाधान खोजना है। इसके अलावा आयोजन में नए एआई टूल्स जैसे चैट जीपीटी के उत्तम प्रयोग के लिए वर्कशॉप भी आयोजन होगा।

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. राकेश कुमार और कोऑर्डिनेटर डॉ. नितिन गोयल, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने फेकल्टी को बधाई दी।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 04 April 2024 https://epaper.dainiktribun

हकेंवि के चार विद्यार्थी मल्टीनेशनल रिटेल कंपनी में मिला प्लेसमेंट

प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी, कुलपति और शिक्षकों के साथ। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के चार विद्यार्थियों आयुष्मान, रिशु कुमार, रश्मि राज और मीनाक्षी कुमारी झा का प्लेसमेंट दिल्ली ड्यूटी फ्री कंपनी में हुआ है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में कौशल विकास पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को सामाजिक और रोजगार की दृष्टि से भी समृद्ध बनाता है।

प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ विषय का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है जो रोजगार प्रदान करने में अपना अहम योगदान दे रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर आधारित विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों का कौशल विकास, सामाजिक स्वीकृति और रोजगार क्षमता को सशक्त बनाने और सुधारने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है।

बंगाल ने जानी हरियाणवी संस्कृति

युवा संगम कार्यक्रम के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ पहुंचे बंगाल के विद्यार्थी

हरियाणा के ऐतिहासिक स्थलों के दौरा करते बंगाल के विद्यार्थी। स्रोत : हकेंवि

युवा संगम आयोजन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हकेंवि के विद्यार्थी। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ पहुंचे बंगाल के विद्यार्थियों के समूह ने महेंद्रगढ़, हिसार व करनाल का भ्रमण किया। इस दौरान हरियाणा की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत से भी रूबरु हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन अतिथियों के

विश्वविद्यालय परिसर स्थित शैक्षणिक संसाधनों से हुए अवगत

लिए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि युवा संगम चरण 4 के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में एक्सपोजर टूर का विशेष महत्त्व है। बंगाल से आए प्रतिनिधियों ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन, साइंस हब और ई-लैब, इतिहास विभाग और पुरातत्व और शिक्षा विभाग के साथ महेंद्रगढ़ किले खुडाना मंदिर का भ्रमण किया।

आयोजन के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, लोक रागनी की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। डॉ. राजेंद्र मीणा ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजन के दूसरे दिन प्रतिनिधियों ने हिसार स्थित राखीगढ़ी, करनाल के नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट का भ्रमण किया। कोलकाता के प्रतिनिधियों ने भी अपने लोकनृत्य और गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रो. बीर पाल, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विद्युलता पेद्दिरेड्डी, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. नीरज करण सिंह, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. मोहित फोगाट, आशीष साहू, तारा चंद शर्मा आदि मौजूद रहे।

हकेंवि के चार विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के चार विद्यार्थियों आयुष्मान, रिशु कुमार, रश्मि राज और मीनाक्षी कुमारी झा का प्लेसमेंट दिल्ली ड्यूटी फ्री कंपनी में हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ विषय का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है जो रोजगार प्रदान करने में अपना अहम योगदान दे रहा है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर आधारित विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों का कौशल विकास, सामाजिक स्वीकृति और रोजगार क्षमता को सशक्त बनाने और सुधारने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। बता दें कि विभाग में कैंपस प्लेसमेंट का कार्य तेजी से चल रहा है जिसमें विभाग के ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों के चयन की संभावनाएं हैं।

हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू हुए पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी

युवा संगम फेज चार के अंतर्गत भ्रमण का आयोजन

महेंद्रगढ़ | एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के तहत हकेंवि पहुंचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थियों के समूह ने यात्रा के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के साथ महेंद्रगढ़, हिसार व करनाल का भी भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन अतिथियों के लिए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु महत्त्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि युवा संगम चरण 4 के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में एक्सपोजर टूर का विशेष महत्त्व है। पश्चिम बंगाल से आए प्रतिनिधियों ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन, साइंस हब और ई-लैब, इतिहास विभाग और पुरातत्व और शिक्षा विभाग के साथ महेंद्रगढ़ किले खुडाना मंदिर का भ्रमण किया। इस अवसर पर प्रो. बीर पाल, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विद्युलता पेद्दिरेड्डी, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. नीरज करण सिंह, डॉ. अभिषेक जिंदल आदि छात्र उपस्थित रहे।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के तहत युवा संगम कार्यक्रम

हरियाणा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से रूबरू पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी

नारनौल, 4 अप्रैल (निस)

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान के तहत युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ पहुंचे पश्चिम बंगाल के विद्यार्थी, पदाधिकारी हरियाणा की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विरासत से परिचित हुये। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ महेंद्रगढ़, हिसार व करनाल का भी भ्रमण किया। कार्यक्रम के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

महेंद्रगढ़ स्थित हकेंवि में बृहस्पतिवार को हरियाणा का लोकनृत्य प्रस्तुत करतीं विश्वविद्यालय की छात्राएं। -हप्र

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में 'एक भारत,श्रेष्ठ भारत' अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि युवा संगम चरण-4 के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में एक्सपोजर टूर का विशेष महत्व है। पश्चिम बंगाल से आए विद्यार्थियों ने ने विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन, साइंस हब और ई-लैब, इतिहास विभाग और शिक्षा विभाग के साथ महेंद्रगढ़ के किले, खुडाना मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने हिसार स्थित राखीगढ़ी, करनाल के नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट का भ्रमण किया। नोडल ऑफिसर ने बताया कि आयोजन के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, लोक रागिनी से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर कोलकाता के विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों ने भी अपने लोकनृत्य और गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीरपाल, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विद्युलता पेद्दिरेड्डी, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. नीरज करण सिंह, डॉ. अभिषेक जिंदल, डॉ. मोहित फोगाट मौजूद रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 05 April 2024
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/74858980

ETHICS COURSE FOR PhD STUDENTS

Mahendragarh: Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, organised an induction programme for a 'Research and Publication Ethics' course on April 5. The purpose of the induction programme was to introduce the course curriculum and its importance to PhD students. More than 50 PhD scholars from various departments of the university participated in it. In 2019-20, the UGC mandated all higher education institutes to organise a two-credit 'Research and Publication Ethics' course for PhD students as part of their PhD course work. University Librarian Santosh CH, who is also the coordinator of the course, thanked Vice-Chancellor Tankeshwar Kumar for his support and encouragement for organising the course.

Haryana Tribune Mon, 08 April 202
https://epaper.tr

फार्माकोविजिलेंस, एडीआर व रोगी सुरक्षा पर की चर्चा

हकेंवि में विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञ वार्ता का किया गया आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा फार्माकोविजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षा पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने फार्माकोविजिलेंस के क्षेत्र में अपना करियर तलाशने के लिए विशेष रूप से एम.फार्मा के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की सराहना की। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसमें फार्माकोविजिलेंस, एडीआर और

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

रोगी सुरक्षा पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विशेषज्ञों से संवाद के लिए भविष्य में भी ऐसी विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की जाएगी।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. पलानीसामी शिवानंदी ने वर्तमान परिदृश्य के दौरान फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर विशेषज्ञ वार्ता दी। इसके अलावा उन्होंने प्रतिकूल

प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग और निगरानी में स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका भी बताई

दवा प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग और निगरानी में स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में रोगी सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि फार्माकोविजिलेंस और एडीआर मॉनिटरिंग दवा और टीकों की सुरक्षा सुनिश्चित करके स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और व अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी फार्माकोविजिलेंस और रोगी सुरक्षा के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए सत्र में शामिल हुए।

हकेंवि में 'फार्माकोविजिलेंस, एडीआर व रोगी सुरक्षा' का महत्व बताया

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा 'फार्माकोविजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षा' पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने फार्माकोविजिलेंस के क्षेत्र में अपना कॅरिअर तलाशने के लिए विशेष रूप से एम.फार्मा के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सराहना की।

विवि के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआलालंपुर मलेशिया के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. पलानीसामी शिवानंदी ने वर्तमान परिदृश्य के दौरान फार्माकोविजिलेंस के महत्व बताया। उन्होंने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) रिपोर्टिंग और निगरानी में स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका पर भी जोर दिया।

फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि फार्माकोविजिलेंस और एडीआर मॉनिटरिंग दवा और टीकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. मनीषा पांडे ने कहा कि यह विशेषज्ञ वार्ता विशेष रूप से एम. फार्म के विद्यार्थियों और फार्मास्युटिकल साइंसेज के पीएचडी शोधार्थियों के लिए आयोजित की गई। इस आयोजन में संकाय सदस्य डॉ. सुमित कुमार, डॉ. अशोक जांगड़ा और डॉ. तरुण कुमार ने सक्रिय भागीदारी की।

फार्माकोविजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षा पर वार्ता आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा 'फार्माकोविजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षा' पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने फार्माकोविजिलेंस के क्षेत्र में अपना करियर तलाशने के लिए विशेष रूप से एम.फार्मा के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की सराहना की।

विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विशेषज्ञों से संवाद के लिए भविष्य में भी ऐसी विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डा. पलानीसामी शिवानंदी ने वर्तमान परिदृश्य के दौरान फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर विशेषज्ञ वार्ता दी। इसके अलावा, उन्होंने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) रिपोर्टिंग और निगरानी में स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंनेरोगी सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि फार्माकोविजिलेंस और एडीआर मानिटरिंग दवा और टीकों की सुरक्षा सुनिश्चित करके स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे ने कहा कि यह विशेषज्ञ वार्ता विशेष रूप से एम. फार्म के विद्यार्थियों और फार्मास्युटिकल साइंसेज के पीएचडी शोधार्थियों के लिए आयोजित की गई। इस आयोजन में संकाय सदस्य डा. सुमित कुमार, डा. अशोक जांगड़ा और डा. तरूण कुमार ने सक्रिय भागीदारी की। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और व अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी फार्माकोविजिलेंस और रोगी सुरक्षा के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए सत्र में शामिल हुए।

हकेवि में रोगी सुरक्षा पर वार्ता का आयोजन

महेंद्रगढ़, 8 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा 'फार्माकोविजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षा' पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने फार्माकोविजिलेंस के क्षेत्र में करियर तलाशने के लिए विशेष रूप से एम फार्मा के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की सराहना की। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि भविष्य में भी ऐसी विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की जाएगी।

दैनिक ट्रिब्यून

हकेंवि में शिक्षा में रंगमंच की भूमिका पर किया मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शिक्षा में रंगमंच विषय पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए रंगमंच में शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही यह आयोजन हो रहा है। अवश्य ही विद्यार्थी इससे लाभान्वित होंगे।

तीन सत्रों में आयोजित इस में कार्यशाला में प्रो. महेंद्र कुमार ने शिक्षा में रंगमंच की भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को नाट्य व अन्य प्रदर्शनकारी कलाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. मुकेश उपाध्याय तथा दिलीप पटेल द्वारा किया गया।

कार्यशाला के प्रतिभागी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ विद्यार्थी। संवाद

डिजिटल मीडिया में रोजगार के लिए तकनीकी बारीकियों की समझ अति आवश्यक : फहाद

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के एवं जनसंचार विभाग द्वारा शुक्रवार को फेक्ट चेकिंग पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार एवं फेक्ट चैकर मोहम्मद फहाद विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विशेषज्ञ मोहम्मद फहाद ने कहा कि तथ्यात्मक समाचार एवं सूचनाएं आमजन तक पहुंचाना पत्रकार का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार के साथ ही दुनिया में भ्रमित सूचनाएं लगातार पहुंच रही हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से इन्हें बनाना व सांझा करना आसान हो गया है। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं की पहचान, उनकी रोकथाम व उसके बारे में जागरूकता वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

मोहम्मद फहाद ने विद्यार्थियों को डिजिटल मीडिया की बारीकियों से अवगत करवाते हुए आर्गेनिट ट्रैफिक, अनआर्गेनिक ट्रैफिक, रैफल ट्रैफिक, बाउंस बैक, सर्च इंजन ऑपटिमाइजेशन, गूगल एनेलेटिक्स, गूगल ट्रेंडस सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने विशेषज्ञ का स्वागत और धन्यवाद किया।

हकेंवि में शिक्षा में रंगमंच विषय पर कार्यशाला... शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से करवाया अवगत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

कार्यशाला के प्रतिभागी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ।

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में शिक्षा में रंगमंच विषय पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाट्य विशेषज्ञ प्रो. महेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए रंगमंच में शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही यह आयोजन हो रहा है। अवश्य ही विद्यार्थी इससे लाभान्वित होंगे। विभाग के प्रो. दिनेश चहल ने नाट्य विशेषज्ञ प्रो. महेंद्र कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। तीन सत्रों में आयोजित इस में कार्यशाला में प्रो. महेंद्र कुमार ने शिक्षा में रंगमंच की भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को नाट्य व अन्य प्रदर्शनकारी कलाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. मुकेश उपाध्याय तथा दिलीप पटेल द्वारा किया गया। कार्यशाला के अंत में प्राक्टर प्रो. नंदकिशोर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

तकनीकी बारीरिकयों की समझ आवश्यक

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शुक्रवार को फेक्ट चैकिंग पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार एवं फेक्ट चैकर मोहम्मद फहाद विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ मोहम्मद फहाद ने कहा कि तथ्यात्मक समाचार एवं सूचनाएं आमजन तक पहुंचाना पत्रकार का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार के साथ ही दुनिया में भ्रमित सूचनाएं लगातार पहुंच रही हैं। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से इन्हें बनाना व सांझा करना आसान हो गया है। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं की पहचान, उनकी रोकथाम व उसके बारे में जागरूरकता वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों से लेखन का अभ्यास करने को कहा। पत्रकारिता व जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि फैक्ट चेकिंग वर्तमान समय में समाचार कक्ष के लिए एक नया स्किल हैं। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोजगार क्षमता को बढ़ाना एवं कौशल विकास करना है।

शिक्षा में रंगमंच केंद्रित कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला में मौजूद छात्र-छात्राएं और शिक्षक ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शिक्षा में रंगमंच विषय पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाट्य विशेषज्ञ प्रो. महेंद्र कुमार उपस्थित रहे। इस मौके पर शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए रंगमंच में शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही यह आयोजन हो रहा है। अवश्य ही विद्यार्थी इससे लाभान्वित होंगे। विभाग के प्रो. दिनेश चहल ने नाट्य विशेषज्ञ प्रो. महेंद्र कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। तीन सत्रों में आयोजित इस में कार्यशाला में प्रो. महेंद्र कुमार ने शिक्षा में रंगमंच की भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को नाट्य व अन्य कलाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल संयोजन डा. मुकेश उपाध्याय तथा दिलीप पटेल द्वारा किया गया।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला के प्रतिभागी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ। फोटो: हरिभूमि

हकेंवि में शिक्षा विभाग में रंगमंच पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा में रंगमंच विषय पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में रंगमंच विषय पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाट्य विशेषज्ञ प्रो. महेंद्र कुमार उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए रंगमंच में शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही यह आयोजन हो रहा है। अवश्य ही विद्यार्थी इससे लाभान्वित होंगे। विभाग के प्रो. दिनेश चहल ने नाट्य विशेषज्ञ प्रो. महेंद्र कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। तीन सत्रों में आयोजित इस में कार्यशाला में प्रो. महेंद्र कुमार ने शिक्षा में रंगमंच की भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को नाट्य व अन्य प्रदर्शनकारी कलाओं से अवगत कराया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा में रंगमंच विषय पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. मुकेश उपाध्याय तथा दिलीप पटेल द्वारा किया गया। कार्यशाला के अंत में प्रो. नंदकिशोर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

डिजिटल मीडिया में रोजगार से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की दी जानकारी

- हकेंवि में कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शुक्रवार को फेक्ट चैकिंग पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पत्रकार एवं फेक्ट चैकर मोहम्मद फहाद विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ मोहम्मद फहाद ने कहा कि तथ्यात्मक समाचार एवं सूचनाएं आमजन तक पहुंचाना पत्रकार का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार के साथ ही दुनिया में भ्रमित सूचनाएं लगातार पहुंच रही हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से इन्हें बनाना व सांझा करना आसान हो गया है। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं की पहचान, उनकी रोकथाम व उसके बारे में जागरूकता वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। डिजिटल मीडिया में गति है, लेकिन सत्यता एवं तथ्यपरकता बनाए रखने का दायित्व भी पत्रकार का है। मोहम्मद फहाद ने डिजिटल मीडिया की बारीकियों से अवगत करवाते हुए आर्गेनिट ट्रैफिक, अनआर्गेनिक ट्रैफिक, रेफल ट्रैफिक, बाउंस बैक, सर्च इंजन ऑपटिमाइजेशन, गूगल एनेलेटिक्स, गूगल ट्रेंडस की जानकारी दी।

Research and Publication Ethics course for PhD students begins at CUH

April 05, 2024 06:17 PM

Mahendergarh, 05.04.24-Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted the induction programme of "Research and Publication Ethics" Course on 5th April, 2024. The purpose of the induction programme was to introduce the course curriculum and importance of course while pursuing PhD. More than fifty PhD scholars from various Departments of the University participated who are pursuing the Course.

In 2019-20, UGC mandated all higher education institutes to organise a two-credit "Research and Publication Ethics" course for PhD students as part of their PhD Course Work. This course covers all the basic concepts related to research ethics, scientific conduct, publication misconduct, avoidance of plagiarism, research tools, etc. The course intends to inculcate the ethical values in carrying out research and publishing activities. At Central University of Haryana, the Central Library conducts the Course centrally for PhD students of all Departments and has successfully completed four batches since 2020-21.

The University Librarian and Coordinator of the Course, Dr. Santosh C. H. thanked the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar for his support and encouragement for organising the Course for the PhD students of 2023-24 (winter session). In the induction programme, he shared all necessary details and instructions related to the Course. Dr. Rajeev Vashistha, Deputy Librarian informed the PhD students about the library services and its resources offered by the Central Library. Dr. Vinod Kumar Singh, Assistant Librarian, oriented about the plagiarism services being provided by the Library whereas Mr. Naresh Kumar, Assistant Librarian introduced various e-resources subscribed by the Library. Dr. Vinita Malik, Information Scientist, oriented the students about the ICT related services and also anchored the program. The PhD students interacted with the Library team and cleared their doubts.

डिजिटल मीडिया में रोजगार के लिए तकनीकी बारीरिकयों की समझ आवश्यक : फहाद

महेंद्रगढ़, 5 अप्रैल (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शुक्रवार को फेक्ट चैकिंग पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार एवं फेक्ट चैकर मोहम्मद फहाद विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ मोहम्मद फहाद ने कहा कि तथ्यात्मक समाचार एवं सूचनाएं आमजन तक पहुंचाना पत्रकार का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार के साथ ही दुनिया में भ्रमित सूचनाएं लगातार पहुंच रही हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से इन्हें बनाना व सांझा करना आसान हो गया है। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं की पहचान, उनकी रोकथाम व उसके बारे में जागरूकता वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

विशेषज्ञ उदाहरणों के माध्यम से बताया कि डिजिटल मीडिया में गति है लेकिन सत्यता एवं तथ्यपरकता बनाए रखने का दायित्व भी पत्रकार का है। मोहम्मद फहाद ने विद्यार्थियों को डिजिटल मीडिया की बारीकियों से अवगत करवाते हुए आर्गेनिट ट्रैफिक, अनआर्गेनिक ट्रैफिक, रेफल ट्रैफिक, बाउंस बैक, सर्च इंजन ऑपटिमाइजेशन, गूगल एनेलेटिक्स, गूगल ट्रेंडस सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा लेखन का अभ्यास करें व दुनिया भर में मीडिया के क्षेत्र में हो रहे बदलावों पर अपनी नजर रखें। उन्होंने कहा कि नए पत्रकारों के लिए डिजिटल पत्रकारिता ही भविष्य है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने विशेषज्ञ का स्वागत व धन्यवाद करते हुए कहा कि फैक्ट चैंकिग वर्तमान समय में समाचार कक्ष के लिए एक नया स्किल हैं।

नवोदय टाइम्स
Sat, 06 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74863788

अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का अभिप्रेरण कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 अप्रैल (परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शुक्रवार को 'अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता' का अभिप्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया।

अभिप्रेरण कार्यक्रम का उद्देश्य पाठ्यक्रम के महत्त्व से शोधार्थियों को अवगत कराना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 50 से अधिक पीएचडी शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। पुस्तकालय अध्यक्ष और पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. संतोष सीएच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। उन्होंने इस आयोजन हेतु सहयोग व मार्गदर्शन के लिए कुलपति का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने शोधार्थियों को पुस्तकालय व उसके संसाधनों के बारे में जानकारी दी। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जा रही साहित्यिक चोरी सेवाओं के बारे में जानकारी दी जबकि सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष नरेश कुमार ने विभिन्न ई-संसाधनों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने शोधार्थियों को आईसीटी से संबंधित सेवाओं के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में शोधार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

हकेवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

- वानविल के. रवि के रचनाकर्म में राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति पर हुआ विमर्श
- तमिल सांस्कृतिक शोध केंद्र व दयानंद कॉलेज अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विख्यात कवि वानविल के. रवि के रचनाकर्म में राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तमिल सांस्कृतिक शोध केंद्र (टीसीआरसी) व दयानंद कॉलेज अजमेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में तमिल कवि वानविल के रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सह अध्यक्षता विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने की। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. सुधीर प्रताप सिंह उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व एचजेएम उत्तर क्षेत्र के प्रमुख श्री मुरली मनोहर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन एक उत्तर व दक्षिण के बीच आपसी मेल का उल्लेखनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हजारों सालों पुरानी है। इसमें रामायण, गीता और भक्त प्रहलाद आदि कहानियां विद्यमान है। इन कहानियों का हमेशा से हमारे जीवन पर प्रभाव रहा है और आज इस ज्ञान की प्रमाणिकता को भी स्थापित करने के लिए प्रयास हो रहे हैं। जहां तक बात भाषा की है तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने मातृभाषा में शिक्षा की बात कर अपनी भाषा में आधुनिक ज्ञान की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त किया है। कुलपति ने इस आयोजन के लिए हिंदी विभाग, टीसीआरसी और दयानंद कॉलेज अजमेर की सराहना करते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम आपसी सहयोग से नए ज्ञान के सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा। समकुलपति प्रो सुषमा यादव ने अपने संबोधन इस आयोजन को तमिल, हिंदी, अंग्रेजी भाषा का एक सांझा मंच बताया। उन्होंने कहा कि तमिल के कवि की रचना पर हिंदी भाषी हरियाणा राज्य स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में चर्चा एक अनोखा अवसर है। प्रो. यादव ने कहा जहां तक बात राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति की है तो जब विश्व को राष्ट्र की समझ तक नहीं थी भारत राष्ट्र के रूप में सशक्त था। प्रकृति की पूजा और नारी शक्ति की महत्ता तो सदैव ही भारत के मूल में रही है। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से हिंदी व तमिल को इस दिशा में मिलकर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर हुई । इसके पश्चात हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. एन लक्ष्मी अय्यर ने इस आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की और तमिल सांस्कृतिक शोध केंद्र (टीसीआरसी) की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। आयोजन में टीसीआरसी की ओर से केंद्र के संयोजक पी.एस. राजा की उपस्थिति में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, श्री मुरली मनोहर जी को सम्मानित किया गया। आयोजन में उपस्थित मुख्य वक्ता प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने कवि वानविल के. रवि की रचना प्रह्लाद पर विस्तार से चर्चा की और उसके विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह कवि की अपनी तरह की अलग रचना है जिसमें प्रह्लाद की कहानी के साथ-साथ कवि की अन्य कविताएं भी हैं। इसी क्रम में कवि वानविल ने कहा कि यह मेरे लिए यह हर्ष का विषय की आज हम यहां कविताओं और रचनाओं पर चर्चा के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा से ही प्रकृति, राष्ट्र और नारी शक्ति के विचार मानवता का पोषक रहे हैं। उद्घाटन सत्र के अंत में हिंदी विभाग की सह आचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. किशन राम बिश्नोई, डॉ. पुकाजयेंडी, डॉ. अमित कुशवाहा, डॉ. अमरेंद्र श्रीवास्तव डॉ. टी. संगीथा, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अरविंद तेजावत, डॉ. स्नेहलता व डॉ. सुमन रानी सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मानित करते हुए वानविल के. रवि। आज समाज

भारत की संस्कृति हजारों वर्ष पुरानी : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को विख्यात कवि वानविल के. रवि के रचनाक्रम में राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तमिल सांस्कृतिक शोध केंद्र (टीसीआरसी) व दयानंद कालेज अजमेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में तमिल कवि वानविल के रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सह अध्यक्षता विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने की। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. सुधीर प्रताप सिंह उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व एचजेएम उत्तर क्षेत्र के प्रमुख श्री मुरली मनोहर की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन एक उत्तर व दक्षिण के बीच आपसी मेल का उल्लेखनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हजारों सालों पुरानी है। समकुलपति प्रो सुषमा यादव ने इस आयोजन को तमिल, हिंदी, अंग्रेजी भाषा का एक सांझा मंच बताया। उन्होंने कहा कि तमिल के कवि की रचना पर हिंदी भाषी हरियाणा राज्य स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में चर्चा एक अनोखा अवसर है।

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मानित करते हुए वानविल के. रवि • सौ. प्रवक्ता

हकेंवि में राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित, कुलपति बोले

उत्तर व दक्षिण के बीच आपसी मेल का सराहनीय प्रयास

नारनौल, 6 अप्रैल (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में शनिवार को विख्यात कवि वानविल के. रवि के रचनाक्रम में राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तमिल सांस्कृतिक शोध केंद्र (टीसीआरसी) व दयानंद कॉलेज अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में तमिल कवि वानविल के रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सह अध्यक्षता विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने की। मुख्य वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. सुधीर प्रताप सिंह उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व एचजेएम उत्तर क्षेत्र के प्रमुख मुरली मनोहर की उपस्थिति रही।

हकेवि महेंद्रगढ़ में शनिवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मानित करते वानविल के. रवि। - निस

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन एक उत्तर व दक्षिण के बीच आपसी मेल का उल्लेखनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हजारों सालों पुरानी है। इसमें रामायण, गीता और भक्त प्रहलाद आदि कहानियां विद्यमान है। इन कहानियों का हमेशा से हमारे जीवन पर प्रभाव रहा है और आज इस ज्ञान की प्रमाणिकता को भी स्थापित करने के लिए प्रयास हो रहे हैं। कुलपति ने इस आयोजन के लिए हिंदी विभाग, टीसीआरसी और दयानंद कॉलेज अजमेर की सराहना की।

कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. एन लक्ष्मी अय्यर, टीसीआरसी की ओर से केंद्र के संयोजक पी.एस. राजा की उपस्थिति में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, श्री मुरली मनोहर जी को सम्मानित किया गया।

कवि वानविल ने कहा कि हमेशा से ही प्रकृति, राष्ट्र और नारी शक्ति के विचार मानवता का पोषक रहे हैं।

मंच का संचालन डॉ.अमित कुमार ने किया। इस मौके पर डॉ. किशन राम बिश्नोई, डॉ. पुकाजयेंडी, डॉ. अमित कुशवाहा, डॉ. अमरेंद्र श्रीवास्तव डॉ. टी. संगीथा, प्रो. पायल चंदेल, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अरविंद तेजावत, डॉ. स्नेहलता व डॉ. सुमन रानी भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को विख्यात कवि वानविल के रवि के रचनाकर्म में राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तमिल सांस्कृतिक शोध केंद्र (टीसीआरसी) व दयानंद कॉलेज अजमेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में तमिल कवि वानविल के रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सह अध्यक्षता विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने की।

National seminar organized at CUH

April 06, 2024 07:45 PM

Mahendragarh, 06.04.24-A one-day national seminar on the composition of famous poet Vanavil K. Ravi related to nation, nature and women power was organized in Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh on Saturday. Tamil poet Vanavil K. Ravi was present as the chief guest in this program organized under the joint aegis of Tamil Cultural Research Center (TCRC) and Dayanand College, Ajmer.

The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar and co-chaired by the Pro-Vice Chancellor of the University, Prof. Sushma Yadav. Prof. Sudheer Pratap Singh, Jawaharlal Nehru University, New Delhi was present as the keynote speaker in this event. The first lady of the University, Prof. Sunita Srivastava and head of HJM North region, Mr. Murli Manohar had the dignified presence in the event.

Prof. Tankeshwar Kumar said that this event is a remarkable effort of mutual understanding between North and South. He said that India's cultural heritage is thousands of years old. Stories like Ramayana, Geeta and devotee Prahlad etc. are present in it. These stories have always had an impact on our lives and today efforts are being made to establish the authenticity of this knowledge. As far as language is concerned, the National Education Policy has paved the way for attaining modern knowledge in one's own language by talking about education in the mother tongue.

Prof. Sushma Yadav described this event as a joint platform of Tamil, Hindi and English languages. He said that the discussion on the work of a Tamil poet in a central university located in the Hindi speaking state of Haryana is a unique opportunity. Prof. Yadav said as far as nation, nature and women power are concerned, India was strong as a nation when the world did not even understand the nation state. Worship of nature and importance of women power has always been at the core of India. Certainly, this event will pave the way for Hindi and Tamil to move forward together in this direction.

On this Occasion Prof. Bir Pal Singh Yadav, HoD, Department of Hindi presented the welcome address and expressed gratitude towards all the guests. Prof. N Lakshmi Aiyar, Central University of Rajasthan presented the outline of the event and informed about the functioning of Tamil Cultural Research Center (TCRC).

In the event, University Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar, Pro Vice Chancellor Prof. Sushma Yadav, Prof. Sunita Srivastava, Mr. Murali Manohar were honored on behalf of TCRC in the presence of center's coordinator P. S. Raja. Prof. Sudheer Pratap Singh, discussed in detail the composition Prahlad by poet Vanavil K Ravi and threw light on its various aspects. He said that this is a unique creation of the poet which contains the story of Prahlad as well as the poems of the poet. In this sequence, poet Vanavil said that it is a matter of joy for me that today we have gathered here to discuss poems and compositions. He said that he has always been nurturing the idea of nature, nation and women power. At the end of the inaugural session, Dr. Kamlesh Kumari, Associate Professor of Hindi Department, expressed vote of thanks.

The stage was moderated by Dr. Amit Kumar. On this occasion, a large number of students, researchers and teachers including Dr. Kishan Ram Bishnoi, Dr. Amit Kushawaha, Dr. Pukazhyendi, Dr. Amarendra Srivastava, Dr. T. Sangeetha, Prof. Payal Chandel, Dr. Kamaraj Sindhu, Dr. Siddharth S. Rai, Dr. Arvind Tejawat, Dr. Snehsata and Dr. Suman Rani were present.

हकेंवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़, 6 अप्रैल (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को विख्यात कवि वानविल के. रवि के रचनाकर्म में राष्ट्र, प्रकृति और नारी शक्ति पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तमिल सांस्कृतिक शोध केंद्र (टीसीआरसी) व दयानंद कॉलेज अजमेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में तमिल कवि वानविल के रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सह अध्यक्षता विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने की। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. सुधीर प्रताप सिंह उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व एचजेएम उत्तर क्षेत्र के प्रमुख श्री मुरली मनोहर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन एक उत्तर व दक्षिण के बीच आपसी मेल का उल्लेखनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हजारों सालों पुरानी है।

इसमें रामायण, गीता और भक्त प्रहलाद आदि कहानियां विद्यमान है। इन कहानियों का हमेशा से हमारे जीवन पर प्रभाव रहा है और आज इस ज्ञान की प्रमाणिकता को भी स्थापित करने के लिए प्रयास हो रहे हैं। जहां तक बात भाषा की है तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने मातृभाषा में शिक्षा की बात कर अपनी भाषा में आधुनिक ज्ञान की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त किया हैं। कुलपति ने इस आयोजन के लिए हिंदी विभाग, टीसीआरसी और दयानंद कॉलेज अजमेर की सराहना करते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम आपसी सहयोग से नए ज्ञान के सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा। समकुलपति प्रो सुषमा यादव ने अपने संबोधन इस आयोजन को तमिल, हिंदी, अंग्रेजी भाषा का एक सांझा मंच बताया।

हकेवि में फार्मा विजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षा पर विशेषज्ञ वार्ता का हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा फार्मा विजिलेंस, एडीआर और रोगी सुरक्षाह्य पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने फामाकोविजिलेंस के क्षेत्र में अपना करियर तलाशने के लिए विशेष रूप से एम.फार्मा के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की सराहना की।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विशेषज्ञों से संवाद के लिए भविष्य में भी ऐसी विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. पलानीसामी शिवानंदी ने वर्तमान परिदृश्य के दौरान फामाकोविजिलेंस के महत्व पर विशेषज्ञ वार्ता दी। इसके अलावा, उन्होंने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) रिपोर्टिंग और निगरानी में स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में रोगी सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश

कुमार ने बताया कि फामाकोविजिलेंस और एडीआर मॉनिटरिंग दवा और टीकों की सुरक्षा सुनिश्चित करके स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे ने कहा कि यह विशेषज्ञ वार्ता विशेष रूप से एम. फार्म के विद्यार्थियों और फार्मास्युटिकल साइंसेज के पीएचडी शोधार्थियों के लिए आयोजित की गई। इस आयोजन में संकाय सदस्य डॉ. सुमित कुमार, डॉ. अशोक जांगड़ा और डॉ. तरूण कुमार ने सक्रिय भागीदारी की। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और व अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी फामाकोविजिलेंस और रोगी सुरक्षा के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए सत्र में शामिल हुए।

एचआइवी और कैंसर का ईलाज स्टीरियो कैमेस्ट्री से ही संभव: प्रो. कल्सी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान श्रृंखला में मुख्य वक्ता प्रोफेसर पी. एस. कल्सी रहे। प्रो. पी. एस. कल्सी ने दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के तहत ओरगेनिक रसायन शास्त्र की ब्रांच स्टीरियो रसायन शास्त्र के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय तथा रसायनविज्ञान विभाग के लिये गर्व का विषय है कि प्रोफेसर पी.एस. कल्सी विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान विभाग शोध में बेहतरीन कार्य कर रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिये भी गर्व की बात है। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने प्रोफेसर पी.एस. कल्सी का विभाग में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिये गर्व और खुशी की बात है कि प्रोफेसर पी.एस. कल्सी ने हमारा निमंत्रण स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र में आज कैंसर तथा एचआइवी की रोकथाम से संबंधित तमाम प्रकार के शोध हो रहे है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है और पूरे विश्व में इसकी मांग है। इस विषय पर प्रोफेसर पी.एस. कल्सी ने बोलते हुए कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र के माध्यम से पूरे विश्व को कैंसर, एचआइवी और हेपटाइटस जैसी लाइलाज बीमारियों से बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र का आज के समय प्रयोग ड्रग्स, डाई में भरपूर हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनको पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में कैंसर, एचआइवी जैसी बीमारियों का इलाज जल्द ही सुगमता से सुलभ हो सकेगा और भारत इसमें उसी प्रकार से अग्रणी भूमिका निभायेगा जैसा कि कोविड वैक्सीनेशन के समय निभाई थी। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व स्टीरियों रसायन शास्त्र में भारत को उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है। उन्होंने रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों और शोधार्थियों से कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र का भविष्य पूरे विश्व में काफी उज्जवल है और यहां पर भरपूर अवसर है। उन्होंने कहा कि अगर विद्यार्थी इस क्षेत्र में कठोर मेहनत करेंगे तो उनको बेहतरीन परिणाम मिलेंगे।

इसके साथ ही इनको सन 2011 में अंतर्राष्ट्रीय रसायन शास्त्र ईयर में लाईफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर कल्सी के 150 से ज्यादा पेपर बेहतरीन शोध जर्नल में प्रकाशित हो चुके है और 50 से अधिक शोधार्थी इनके निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण कर चुके है।

74 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांचा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 74 विद्यार्थियों व कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से आयोजित शिविर में शहर के एक निजी अस्पताल के विशेषज्ञों ने लोगों की जांच की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिविर के शुभारंभ कहा कि इस स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों व कर्मचारियों के साथ-साथ सभी नागरिकों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना है। विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रजत यादव, डॉ. हिना यादव ने बताया कि शिविर में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश शर्मा, फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डॉ. पूजा यादव, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका शर्मा के साथ प्रबंधक शुभराम यादव उपस्थित रहे। संवाद

हकेंवि में कार्यशाला : व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर दिया जोर

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की ओर से शुक्रवार को 'व्यावसायिकता और नैतिकता, कॉर्पोरेट संस्कृति और साक्षात्कार कौशल' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्र का उद्घाटन किया और अपने कार्यस्थल पर विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से अकादमिक या कॉर्पोरेट में काम करने वाले विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की सराहना की।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. रोहित कुमार वर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. रोहित ने कहा कि व्यावसायिकता मानकों का एक समूह है, जिसका किसी व्यक्ति से कार्यस्थल पर पालन करने की अपेक्षा की जाती है। एक शिक्षक के रूप में हम विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करते हैं। हालांकि, छात्रों को कार्य संस्कृति के लिए तैयार करने के लिए पेशेवर तत्परता की आवश्यकता होती है। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि व्यावसायिकता और नैतिकता छात्रों को उनके चुने हुए करियर क्षेत्र के अनुरूप व्यावहारिक और प्रासंगिक व्यावसायिक विकास अनुभव प्रदान करके कार्य संस्कृति लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे ने बताया कि कार्यशाला में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 25 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। डॉ. अशोक जांगड़ा एवं डॉ. तरूण कुमार ने आयोजन सचिव के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई।

देश में कैंसर व एचआईवी की रोकथाम पर हो रहे शोध

हकेंवि में व्याख्यान श्रृंखला में विद्यार्थियों को जानकारी दी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।

इसमें विद्यार्थियों को ऑर्गेनिक रसायन शास्त्र की ब्रांच स्टीरियो रसायन शास्त्र के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मुख्य वक्ता प्रो. पीएस कल्सी ने कहा कि देश में स्टीरियो रसायन शास्त्र में आज कैंसर व एचआईवी की रोकथाम से संबंधित तमाम प्रकार के शोध हो रहे है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है और पूरे विश्व में इसकी मांग है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रसायन विज्ञान विभाग शोध में बेहतरीन कार्य कर रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिए भी गर्व की बात है। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने प्रो. पीएस कल्सी का विभाग में स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र में आज कैंसर तथा एचआईवी की रोकथाम से संबंधित तमाम प्रकार के शोध हो रहे है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है और पूरे विश्व में इसकी मांग है। इस विषय पर प्रोफेसर पीएस कल्सी ने बोलते हुए कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र के माध्यम से पूरे विश्व को कैंसर, एचआइवी और हेपेटाइटस जैसी लाइलाज बीमारियों से बचा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र का आज के समय प्रयोग ड्रग्स, डाई में भरपूर हो रहा है। आने वाले समय में कैंसर, एचआइवी जैसी बीमारियों का इलाज जल्द ही सुगमता से सुलभ हो सकेगा और भारत इसमें उसी प्रकार से अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व स्टीरियो रसायन शास्त्र में भारत को उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है।

विद्यार्थी इस क्षेत्र में कठोर मेहनत करेंगे तो उनको बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि प्रो. कल्सी का नाम पूरे विश्व में स्टीरियो रसायन शास्त्र और स्पेक्ट्रोस्कोपी में प्रसिद्ध है। इनकी 11 किताबें विश्व प्रसिद्ध पब्लिशिंग हाउस के साथ आ चुकी है। प्रो. हरीश ने कहा कि सन 1985 में रसायन शास्त्र की नोबेल कमेटी ने भी इनको रसायन शास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता के चयन में सहायता के लिए बुलाया था।

हकेंवि में प्रो. पी.एस कल्सी प्रतिभागियों के साथ। स्रोत : हकेंवि

हकेंवि में 2 दिवसीय व्याख्यान

स्टीरियोकेमिस्ट्री से ही एचआईवी व कैंसर का इलाज संभव : प्रो. कल्सी

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में गुरुवार को दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत हुई। इसमें मुख्य वक्ता प्रोफेसर पी.एस. कल्सी रहे। उन्होंने ऑर्गेनिक रसायन शास्त्र की ब्रांच स्टीरियो रसायन शास्त्र के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रसायन विज्ञान विभाग शोध में बेहतरीन कार्य कर रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिये भी गर्व की बात है। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद ने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र में कैंसर तथा एचआईवी की रोकथाम से संबंधित तमाम प्रकार के शोध हो रहे हैं। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है और पूरे विश्व में इसकी मांग है।

इस विषय पर प्रो. कल्सी ने हुए कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र के माध्यम से पूरे विश्व को कैंसर, एचआईवी और हेपेटाइटस जैसी लाइलाज बीमारियों से बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्टीरियोकेमिस्ट्री का आज के समय प्रयोग ड्रग्स, डाई में भरपूर हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनको पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में कैंसर, एचआईवी जैसी बीमारियों का इलाज जल्द ही सुगमता से सुलभ हो सकेगा और भारत इसमें उसी प्रकार से अग्रणी भूमिका निभायेगा जैसा कि कोविड वैक्सीनेशन के समय निभाई थी। उन्होंने कहा कि अगर

विद्यार्थी इस क्षेत्र में कठोर मेहनत करेंगे तो उनको बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। मंच संचालन प्रोफेसर हरीश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर कल्सी का नाम पूरे विश्व में स्टीरियो रसायन शास्त्र और स्पेक्ट्रोस्कोपी में प्रसिद्ध है और इनकी 11 किताबें विश्व प्रसिद्ध पब्लिशिंग हाउस के साथ आ चुकी है। प्रोफेसर हरीश ने कहा कि सन 1985 में रसायन शास्त्र की नोबेल कमेटी ने भी इनको रसायन शास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता के चयन में सहायता के लिये बुलाया था। इसके साथ ही इनको सन 2011 में अंतर्राष्ट्रीय रसायन शास्त्र ईयर में लाईफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर कल्सी के 150 से ज्यादा पेपर बेहतरीन शोध जर्नल में प्रकाशित हो चुके है और 50 से अधिक शोधार्थी इनके निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण कर चुके है।

हकेवि के रसायन शास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के रसायन विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान श्रृंखला में मुख्य वक्ता प्रोफेसर पीएस कल्सी रहे। कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय तथा रसायन विज्ञान विभाग के लिए गर्व का विषय है कि प्रोफेसर पीएस कल्सी विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान विभाग शोध में बेहतरीन कार्य कर रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिए भी गर्व की बात है। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विनोद कुमार ने प्रोफेसर पीएस कल्सी का विभाग में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र में आज कैंसर तथा एचआइवी की रोकथाम से संबंधित तमाम प्रकार के शोध हो रहे है। इस विषय पर प्रोफेसर पीएस कल्सी ने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र के माध्यम से पूरे विश्व को कैंसर, एचआइवी और हेपटाइटस जैसी लाइलाज बीमारियों से बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र का आज के समय प्रयोग ड्रग्स, डाई में भरपूर हो रहा है। उनको पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में कैंसर, एचआइवी जैसी बीमारियों का इलाज जल्द ही सुगमता से सुलभ हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व स्टीरियों रसायन शास्त्र में भारत को उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है। उन्होंने रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों और शोधार्थियों से कहा कि स्टीरियो रसायन शास्त्र का भविष्य पूरे विश्व में काफी उज्ज्वल है और यहां पर भरपूर अवसर है।

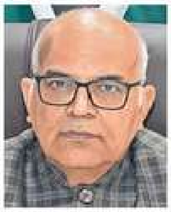

टंकेश्वर कुमार •

हकेवि महेंद्रगढ़ में आयोजित व्याख्यान में उपस्थित वक्ता व विद्यार्थी • सौ. प्रवक्ता

उन्होंने कहा कि अगर विद्यार्थी इस क्षेत्र में कठोर मेहनत करेंगे तो उनको बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। विभाग के इस तीन दिवसीय व्याख्यनमाला कार्यक्रम का मंच संचालन प्रोफेसर हरीश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर कल्सी का नाम पूरे विश्व में स्टीरियो रसायन शास्त्र और स्पेक्ट्रोस्कोपी में प्रसिद्ध है।इनकी 11 किताबें विश्व प्रसिद्ध पब्लिशिंग हाउस के साथ आ चुकी है।

प्रोफेसर हरीश ने कहा कि सन 1985 में रसायन शास्त्र की नोबेल कमेटी ने भी इनको रसायन शास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता के चयन में सहायता के लिये बुलाया था। इसके साथ ही इनको सन 2011 में अंतरराष्ट्रीय रसायन शास्त्र ईयर में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर कल्सी के 150 से ज्यादा पेपर बेहतरीन शोध जर्नल में प्रकाशित हो चुके है और 50 से अधिक शोधार्थी इनके निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण कर चुके है।

हकेंवि में चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम में दाखिले शुरू हुए

12वीं पास कर सकेंगे आवेदन, एनसीईटी के आधार पर होगा दाखिला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम में दाखिले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) के आधार पर करेगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षण के क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवाओं के लिए चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध इस पाठ्यक्रम के लिए आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई और आवेदक आगामी 30 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के अतंर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कुल 50 सीटें उपलब्ध हैं। इसमें दाखिले के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास निर्धारित है।

कार्यक्रम समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने बताया कि एनटीए की ओर से एनसीईटी -2024 की परीक्षा के लिए शुरू ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आरंभ हो गई है। यह प्रक्रिया आगामी 30 अप्रैल तक चलेगी। जहां तक आवेदन की बात है तो ऑनलाइन आवेदन व दाखिले से संबंधित इच्छुक हकेंवि की वेबसाइट पर जानकारी ले सकते हैं।

बाबा साहेब के जीवन पर व्याख्यान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन सभी के लिए प्रेरणा व अध्ययन का केंद्र है। उन्होंने देश को एकजुट करने में बाबा साहेब ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। इस दौरान विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के उप निदेशक डॉ. रमेश सिरोही मौजूद रहे।संवाद

स्कूलों में योग का प्रशिक्षण दे रहे हकेंवि के विद्यार्थी

योग प्रशिक्षण में प्रतिभागिता करते स्कूली विद्यार्थी। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। योग एक ऐसी विधा है जिसका अभ्यास जन-सामान्य को निरोगी रहने के लिए करना चाहिए। योग के इसी महत्त्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के योग विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थी स्कूलों में योग प्रशिक्षण दे रहे हैं।

योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में योग विभाग, सामाजिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के योग विभाग के एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के द्वारा उनके लघु शोध में प्रयुक्त होने वाले कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए आसपास के विद्यालयों में विद्यार्थियों को योग का शिक्षण और प्रशिक्षण दे रहे हैं। इनमें योग विभाग की विद्यार्थी संगीता, दीपांशु व अन्य नारनौल, पटिकरा, राजस्थान के स्कूलों में योग प्रशिक्षण दे रहे हैं।

केंद्रीय विवि में चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम में दाखिले नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी-2024) के आधार पर करेगा, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षण के क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवाओं के लिए चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है। इच्छुक आवेदक 30 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कुल 50 सीटें उपलब्ध है जिसमें दाखिले के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास निर्धारित है। जो शिक्षण के क्षेत्र में रूचि रखते हैं और इसमें आगे बढ़ने के इच्छुक हैं, वे इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन व दाखिले से संबंधित जानकारी के लिए अधिकारिक वेबसाइट www.nta.ac.in या https://ncet.samarth .ac.in/ पर विजिट कर सकते हैं।

हकेंवि में चार वर्षीय आइटीईपी पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया शुरू

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीईपी) में दाखिले के इच्छुक आवेदकों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम में दाखिले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जा रहे नेशनल कामन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी)-2024 के आधार पर करेगा, जिसके लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षण के क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवाओं के लिए चार वर्षीय आइटीईपी पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध इस पाठ्यक्रम के लिए आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई और आवेदक आगामी 30 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीईपी) के अतंर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कुल 50 सीटें उपलब्ध हैं जिसमें दाखिले के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास निर्धारित है।। यह प्रक्रिया आगामी 30 अप्रैल तक चलेगी।

महिला सशक्तीकरण में डा. आंबेडकर का योगदान अहम : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़ : भारत रत्न डा. बीआर आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भीमराव आंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा व अध्ययन का केंद्र है। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है और जहां तक बात महिला सशक्तिकरण की है तो उन्होंने ही समानता का अधिकार संविधान में उपलब्ध करा सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विशेषज्ञ वक्ता इंस्टीट्यूट आफ ला, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के उपनिदेशक डा. रमेश सिरोही व मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय डा. जैनी रोवेना पी उपस्थित रहे। सुषमा यादव ने कहा कि डा. भीमराव आंबेडकर एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. दिनेश कुमार, डा. जितेंद्र कुमार, डा. राजरानी कुमारी, डा. रश्मि तंवर, डा. मुलाका मारूति, डा. अनुरंजिता, डा. शाहजहां, राकेश मीणा, डा. रेनु ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित कवितापाठ भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डा. मुलाका मारुति ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. रंजन साहु, डा. कामराज सिंधु सहित विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार •

आयोजन में उपस्थित कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार, शिक्षक, व विद्यार्थी • सौ. प्रवक्ता

ADMISSION FOR ITEP BEGINS AT CUH

Mahendragarh: The application process for those seeking admission to the four-year Integrated Teacher Education Programme (ITEP) has started in the Department of Teacher Education, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The applicants will be given admission on the basis of the National Common Entrance Test (NCET)-2024 being conducted by the National Testing Agency (NTA), for which the process of online application has started. Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said the four-year ITEP was a good option for the youth looking for a future in the field of teaching. The online application process for the national-level entrance examination to be conducted for the course available in the Department of Teacher Education of the University has started and the applicants can apply till April 30, 2024.

Haryana Tribune Tue, 16 April 202
https://epaper.tr

विद्यार्थी देंगे रोजगार अवसरों की जानकारी

हकेंवि अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन कार्यक्रम की शुरुआत हुई

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन के द्वारा आयोजित दो दिवसीय अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन (एआईएम) कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसमें हकेंवि के विद्यार्थी अपने नए आइडिया से रोजगार के अवसर की जानकारी देंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को समय की आवश्यकतानुसार नवाचार के विकास के लिए प्रोत्साहित करेगा। किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार बेहद आवश्यक है। केंद्र निदेशक प्रो. आशीष माथुर ने कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति की प्रेरणा व प्रयासों से ही संभव हो सका है। अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को नए विचारों के विकास प्रदान करने में मददगार साबित होगा।

रवि गुप्ता को पुष्प गुच्छ भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न विद्यार्थी अपने नए आइडिया के माध्यम से रोजगार के अवसरों की जानकारी देंगे।

शोध **हकेंवि कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज के अल्ट्रासोनिक सेंसर को मिला पेटेंट**

इंडिकेटर सेंसर से चलेंगे... आप आराम से कार मोड़िए

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। कार चलाते समय यदि आप इंडिकेटर चलाना भूल भी जाएं तो भी सेंसर के जरिए यह अपने आप चलेंगे। इससे बिना हादसा सफर और सुहाना होगा। यही नहीं अचानक मोड़ पर होने वाली सड़क दुर्घटना में भी कमी आएगी। यह प्रणाली हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य ने तैयार की है और इसका पेटेंट भी मिल चुका है।

डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि यह कंपोनेंट आर्डिनो बोर्ड एलईडी कम से कम खर्च में बेहतर तकनीक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह प्रणाली वाहन के टायर की स्थिति के हिसाब से इंडिकेटर को ऑन करेगी।

हकेंवि में डॉ. सूरज आर्य को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक बिलंकिंग सिस्टम प्रणाली विकसित

वाहन चलाते समय चालक कर सकेगा ध्यान केंद्रीत, दुर्घटनाओं में आएगी कमी

वाहनों के नीचे के हिस्से में स्थापित किए जाने वाले अल्ट्रासोनिक सेंसर बेस्ड फेरव्हीलर ऑटोमेटिड इंटिकेटर ब्लिंकिंग सिस्टम की मदद से टायर के मूवमेंट के आधार पर इंडिकेटर स्वतः ऑन होंगे। कंपोनेंट आर्डियो बोर्ड एलईडी कम से कम खर्च में सुरक्षित वाहन संचालन तकनीक में अपनी भूमिका निभाएगा। कार चालक जब कई बार टर्न करता है तो इंडिकेटर नहीं दे पाता, इससे दुर्घटना की संभावना अधिक बढ़ जाती है। इस कंपोनेंट में लगे सेंसर टायर के मूवमेंट के हिसाब से ऑटोमेटिक इंडिकेटर को ऑन करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह तकनीक पूरी तरह स्वदेशी है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, करीब 40 प्रतिशत तक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में यह तकनीक कारगर साबित हो सकती है।

देश के विकास के लिए नवाचार आवश्यक : वीसी

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन के सौजन्य से दो दिवसीय अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार बेहद आवश्यक है, इसलिए हमें इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास करने की आवश्यकता है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, आमंत्रित विशेषज्ञ प्रो. जितेंद्र कुमार, प्रिंसीपल साइंटिस्ट, सेंट्रल इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट भी उपस्थित रहे।

केंद्र निदेशक प्रो. आशीष माथुर ने कहा कि अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को नए विचारों के विकास और उन्हें मूर्त रूप प्रदान करने में मददगार साबित होगा। प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। वीसी ने कहा कि इस मंच के माध्यम से सामने आने वाले विभिन्न आइडियाज को आवश्यकता के अनुरूप मार्गदर्शन व टीआरएल लेवल तीन पर पहुंचने वाले आइडियाज को अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। पहले दिन विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों की टीमों ने अपने आइडिया कुलपति व निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए। इनमें योग विभाग से मंत्रा मेडीटेशन, इंजीनियरिंग से स्मार्ट डस्टबिन आदि प्रमुख रहे। मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया।

हकेंवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य को 'अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक बिंलकिंग सिस्टम' प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी। डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि उनके द्वारा यह पेटेंट तीन वर्ष पूर्व अप्लाई किया गया था। इस तकनीक की मदद से ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर अधिक एकाग्रता से कार्य कर पाएगा व अपना पूरा ध्यान ड्राइविंग पर ही केंद्रित कर सकेगा। इस तकनीक के प्रयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए आर्डिनों हार्डवेयर तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह प्रणाली अल्ट्रासोनिक सेंसर से लैस है। इस शोध कार्य के लिए विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत व प्रोफेसर सिंगारा सिंह ने डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

देश के विकास के लिए नवाचार जरूरी : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 16अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रवि गुप्ता को पुष्प गुच्छ भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।-हप्र

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन (एआईएम) कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को समय की आवश्यकतानुसार नवाचार के विकास हेतु प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार बेहद आवश्यक है। इसलिए हमें इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, आमंत्रित विशेषज्ञ प्रो. जितेंद्र कुमार, प्रिंसीपल साइंटिस्ट, सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट भी उपस्थित रहे।

प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न विद्यार्थी समूह अपने नए-नए आइडिया के माध्यम से रोजगार के अवसरों की जानकारी देंगे। बीएमजी ग्रुप, रेवाड़ी के निदेशक रवि गुप्ता भी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें रोजगार सृजन के लिए प्रेरित किया और कहा कि जॉब पाने से ज्यादा जॉब उपलब्ध कराने के बारे में सोचें। इस मौके पर विद्यार्थियों के लिए सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. पवन मौर्य, सीआईआई के उपनिदेशक डॉ. मुरलीधर नायक, डॉ. मुनीष मानस, डॉ. अजय पाल, डॉ. सूरज आर्य, डॉ. मनीषा पांडे सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 17 April 2024
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/74923116

मशीन लर्निंग के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित

जर्मनी के विशेषज्ञ ने हकेंवि में दिया मेडिशनल केमेस्ट्री पर व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा बुधवार को बायोइंस्पायरड नॉनहेम आयरन ऑक्सीजन एक्टिवेशन पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान और मशीन लर्निंग पर एडवांस रिसर्च के लिए प्रेरित किया गया।

इस व्याख्यान के लिए हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी के प्रो. पीटर कोंबा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. कोंबा ने मेडिशनल केमेस्ट्री के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्त्वपूर्ण पक्षों पर चर्चा की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. कोंबा का स्वागत करते हुए कहा कि उनके द्वारा अर्जित ज्ञान का लाभ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों को प्राप्त होगा।

प्रो. पीटर कोम्बा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

व्याख्यान के अंतर्गत प्रो. पीटर ने संक्रमण अवस्थाओं के दौरान धातु इलेक्ट्रॉनों के आदान-प्रदान और संरचनात्मक मापदंडों में परिवर्तन व उनके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। संवाद करते हुए उन्हें रसायन विज्ञान और मशीन लर्निंग पर केंद्रित एडवांस रिसर्च के लिए भी प्रेरित किया।

स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 22 से

हकेंवि में पंजीकरण प्रक्रिया के बाद जारी होगी मेरिट लिस्ट

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू हो जाएंगे।

दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग के लिए पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू हो रहा है।

ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी

ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले दिये जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरु होने जा रही है। इन कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई तक करवाया जा सकता है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया के लिए अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

हेल्थ थेरेपी कार्यक्रम में मानव शरीर कार्यप्रणाली से कराया अवगत

हकेंवि में हेल्थ थेरेपी पर प्रतिभागियों को संबोधित करते विशेषज्ञ सुखदेव सिंह। स्रोत:हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को हेल्थ थेरेपी पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को मानव शरीर की कार्यप्रणाली जैसे पाचन, कंकाल, हृदय और श्वसन प्रणाली से अवगत कराया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग, यूथ रेडक्रॉस, अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय व भारत स्काउट एंड गाइड के संयुक्त प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. मुकेश कुमार व प्रो. दिनेश चहल ने विशेषज्ञ का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ सुखदेव सिंह ने मानव शरीर की कार्यप्रणाली और श्वसन प्रणाली के संबंध में प्रतिभागियों से अवगत कराया।

जर्मनी के विशेषज्ञ ने हकेंवि में दिया मेडिशनल केमेस्ट्री पर व्याख्यान

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा बुधवार बायोइंस्पायरड नॉनहेम आयरन ऑक्सीजन एक्टिवेशन विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान हेतु हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी के प्रो. पीटर कोम्बा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. कोंबा ने मेडिशनल केमेस्ट्री के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्त्वपूर्ण पक्षों और इस क्षेत्र में निरंतर जारी विकास के आयामों पर चर्चा की। इससे पूर्व में प्रो. कोम्बा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुलाकात की। कुलपति ने कहा कि उनके द्वारा अर्जित ज्ञान का लाभ विद्यार्थियों व शोधार्थियों को प्राप्त होगा। रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. एजाज अंसारी के संयोजन में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान के अंतर्गत प्रो. पीटर ने संक्रमण अवस्थाओं के दौरान धातु इलेक्ट्रॉनों के आदान-प्रदान और संरचनात्मक मापदंडों में परिवर्तन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए उन्हें रसायन विज्ञान और मशीन लर्निंग पर केंद्रित एडवांस रिसर्च के लिए भी प्रेरित किया। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने प्रो. पीटर कोंबा का स्वागत किया और इस मौके पर प्रो. हरीश कुमार, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. अनंदिता चक्रवर्ती आदि मौजूद थे।

हकेंवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू होंगे

- **21 मई तक करवा सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण**

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हकेंवि में दाखिले के लिए काउंसलिंग के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू होकर 21 मई तक जारी रहेगी। इसके बाद मैरिट लिस्ट जारी होगी। जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

युवा संगम फेज-4 • कुलपति ने झंडी दिखा किया रवाना

पश्चिम बंगाल के पर्यटन, परंपरा व प्रगति से रूबरू होंगे केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

महेंद्रगढ़ | 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के युवा संगम फेज-4 के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हुए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के समूह को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत विद्यार्थी पश्चिम बंगाल के पर्यटन, परंपरा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और पारस्परिक संपर्क के माध्यम से बहुआयामी अनुभव मिलेगा। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन के लिए हरियाणा सरकार व भारत सरकार का भी इस तरह के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. आर.पी. मीणा ने बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर कोलकाता) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का सहयोगी संस्थान है। आईआईएसईआर के नेतृत्व में विद्यार्थियों के समूह ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कर यहां के इतिहास, कला व संस्कृति को जाना समझा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी पश्चिम बंगाल का दौरा कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. मीणा ने कहा कि अवश्य ही यह यात्रा युवा संगम के उद्देश्य की प्राप्ति में मददगार साबित होगी। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, डॉ. जितेंद्र, डॉ. रूपेश देखमुख, डॉ. अजय कुमार, डॉ. देवेंद्र राजपूत व डॉ. सुरेंद्र सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

व्यावसायिकता एवं नैतिकता पर कार्यशाला आयोजित

नारनौल, 12 अप्रैल (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा शुक्रवार को 'व्यावसायिकता एवं नैतिकता, कॉर्पोरेट संस्कृति और साक्षात्कार कौशल' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्र का उद्घाटन किया और कार्यस्थल पर विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. रोहित कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि व्यावसायिकता मानकों का एक समूह है, जिसका किसी व्यक्ति से कार्यस्थल पर पालन करने की अपेक्षा की जाती है।

हकेंवि में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

महेंद्रगढ़। हकेंवि में स्वास्थ्य जांच करवाती छात्रा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से आयोजित इस स्वास्थ्य जांच शिविर में चिरायु अस्पताल के विशेषज्ञ ने अपनी सेवाएं दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस शिविर के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि इस स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों व कर्मचारियों के साथ-साथ सभी नागरिकों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है और इस तरह के आयोजन हमें विभिन्न बीमारियों से समय पर बचाव के लिए मददगार होते हैं। अवश्य ही इस आयोजन का लाभ विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों को मिलेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रजत यादव व डॉ. हिना यादव ने बताया कि शिविर में चिरायु अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश शर्मा, फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डॉ. पूजा यादव, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका शर्मा के साथ प्रबंधक शुभराम यादव उपस्थित रहे।

हकेवि महेंद्रगढ़ में व्यावसायिकता और नैतिकता पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ आयोजन

नरनौल, 12 अप्रैल (विजय कौशिक/निस)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा शुक्रवार को 'व्यावसायिकता और नैतिकता, कॉर्पोरेट संस्कृति और साक्षात्कार कौशल' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने सत्र का उद्घाटन किया और अपने कार्यस्थल पर विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से अकादमिक या कॉर्पोरेट में काम करने वाले विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की सराहना की।

विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. रोहित कुमार वर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने कहा कि व्यावसायिकता मानकों का एक समूह है जिसका किसी व्यक्ति से कार्यस्थल पर पालन करने की अपेक्षा की जाती है। एक शिक्षक के रूप में हम विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करते हैं। हालांकि छात्रों को कार्य संस्कृति के लिए तैयार करने के लिए पेशेवर तत्परता की आवश्यकता होती है। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व आयोजन के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि व्यावसायिकता और नैतिकता छात्रों को उनके चुने हुए करियर क्षेत्र के अनुरूप व्यावहारिक और प्रासंगिक व्यावसायिक विकास अनुभव प्रदान करके कार्य संस्कृति लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

HEALTH CHECK-UP CAMP ORGANISED

Mahendergarh: A health check-up camp was organised at the University Health Centre, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Professor Tankeshwar Kumar inaugurated the camp and said the check-up camp was to make students and employees as well as all citizens aware about health. On the occasion, Professor Suneel Kumar, Registrar of the University was also present. Dr Rajat Yadav and Dr Hina Yadav, Medical Officer of the University said pediatrician Dr Mukesh Sharma, Dr Pooja Yadav, Dr Priyanka Sharma and Shubhram Yadav and his team from Chirayu Hospital Mahendergarh examined 74 students and employees in the camp. Dr Rajat Yadav expressed his gratitude to the National Service Scheme (NSS) unit of the University for their contribution in organising the event. Dr Pradeep Kumar, NSS Coordinator; Dr Neelam, NSS officers; Dr Mukesh Upadhyay and Dr Yudhveer were present on the camp.

बंगाल की संस्कृति जानने भ्रमण पर निकले

युवा संगम योजना के तहत रवाना हुआ हकेंवि का 37 विद्यार्थियों का दल

संवाद न्यूज एजेंसी

विद्यार्थियों के दल को रवाना करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

महेंद्रगढ़। एक भारत श्रेष्ठ भारत के युवा संगम फेज चार के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) से 37 विद्यार्थी शुक्रवार को बंगाल के लिए रवाना हुए।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के समूह को झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत विद्यार्थी बंगाल के पर्यटन, परंपरा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और पारस्परिक संपर्क के माध्यम से बहुआयामी अनुभव मिलेगा। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन के लिए हरियाणा सरकार व भारत सरकार का भी इस तरह के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. आरपी मीणा ने बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का सहयोगी संस्थान है। प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से 45 विद्यार्थियों का चयन कया गया था। इस दल में 37 विद्यार्थी व चार स्टाफ शामिल हैं।

प्रदेश के 25 संस्थानों से किया गया था 45 विद्यार्थियों का चयन 37 गए सांस्कृतिक भ्रमण पर

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित युवा संगम फेज चार के अंतर्गत इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता के नेतृत्व में विद्यार्थियों के समूह ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व हरियाणा के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कर हरियाणा के इतिहास, कला व संस्कृति को जाना और समझा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी बंगाल का दौरा कर रहे हैं।

डॉ. मीणा ने कहा कि अवश्य ही यह यात्रा युवा संगम के उद्देश्य की प्राप्ति में मददगार साबित होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, डॉ. जितेंद्र, डॉ. रूपेश देखमुख, डॉ. अजय कुमार, डॉ. देवेंद्र राजपूत व डॉ. सुरेंद्र सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में कार्यशाला में देशभर के 25 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

संवाद न्यूज एजेंसी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'व्यावसायिकता और नैतिकता, कॉर्पोरेट संस्कृति और साक्षात्कार कौशल पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्र का उद्घाटन किया और अपने कार्यस्थल पर विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से अकादमिक या कॉर्पोरेट में काम करने वाले विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की सराहना की। कार्यशाला में इंटरनेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआलालंपुर मलेशिया के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. रोहित कुमार वर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने कहा कि व्यावसायिकता मानकों का एक समूह है जिसका किसी व्यक्ति से कार्यस्थल पर पालन करने की अपेक्षा की जाती है। एक शिक्षक के रूप में हम विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करते हैं। हालाँकि, छात्रों को कार्य संस्कृति के लिए तैयार करने के लिए पेशेवर तत्परता की आवश्यकता होती है। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में व्यावसायिकता और नैतिकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

हकेवि में चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया शुरू

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) में दाखिले के इच्छुक आवेदकों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम में दाखिले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जा रहे नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) -2024 के आधार पर करेगा, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षण के क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवाओं के लिए चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध इस पाठ्यक्रम के लिए आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई और आवेदक आगामी 30 अप्रैल, 2024 तक आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के अतंर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कुल 50 सीटें उपलब्ध है जिसमें दाखिले के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास निर्धारित है। आवेदन जोकि शिक्षण के क्षेत्र में रूचि रखते है और इसमें आगे बढ़ने के इच्छुक है वो इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने बताया कि एनटीए की ओर से एनसीईटी -2024 की परीक्षा के लिए शुरू ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आरंभ हो गई है। यह प्रक्रिया आगामी 30 अप्रैल, 2024 तक चलेगी। जहां तक आवेदन की बात है तो ऑनलाइन आवेदन व दाखिले से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक www.nta.ac.in व https://ncet.samarth.ac.in/ पर लॉगइन कर सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए डॉ. अम्बेडकर का योगदान अहमः प्रो. टंकेश्वर कुमार

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसुचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा व अध्ययन का केंद्र है। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है और जहां तक बात महिला सशक्तिकरण की है तो उन्होंने ही समानता का अधिकार संविधान में उपलब्ध करा सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विशेषज्ञ वक्ता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के उपनिदेशक डॉ. रमेश सिरोही व मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. जैनी रोवेना पी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत रविवार को विश्वविद्यालय स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इसी क्रम में सोमवार को आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में कुलपति ने अपने संबोधन में आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का

स्त्रोत है। महिला सशक्तिकरण के मार्ग में डॉ. भीमराव अंबेडकर व संविधान की भूमिका विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में उपस्थित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। भारत के इतिहास को बदलने का उन्हें अनेकों बार अवसर मिला और उन्होंने उसे बखूबी बदला भी। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि जहाँ तक बात महिला अधिकारों की है तो अमेरिका, ब्रिटेन में महिला अधिकारों को लेकर जो स्थिति देखने को मिलती रही, उससे इतर भारत इस मोर्चे पर कहीं बेहतर नजर आया। शिक्षा का अधिकार, समानता का अधिकार ये सभी भारत को डॉ. अंबेडकर की ही देन है। उनके द्वारा समाज हित में किए गए प्रयास भविष्य पर केंद्रित थे और आज भी समाज के विभिन्न वर्ग उनके प्रयासों से लाभांवित हो रहे हैं।

व्याख्यान में स्वागत भाषण डॉ. टी. लोंग्कोई ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता डॉ. रमेश सिरोही ने कहा कि महिला अधिकारों पर केंद्रित इस व्याख्यान में डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा किए गए प्रयासों पर चर्चा हुई। अवश्य ही यह सभी प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा। ऐसा नहीं है कि कानून बनने के साथ ही कहिला अधिकारों, बाल अधिकारों व वंचित वर्ग केंद्रित अधिकारों पर विमर्श समाप्त हो जाता है। हमेशा ही इन विषयों पर आपसी विचार व संवाद के अवसर उपलब्ध रहते हैं और यह आयोजन ऐसी ही एक सकारात्मक कोशिश है। आयोजन में उपस्थित दूसरी विशेषज्ञ वक्ता डॉ. जैनी रोवेना पी ने भी डॉ. भीमराव अंबेडकर के द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों व विचारों की ओर ध्यान आकर्षित कराया और बताया कि किस तरह से वे उस दौर में भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयासरत थे। कार्यक्रम के आयोजन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. राजरानी कुमारी, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. अनुरंजिता, डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. रेनु, आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित कवितापाठ भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मुलाका मारुति ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. रंजन साहु, डॉ. कामराज सिंधु सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया शुरू

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) में दाखिले के इच्छुक आवेदकों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम में दाखिले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जा रहे नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) -2024 के आधार पर करेगा, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षण के क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवाओं के लिए चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध इस पाठ्यक्रम के लिए आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई और आवेदक आगामी 30 अप्रैल, 2024 तक आवेदन कर सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए डॉ. अम्बेडकर का योगदान अहम: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा व अध्ययन का केंद्र है। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है और जहाँ तक बात महिला सशक्तिकरण की है तो उन्होंने ही समानता का अधिकार संविधान में उपलब्ध करा सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विशेषज्ञ वक्ता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के उपनिदेशक डॉ. रमेश सिरोही व मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. जैनी रोवेना पी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत रविवार को विश्वविद्यालय स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इसी क्रम में सोमवार को आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में कुलपति ने अपने संबोधन में आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

स्कूली छात्रों को योग प्रशिक्षण दे रहे हकेंवि के विद्यार्थी

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: योग एक ऐसी विधा है जिसका अभ्यास जन–सामान्य को निरोगी रहने के लिए करना चाहिए। योग के इसी महत्त्व को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग के विद्यार्थी विशेष कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्कूलों में योग प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक विभाग के सहायक आचार्य डा. नवीन कुमार है। योग विभाग के प्रभारी डा. अजय पाल ने बताया कि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में योग विभाग, सामाजिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। इनमें योग विभाग की विद्यार्थी संगीता, यदुवंशी शिक्षा निकेतन, पटीकरा, नारनौल व दीपांशु व अन्य मौजूद रहे।

बाबा साहेब का जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ , 15 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में डॉ. बीआर अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका आयोजन विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) की ओर से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा व अध्ययन का केंद्र है। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है और जहां तक बात महिला सशक्तीकरण की है तो उन्होंने ही समानता का अधिकार संविधान में उपलब्ध करा सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। -हप्र

विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विशेषज्ञ वक्ता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के उपनिदेशक डॉ. रमेश सिरोही व मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. जैनी रोवेना पी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत रविवार को विश्वविद्यालय स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इसी क्रम में सोमवार को आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में कुलपति ने अपने संबोधन में आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। व्याख्यान में स्वागत भाषण डॉ. टी. लोंग्कोई ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता डॉ. रमेश सिरोही ने कहा कि महिला अधिकारों पर केंद्रित इस व्याख्यान में डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा किए गए प्रयासों पर चर्चा हुई। अवश्य ही यह सभी प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. राजरानी कुमारी, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. अनुरंजिता, डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. रेनु, आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देश के विकास के लिए नवाचार आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर कुमार

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन के द्वारा आयोजित दो दिवसीय अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन (एआईएम) कार्यक्रम की मंगलवार को शुरूआत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को समय की आवश्यकतानुसार नवाचार के विकास हेतु प्रोत्साहित करेगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार बेहद आवश्यक है इसलिए हमें इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, आमंत्रित विशेषज्ञ प्रो. जितेंद्र कुमार, प्रिंसीपल साइंटिस्ट, सेंट्रल इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात केंद्र के निदेशक प्रो. आशीष माथुर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व प्रयासों से ही संभव हो सका है। अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को नए विचारों के विकास और उन्हें मूर्त रूप प्रदान करने में मददगार साबित होगा। इसके पश्चात प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न विद्यार्थी समूह अपने नए-नए आइडिया के माध्यम से रोजगार के अवसरों की जानकारी देंगे। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि अवश्य ही नवाचार व उद्यमिता विकास की दिशा में उठाया गया यह कदम उल्लेखनीय दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से सामने आने वाले विभिन्न आइडियाज को आवश्यकता के अनुरूप मार्गदर्शन व टीआरएल लेवल तीन पर पहुँचने वाले आइडियाज को अनुदान भी प्रदान किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के पहले दिन विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों की टीमों ने अपने आइडिया कुलपति व निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए। इनमें योग विभाग से मंत्रा मेडीटेशन, इंजीनियरिंग से स्मार्ट डस्टबिन आदि प्रमुख रहे। आयोजन के दौरान निर्णायक मंडल के रूप में विश्वविद्यालय के प्रो. अजय बंसल, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. सिंगारा सिंह, डॉ. अजय कुमार उपस्थित रहे जबकि इस मौके पर विद्यार्थियों के बीच बीएमजी ग्रुप, रेवाड़ी के निदेशक रवि गुप्ता भी पहुँचे और उनके आइडियाज को जाना व समझा।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें रोजगार सृजन के लिए प्रेरित किया और कहा कि जॉब पाने से ज्यादा जॉब उपलब्ध कराने के विषय में सोचें। इस मौके पर विद्यार्थियों के लिए सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. पवन मौर्य, सीआईआई के उपनिदेशक डॉ. मुरलीधर नायक, डॉ. मुनीष मानस, डॉ. अजय पाल, डॉ. सूरज आर्य, डॉ. मनीषा पांडे सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य को ह्यअल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक बिंलकिंग सिस्टमह्य प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

इस प्रणाली के विषय में डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि उनके द्वारा यह पेटेंट तीन वर्ष पूर्व अप्लाई किया गया था। इस तकनीक की मदद से ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर अधिक एकाग्रता से कार्य कर पाएगा व अपना पूरा ध्यान ड्राइविंग पर ही केंद्रित कर सकेगा। इस तकनीक के प्रयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए आर्डिनों हार्डवेयर तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह प्रणाली अल्ट्रासोनिक सेंसर से लैस है। यहां एक स्वचालित प्रणाली है इस सिस्टम का लाभ उसे स्थिति में वाहन चालक को मिलेगा जब वह गाड़ी को टर्न करना चाह रहा है। इस संबंध में वर्तमान प्रणाली अथवा सिस्टम के अपेक्षा यह प्रणाली कम संसाधनों का प्रयोग करके बनाई गई है व अधिक उपयोगी है। इस शोध कार्य के लिए विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत व प्रोफेसर सिंगारा सिंह ने डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

हकेवि में अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन का हुआ आयोजन

देश के विकास के लिए नवाचार आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन के द्वारा आयोजित दो दिवसीय अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन (एआईएम) कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को समय की आवश्यकतानुसार नवाचार के विकास हेतु प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार बेहद आवश्यक है इसलिए हमें इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास करने की आवश्यकता है। इस

अवसर पर विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, आमंत्रित विशेषज्ञ प्रो. जितेंद्र कुमार, प्रिंसीपल साइंटिस्ट, सेंट्रल इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात केंद्र के निदेशक प्रो. आशीष माथुर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व प्रयासों से ही संभव हो सका है। अवश्य ही यह प्रयास विद्यार्थियों को नए विचारों के विकास और उन्हें मूर्त रूप प्रदान करने में मददगार साबित होगा। इसके पश्चात प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न विद्यार्थी समूह अपने नए-नए आइडिया के माध्यम से रोजगार के अवसरों की जानकारी देंगे। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि अवश्य ही नवाचार व उद्यमिता विकास की दिशा में उठाया गया यह कदम उल्लेखनीय दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से सामने आने वाले विभिन्न आइडियाज को आवश्यकता के अनुरूप मार्गदर्शन व टीआरएल लेवल तीन पर पहुँचने वाले आइडियाज को अनुदान भी प्रदान किया जाएगा।

हकेवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूरज आर्य को 'अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक ब्लिंकिंग सिस्टम' प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी। इस प्रणाली के विषय में डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि उनके द्वारा यह पेटेंट तीन वर्ष पूर्व अप्लाई किया गया था। इस तकनीक की मदद से ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर अधिक एकाग्रता से कार्य कर पाएगा व अपना पूरा ध्यान ड्राइविंग पर ही केंद्रित कर सकेगा। इस तकनीक के प्रयोग से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए आर्डिनों हार्डवेयर तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह प्रणाली अल्ट्रासोनिक सेंसर से लैस है। यहाँ एक स्वचालित प्रणाली है इस सिस्टम का लाभ उसे स्थिति में वाहन चालक को मिलेगा जब वह गाड़ी को टर्न करना चाह रहा है। इस संबंध में वर्तमान प्रणाली अथवा सिस्टम के अपेक्षा यह प्रणाली कम संसाधनों का प्रयोग करके बनाई गई है व अधिक उपयोगी है। इस शोध कार्य के लिए विभागाध्यक्ष डॉ. केशव सिंह रावत व प्रोफेसर सिंगारा सिंह ने डॉ. सूरज आर्य को बधाई दी।

देश के विकास के लिए नवाचार आवश्यक

संस, महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सेंटर फार इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन के द्वारा आयोजित दो दिवसीय अमेजिंग आइडिया मोनेटाइजेशन (एआइएम) कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को समय की आवश्यकतानुसार नवाचार के विकास हेतु प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार बेहद आवश्यक है। इसलिए हमें इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सेंट्रल इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट प्रो. पवन मौर्य, सीआईआई उपनिदेशक डा. मुरलीधर नायक उपस्थित रहे।

हकेंवि के शिक्षक के शोध को मिला पेटेंट

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक आचार्य डा. सूरज आर्य को 'अल्ट्रासोनिक सेंसर आधारित चार-पहिया स्वचालित संकेतक ब्लिंकिंग सिस्टम' प्रणाली विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पेटेंट मिलने पर डा. सूरज आर्य को बधाई दी। इस प्रणाली के विषय में डा. सूरज आर्य ने बताया कि उनके द्वारा यह पेटेंट तीन वर्ष पूर्व अप्लाई किया गया था। इस तकनीक की मदद से ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर अधिक एकाग्रता से कार्य कर पाएगा व अपना पूरा ध्यान ड्राइविंग पर ही केंद्रित कर सकेगा। तकनीक के प्रयोग से

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात करते डा. सूरज आर्य • सौ. प्रवक्ता

सड़क दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए आर्डिनो हार्डवेयर तकनीक का प्रयोग किया गया है। प्रणाली अल्ट्रासोनिक सेंसर से लैस है। शोध कार्य के लिए विभागाध्यक्ष डा. केशव सिंह रावत ने डा. सूरज आर्य को बधाई दी।

Amazing Idea Monetization (AIM) organized in CUH

April 16, 2024 06:58 PM

MAHENDERGARH,16.04.24-The two-day Amazing Idea Monetization (AIM) program organized by the Center for Innovation and Incubation (CII), Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University said that this program will encourage students to develop innovation as per the need of the time. He said that innovation is very important for the development of any country, hence we need to make significant efforts in this direction. On this occasion, Pro Vice Chancellor of the University Prof. Sushma Yadav, the first lady of the University Prof. Sunita Srivastava and invited expert Dr. Jitendra Kumar, Principle Scientist, SEERI, Pilani were also present.

Prof. Ashish Mathur, Director CII presented the welcome address. On the first day of this program, teams of students from different departments presented their ideas. Sh. Ravi Gupta, Director, BMG Group, Rewari also interact with students on this occasion. He inspired them for employment generation and said that they should think more about providing jobs than getting jobs. Sunil Aggarwal moderated the stage in the program. On this occasion Prof. Antresh Kumar, Prof. Pawan Maurya, CII Deputy Director Dr. Muralidhar Nayak, Dr. Munish Manas, Dr. Ajay Pal, Dr. Suraj Arya, Dr. Manisha Pandey and a large number of students and researchers were present

Research of CUH Faculty member gets patent

April 16, 2024 06:54 PM

MAHENDERGARH, 16.04.24-Dr. Suraj Arya, Assistant Professor, Department of Computer Science and Information Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has been granted a patent by the Government of India for developing 'Ultrasonic Sensor Based Four-Wheel Automatic Indicator Blinking System'. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University congratulated Dr. Suraj Arya on getting the patent.

Dr. Suraj Arya told that use of this technology will reduce road accidents. Arduino hardware technology has been used to develop this system. This system is equipped with ultrasonic sensors. There is an automatic system here, the benefit of this system will be available to the driver in the situation when he wants to turn the vehicle. In this regard, this system has been built using less resources and is more useful as compared to the current system.

हेल्थ थेरेपी कार्यक्रम में मानव शरीर कार्यप्रणाली से कराया अवगत

हकेंवि में हेल्थ थेरेपी पर प्रतिभागियों को संबोधित करते विशेषज्ञ सुखदेव सिंह। स्रोत:हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को हेल्थ थेरेपी पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को मानव शरीर की कार्यप्रणाली जैसे पाचन, कंकाल, हृदय और श्वसन प्रणाली से अवगत कराया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग, यूथ रेडक्रॉस, अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय व भारत स्काउट एंड गाइड के संयुक्त प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. मुकेश कुमार व प्रो. दिनेश चहल ने विशेषज्ञ का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ सुखेदव सिंह ने मानव शरीर की कार्यप्रणाली और श्वसन प्रणाली के संबंध में प्रतिभागियों से अवगत कराया।

Registration for PG programs will be started from 22 April at CUH

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH :The Common University Entrance Test (CUET) 2024 result for Postgraduate (PG) Programs and PG Diploma Programs has been declared by National Testing Agency (NTA). After that the registration for counseling for admission in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh will be started from Monday, April 22. This process of online registration will continue till May 21. The merit list will be released after completion of this process of registration. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University congratulated the successful candidates of the entrance examination and wished them a bright future. Further, VC told that University is ready to welcome the new students in upcoming session in different disciplines. Dr. TejpalDhewa, Nodal Officer, CUET-2024 said that the interested applicants can get detailed information about the registration process from the University website. The CUET (PG)-2024 process will be coordinated by a team of Dr. TejpalDhewa, Dr. Siddharth Rai and Dr. Sushil Kumar.

> **DR. TEJPALDHEWA, NODAL OFFICER, CUET-2024 SAID THAT THE INTERESTED APPLICANTS CAN GET DETAILED INFORMATION ABOUT THE REGISTRATION PROCESS FROM THE UNIVERSITY WEBSITE. THE CUET (PG)-2024 PROCESS WILL BE COORDINATED BY A TEAM OF DR. TEJPALDHEWA, DR. SIDDHARTH RAI AND DR. SUSHIL KUMAR.**

CUH organizes an invited lecture by a renowned Professor from Germany

April 17, 2024 05:04 PM

MAHENDERGARH,17.04.24-The Department of Chemistry, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, organized an invited lecture on "Bio-inspired Nonheme Iron Oxygen Activation" on Thursday. For this event, the department has invited a renowned foreign speaker Prof. Peter Comba from Heidelberg University, Germany (more than 600 years old university).

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University interacted and welcomed Prof. Comba and also discussed about the various parameters which are important for improving the research-based activities in the university. The Vice-Chancellor also congratulated the Department of Chemistry for arranging this event.

Prof. Peter Comba has discussed various factors which are important and valuable for developing new coordination complexes and their applications in the field of medicinal chemistry especially for developing non-toxic drugs which MRI purposes, catalysis, process development of active pharmaceutical ingredients useful in pharma industry, storage devices etc. He also highlighted and discussed the role of the exchange of metal electrons and change in structural parameters during transition states and their effect on their reactivity of different compounds that can help to design new potential oxidants for catalytic transformation reactions. He has also interacted with research scholars of the department and motivated them to do research in advanced areas of chemistry and machine learning.

On this occasion, Prof. Vinod Kumar, Head of Department of Chemistry, Prof. Harish Kumar, Dr. Manoj K Gupta, Dr. Azaj Ansari, Dr. Anindita Charaborty and Dr. Amit Kumar welcomed Prof. Comba. On this occasion, gueast faculty members were also present. At the end of the occasion, Dr. Azaj Ansari, organizer of this event thanked Prof. Peter Comba for giving insightful lecture and

Registration for PG programs will be started from 22 April at CUH

April 17, 2024 05:09 PM

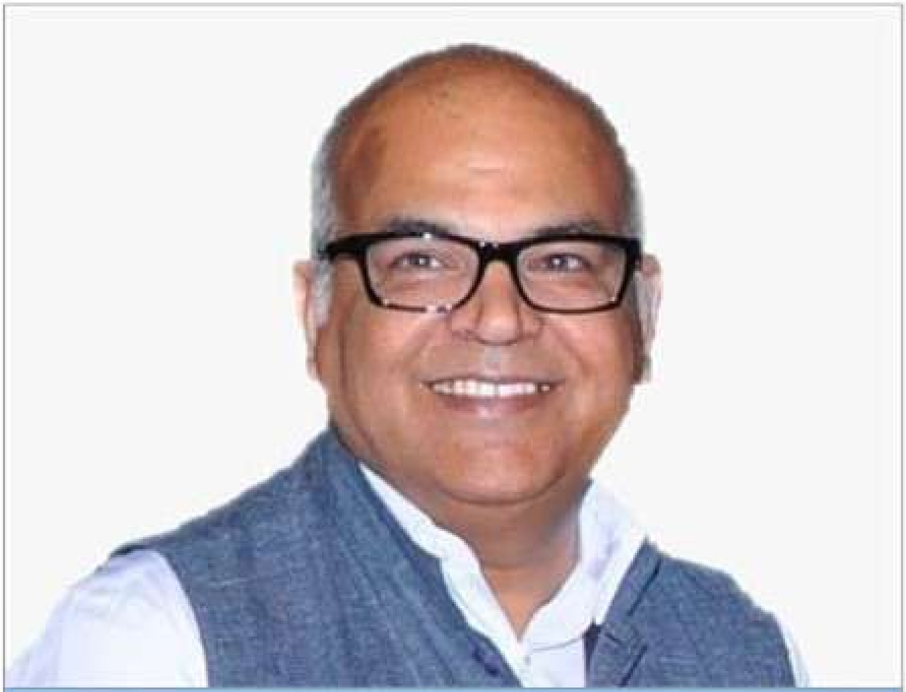

MAHENDEERGARH, 17.04.24- The Common University Entrance Test (CUET) 2024 result for Postgraduate (PG) Programs and PG Diploma Programs has been declared by National Testing Agency (NTA). After that the registration for counseling for admission in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh will be started from Monday, April 22. This process of online registration will continue till May 21. The merit list will be released after completion of this process of registration.

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University congratulated the successful candidates of the entrance examination and wished them a bright future. Further, VC told that University is ready to welcome the new students in upcoming session in different disciplines. Dr. Tejpal Dhewa, Nodal Officer, CUET-2024 said that the interested applicants can get detailed information about the registration process from the University website. The CUET (PG)-2024 process will be coordinated by a team of Dr. Tejpal Dhewa, Dr. Siddharth Rai and Dr. Sushil Kumar.

हकेवि के विद्यार्थियों ने किया दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का औद्योगिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थियों ने दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से अवगत कराना था। इस भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. विकास गर्ग, इंजीनियर सन्नी तंवर, डॉ. अभिषेक जिंदल व डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दिल्ली मेट्रो विश्व का एक बेहतरीन रेल नेटवर्क सिस्टम है और इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़ी विभिन्न परिचालन व तकनीकी बारीकियों से अवगत कराना था। उन्होंने कहा कि इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़ें इंजीनियर्स व अन्य कर्मचारियों से भी सीधे संवाद का अवसर प्राप्त हुआ। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने मेट्रो परिचालन में सिग्नल, संचार, सुरक्षा उपयों व पर्यावरणीय प्रयासों को जाना व समझा। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि अवश्य ही यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए उनके क्षेत्र से जुड़ें विभिन्न व्यावहारिक पक्षों को समझने में मददगार साबित होगा। उन्होंने इस प्रयास में सहयोग व मार्गदर्शन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व दिल्ली मेट्रो से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

हकेवि के विद्यार्थियों ने किया दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का औद्योगिक भ्रमण

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थियों ने दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से अवगत कराना था। इस भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. विकास गर्ग, इंजीनियर सन्नी तंवर, डॉ. अभिषेक जिंदल व डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दिल्ली मेट्रो विश्व का एक बेहतरीन रेल नेटवर्क सिस्टम है और इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़ी विभिन्न परिचालन व तकनीकी बारीकियों से अवगत कराना था।

उन्होंने कहा कि इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़ें इंजीनियर्स व अन्य कर्मचारियों से भी सीधे संवाद का अवसर प्राप्त हुआ। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने मेट्रो परिचालन में सिग्नल, संचार, सुरक्षा उपयों व पर्यावरणीय प्रयासों को जाना व समझा। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि अवश्य ही यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए उनके क्षेत्र से जुड़ें विभिन्न व्यावहारिक पक्षों को समझने में मददगार साबित होगा। उन्होंने इस प्रयास में सहयोग व मार्गदर्शन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व दिल्ली मेट्रो से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

इग्नाइट 2024 कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय इग्नाइट 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत द टॉक रूम, क्विज बॉल, फेस आर्ट, फयूरियस क्राफ्ट्स, मिस्ट्री, मेंशन व कैमरा शॉर्ट्स आयोजन किए गए, जिनमें विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को व्यावहारिक रूप से जानने-समझने में मददगार साबित होते हैं। विभाग की आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन के इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के मस्तिष्क को नवाचार व अनुसंधान के लिए इग्नाइट करने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की छुपी प्रतिभा को बाहर लाने का माध्यम होते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ शिक्षक व विद्यार्थी। स्रोत: हकेंवि

कार्यक्रम • हकेंवि में विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक कार्यक्षमता का विकास करने में मददगार बन रहा इग्नाइट-2024 फेस्ट

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय इग्नाइट 2024 का आयोजन किया गया। विभाग की आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन के इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। दो दिवसीय इस आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। कुलपति ने इस अवसर पर आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को व्यावहारिक रूप से जानने-समझने में मददगार साबित होते हैं।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए आयोजकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि अवश्य ही यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के मस्तिष्क को नवाचार व अनुसंधान के लिए इग्नाइट करने का कार्य करेगा। भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव में कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर कहा कि इग्नाइट-2024 का यह दूसरा वर्ष है और यह एक ऐसा एकेडमिक फेस्ट है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक कार्यक्षमता का विकास किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन और इससे संबंधित प्रतियोगिताएं पूरी तरह से विद्यार्थियों के टैलेंट को निखारने का काम करती हैं। विभाग के सह-आचार्य डॉ. अंकुश विज ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत द टॉक रूम, क्विज बॉल, फेस आर्ट, फ्यूरियस क्राफ्ट्स, मिस्ट्री, मेन्शन तथा कैमरा शॉट्स नामक आयोजन किए गए, जिनमें विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. राकेश, डॉ. रामअवतार, डॉ. मीनू, डॉ. जसवंत, डॉ. प्रिया, डॉ. विजय, डॉ. गौरव, डॉ. यशवीर, डॉ. रमनदीप, डॉ. अभिरंजन, डॉ. एजाज अंसारी, डॉ. टी. लोंग्कोई, डॉ. रवि पांडे, डॉ. दलीप, डॉ. रश्मि सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय मंचों पर किया है विश्वविद्यालय का नाम रोशन

प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए● सौ. प्रवक्ता।

संवाद सहयोगी, जागरण● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय इग्नाइट 2024 का आयोजन किया गया। विभाग की आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन के इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दो दिवसीय आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को व्यावहारिक रूप से जानने-समझने में मददगार साबित होते हैं। कुलपति ने कहा कि विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस तरह के आयोजन करवाने व विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए मंच उपलब्ध करवाने के लिए विभाग के आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन की सराहना की।

विश्वविद्यालय की सम‌कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए आयोजकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि अवश्य ही यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के मस्तिष्क को नवाचार व अनुसंधान के लिए इग्नाइट करने का कार्य करेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इग्नाइट 2024 का हुआ आयोजन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिखाया अपना हुनर

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इग्नाइट 2024 के समापन कार्य सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय इग्नाइट 2024 का आयोजन किया गया। विभाग की आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन के इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनके माध्यम से अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। दो दिवसीय इस आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कुलपति ने इस अवसर पर आयोजको की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को व्यावहारिक रूप से जानने-समझने में मददगार साबित होते हैं। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी विद्यार्थी लाभांवित हुए होंगे।

कुलपति ने कहा कि विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस तरह के आयोजन करवाने व विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए मंच उपलब्ध करवाने के लिए विभाग के आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन की सराहना की।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए आयोजकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि अवश्य ही यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के मस्तिष्क को नवाचार व अनुसंधान के लिए इग्नाइट करने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की छुपी प्रतिभा को बाहर लाने का माध्यम होते हैं। यह आयोजन भी अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर विद्यार्थियों को बेहतर राह दिखाएगा। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में भौतिकी विषय और उसके महत्त्व का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति के प्रति भी इस आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव में कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर कहा कि इग्नाइट 2024 का यह दूसरा वर्ष है और यह एक ऐसा एकेडमिक फेस्ट है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक कार्यक्षमता का विकास किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन और इससे संबंधित प्रतियोगिताएं पूरी तरह से विद्यार्थियों के टेलेंट को निखारने का काम करती हैं। यह आयोजन फिजिक्स एसोसिएशन, जोकि इस कार्यक्रम की आयोजक है, के सहयोगियों के लिए एक लिए भी लर्निंग का एक माध्यम है। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागी समाज में एक योग्य वैज्ञानिक के रूप में अपनी क्षमताओं का अधिकतम योगदान दे पाने के समर्थ होंगे।

इसी क्रम में विभाग के सह-आचार्य डॉ. अंकुश विज ने बताया कि यह आयोजन पूरी तरह से विभागीय शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत द टॉक रूम, क्विज बॉल, फेस आर्ट, फयूरियस क्राफ्ट्स, मिस्ट्री, मेन्शन तथा कैमरा शॉट्स नामक आयोजन किए गए। जिनमें विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। आयोजन से जुड़े विभाग के विद्यार्थियों में सिमरन, धृतिमान ने बताया कि दो दिन तक चले इस आयोजन में विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभागिता की और विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

श्री इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. राकेश, डॉ. रामअवतार, डॉ. मीनू, डॉ. जसवंत, डॉ. प्रिया, डॉ. विजय, डॉ. गौरव, डॉ. यशवीर, डॉ. रमनदीप, डॉ. अभिरंजन, डॉ. एजाज अंसारी, डॉ. टी. लोंग्कोई, डॉ. रवि पांडे, डॉ. दलीप, डॉ. रश्मि सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Academic Fest 'IGNITE-2024' organized at Central University of Haryana

Pradeep Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A two-day Academic fest-'IGNITE-2024' was organized by the Physics Association 'AAVRITI', Department of Physics and Astrophysics, Central University of Haryana. The Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar graced the Valedictory function as Chief Guest. In his address, he highlighted the importance of such programs and emphasized that apart from academics, students must participate in such activities wholeheartedly for harmonious development. The Guest of honor, Prof. Sushma Yadav, Pro- Vice Chancellor, encouraged and motivated the students to take part in building the nation as they have crucial role to play as scientists. The Registrar, Prof. Suneel Kumar, also congratulated the students for successfully organizing the FEST involving students from all disciplines. Earlier, Prof. Sunita Srivastava, Head of the Department, apprised about various major achievements of the Department in her welcome address. She added that such healthy competitions shall completely serve to nurture the talent of the students and congratulated the entire students team led by Shruti, Vice President of Physics Association. Dr. Ankush Vij, President of Physics Association, said that this is the second academic fest organized by AAVRITI. Subsequently, Prizes were awarded to the winners of various competitions like The Talk Room, Quiz Ball, Face Art, Furious Crafts, Mystery, Mansion and Camera Shorts. The Dean R &D, Heads of other departments, Judges of various events, faculty members from Physics and other departments were also present during the valedictory session. The Program ended with Vote of Thanks.

Academic Fest 'IGNITE-2024' organized at Central University of Haryana

April 19, 2024 06:09 PM

MAHENDERGARH, 19.04.24-A two-day Academic fest- 'IGNITE-2024' was organized by the Physics Association 'AAVRITI', Department of Physics and Astrophysics, Central University of Haryana. The Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar graced the Valedictory function as Chief Guest. In his address, he highlighted the importance of such programs and emphasized that apart from academics, students must participate in such activities wholeheartedly for harmonious development.

The Guest of honor, Prof. Sushma Yadav, Pro- Vice Chancellor, encouraged and motivated the students to take part in building the nation as they have crucial role to play as scientists. The Registrar, Prof. Suneel Kumar, also congratulated the students for successfully organizing the FEST involving students from all disciplines.

Earlier, Prof. Sunita Srivastava, Head of the Department, apprised about various major achievements of the Department in her welcome address. She added that such healthy competitions shall completely serve to nurture the talent of the students and congratulated the entire students team led by Shruti, Vice President of Physics Association.

Dr. Ankush Vij, President of Physics Association, said that this is the second academic fest organized by AAVRITI.

Subsequently, Prizes were awarded to the winners of various competitions like The Talk Room, Quiz Ball, Face Art, Furious Crafts, Mystery, Mansion and Camera Shorts.

The Dean R &D, Heads of other departments, Judges of various events, faculty members from Physics and other departments were also present during the valedictory session.

हरियाणा केंद्रीय विवि. में इग्नाइट 2024 आयोजित

नारनौल, 19 अप्रैल (कौशिक): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय इग्नाइट 2024 का आयोजन किया गया। विभाग की आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन के इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनके माध्यम से अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। दो दिवसीय इस आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। कुलपति ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को व्यावहारिक रूप से जानने-समझने में मददगार साबित होते हैं। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी विद्यार्थी लाभांवित हुए होंगे। कुलपति ने कहा कि विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस तरह के आयोजन करवाने व विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए मंच उपलब्ध करवाने के लिए विभाग के आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन की सराहना की।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए आयोजकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि अवश्य ही यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के मस्तिष्क को नवाचार व अनुसंधान के लिए इग्नाइट करने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की छुपी प्रतिभा को बाहर लाने का माध्यम होते हैं। यह आयोजन भी अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर विद्यार्थियों को बेहतर राह दिखाएगा।

प्रो. यादव ने भौतिकी विषय और उसके महत्त्व का उल्लेख किया।

नवोदय टाइम्स
Sat, 20 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/749374

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इग्नाइट 2024 का हुआ आयोजन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिखाया अपना हुनर

महेन्द्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोड़िया) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय इग्नाइट 2024 का आयोजन किया गया। विभाग की आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन के इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनके माध्यम से अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। दो दिवसीय इस आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। कुलपति ने इस अवसर पर आयोजको की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को व्यावहारिक रूप से जानने-समझने में मददगार साबित होते हैं। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी विद्यार्थी लाभांवित हुए होंगे। कुलपति ने कहा कि विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस तरह के आयोजन करवाने व विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए मंच उपलब्ध करवाने के लिए विभाग के आवृत्ति फिजिक्स एसोसिएशन की सराहना की।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए आयोजकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि अवश्य ही यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के मस्तिष्क को नवाचार व अनुसंधान के लिए इग्नाइट करने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की छुपी प्रतिभा को बाहर लाने का माध्यम होते हैं। यह आयोजन भी अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर विद्यार्थियों को बेहतर राह दिखाएगा। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में भौतिकी विषय और उसके महत्त्व का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति के प्रति भी इस आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव में कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर कहा कि इग्नाइट 2024 का यह दूसरा वर्ष है और यह एक ऐसा एकेडमिक फेस्ट है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक कार्यक्षमता का विकास किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन और इससे संबंधित प्रतियोगिताएं पूरी तरह से विद्यार्थियों के टेलेंट को निखारने का काम करती हैं। यह आयोजन फिजिक्स एसोसिएशन, जोकि इस कार्यक्रम की आयोजक है, के सहयोगियों के लिए एक लिए भी लर्निंग का एक माध्यम है। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागी समाज में एक योग्य वैज्ञानिक के रूप में अपनी क्षमताओं का अधिकतम योगदान दे पाने के समर्थ होंगे।

इसी क्रम में विभाग के सह-आचार्य डॉ. अंकुश विज ने बताया कि यह आयोजन पूरी तरह से विभागीय शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत द टॉक रूम, क्विज बॉल, फेस आर्ट, फयूरियस क्राफ्ट्स, मिस्ट्री, मेन्शन तथा कैमरा शॉट्स नामक आयोजन किए गए। जिनमें विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। आयोजन से जुड़े विभाग के विद्यार्थियों में सिमरन, धृतिमान ने बताया कि दो दिन तक चले इस आयोजन में विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभागिता की और विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. अंतरेश कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. राकेश, डॉ. रामअवतार, डॉ. मीनू, डॉ. जसवंत, डॉ. प्रिया, डॉ. विजय, डॉ. गौरव, डॉ. यशवीर, डॉ. रमनदीप, डॉ. अभिरंजन, डॉ. एजाज अंसारी, डॉ. टी. लॉन्गकोई, डॉ. रवि पांडे, डॉ. दलीप, डॉ. रश्मि सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

GERMAN PROF DELIVERS LECTURE AT CUH

Mahendragarh: The Department of Chemistry, Central University of Haryana (CUH), organised an invited lecture on 'Bio-inspired Nonheme Iron Oxygen Activation' on Thursday. The department invited foreign speaker Prof Peter Comba from Heidelberg University, Germany. VC Prof Tankeshwar Kumar discussed various parameters important for improving the research-based activities in the university. Prof Comba discussed various factors that are significant for developing new coordination complexes and their applications in the field of medicinal chemistry. He also highlighted the role of the exchange of metal electrons and change in the structural parameters during transition states and their effects on their reactivity of different compounds that can help to design new potential oxidants for catalytic transformation reactions.

हकेवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों हेतु ऑनलाइन पंजीकरण आज से

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण आज 22 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया आज 22 अप्रैल से शुरू होने हो रही है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई, 2024 तक करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध

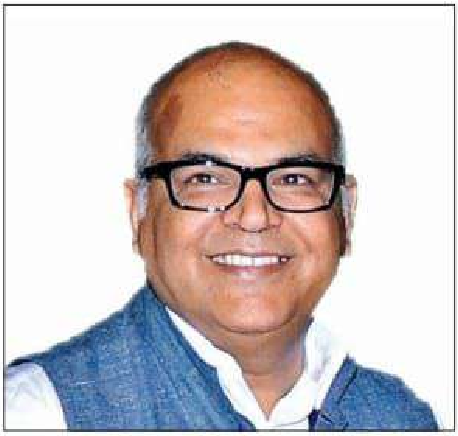

हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। जिसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

हकेवि में यूजीसी नेट की परीक्षा हेतु प्रशिक्षण का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग में आईफर एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, केरल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की तैयारी के लिए विशेषज्ञ दिशा-निर्देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यूजीसी नेट की परीक्षा भारत की प्रमुख परीक्षा है, जिससे विश्वविद्यालयों और अनुसंधान विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और अनुसंधान हेतु विद्यार्थियों के लिए आवश्यक योग्यता प्राप्त होती है।

मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने परीक्षा की तैयारी में खुशहाल अधिगम पारिस्थितिकी का महत्व बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तथा पूरी प्रक्रिया के दौरान हमारी खुशी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोजन में मुख्य वक्ता अनीस पूवती जिन्होंने आठ विषयों में नेट की परीक्षा तथा दो विषयों में जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण की है, ने बताया कि यूजीसी नेट परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को जानना परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विषय की समझ तथा सही मार्गदर्शन प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रभावी तरीके से सहायक होता है। यहां बता दें कि आईफर एजुकेशन का उद्देश्य परीक्षा की तैयारी में अभ्यर्थियों को सहायता प्रदान करना है। विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा अशीर्ना रियाज इस फाउंडेशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं जिनके योगदान से ये व्याख्यान संभव हो पाया है। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल तथा अन्य संकाय सदस्य प्रो. वी.एन. यादव, डॉ. प्रदीप कुमार एवं डॉ. रवि पाण्डे ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा अशीर्ना रियाज ने आईफर की तरफ से पूर्व छात्र निधि में ग्यारह हजार की राशि का योगदान दिया।

हकेवि में विद्यार्थी क्षमता निर्माण व कौशल प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित

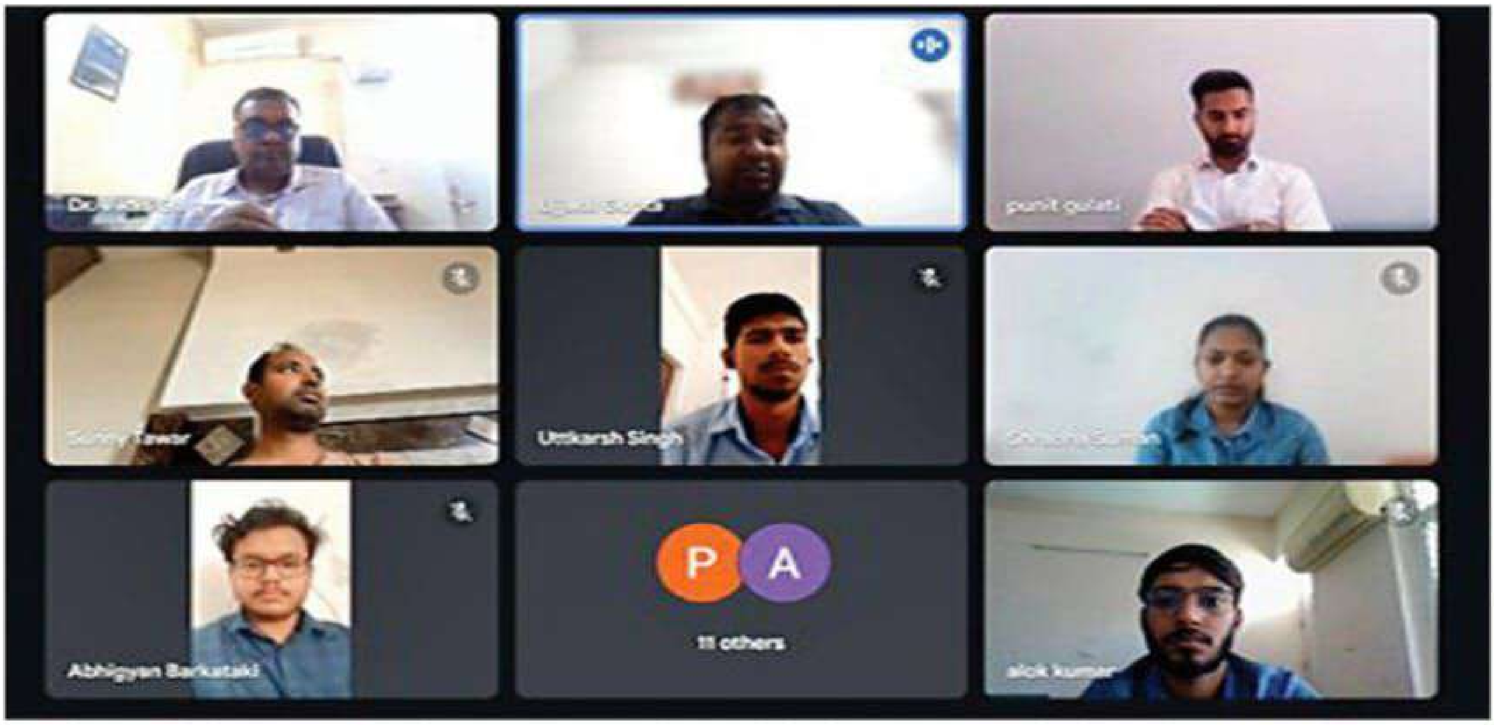

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा उड़ान सीयूएच प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण व कौशल प्रबंधन पर केंद्रित विशेष सत्र का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस विशेष सत्र में प्रबंधक, बिलिंग-क्वालिटी एस्टेट एंड सीएसआर, वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड, इंजीनियर पुनीत गुलाटी व असिसटेंट जरनल मैनेजर, एमथ्रीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इंजीनियर उज्जवल गुप्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विकास कुमार सहित विभाग के शिक्षक सन्नी तंवर और शिवानी त्यागी ने इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

दोनों ही विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान में प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र की बारीकियों से अवगत कराया। आयोजकों का कहना है कि अवश्य ही इस सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ होगा।

CUH organised training for UGC NET exam

April 22, 2024 07:13 PM

Mahendragarh, 22.04.24-Department of Psychology, Central University of Haryana (CUH) Mahendragarh organised an expert guidance program for the preparation of National Eligibility Test (NET) conducted by the University Grants Commission (UGC) in collaboration with Aifer Education Pvt. Ltd. Kerala. This program was inaugurated by the Pro-Vice Chancellor of the University, Prof. Sushma Yadav. Prof. Sushma Yadav said that UGC NET examination is the main examination of India, which provides necessary qualifications to teachers and students for research in colleges and universities.

Prof. Payal Chandel, HoD, Department of Psychology said that while preparing for any competitive exam one has to face a lot of problems and our happiness during the entire process is very important. Keynote speaker at the event, Anees Poovati, who has cleared NET exam in eight subjects and JRF exam in two subjects, said that knowing the UGC NET exam pattern and syllabus is very important in order to crack the exam. He told that understanding of the subject and proper guidance helps effectively in competitive examinations.

The coordinator of this program and head of the psychology department, Prof. Payal Chandel and other faculty members Prof. V.N. Yadav, Dr. Pradeep Kumar and Dr. Ravi Pandey, University alumni Arshina Riaz played important roles in the event. More than 200 students from various departments of the University participated in the event. Arshina Riaz contributed an amount of eleven thousand rupees to the alumni fund on behalf of Aifer Foundation.

Student Capacity Building and Skill Enhancement session organised at CUH

April 22, 2024 04:48 PM

Mahendergarh, 22.04.24-Department of Civil Engineering, School of Engineering and Technology (SOET), Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, organized an insightful session titled "Student Capacity Building and Skill Enhancement." The session was held online, where two distinguished experts, Er. Punit Gulati, Manager - Billing, Quality, Estate, and CSR from Vardhman Textiles Limited, and Er. Ujjwal Gupta, Assistant General Manager from m3m India Private Limited, shared their expertise and valuable insights. They conducted personalized one-on-one mock interviews with each student, providing tailored feedback and guidance.

The session was successfully guided and organized by Head of the Department, Prof. Vikas Garg, along with Coordinator Dr. Vikas Kumar and several faculty members from the Civil Engineering Department, including Er. Sunny Tawar and Dr. Shivani Tyagi.

Prof. Vikas Garg said that this session is helpful for bridging the gap between academia and industry. During the session, participants engaged in meaningful conversations, connected with professionals in the field, and gained insights into the latest advancements and trends in civil engineering.

विद्यार्थियों ने किया दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का भ्रमण

संवाद न्यूज एजेंसी

विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े व्यवहारिक व तकनीकी पक्षों से कराया अवगत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का औद्योगिक भ्रमण किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से अवगत कराना था।

प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दिल्ली मेट्रो विश्व का एक बेहतरीन रेल नेटवर्क सिस्टम है और इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़ी विभिन्न परिचालन व तकनीकी बारीकियों से अवगत कराना था। विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े इंजीनियर्स व अन्य कर्मचारियों से भी सीधे संवाद का अवसर प्राप्त हुआ। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने मेट्रो परिचालन में सिग्नल, संचार, सुरक्षा उपायों व पर्यावरणीय प्रयासों की जानकारी व समझ हासिल की।

प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि अवश्य ही यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए उनके क्षेत्र से जुड़े विभिन्न व्यवहारिक पक्षों को समझने में मददगार साबित होगा।

भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. विकास गर्ग, इंजीनियर सन्नी तंवर, डॉ. अभिषेक जिंदल और डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी के औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी व शिक्षक। स्रोत : हकेंवि

हकेंवि में हेल्थ थेरेपी पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित

हकेंवि में हेल्थ थेरेपी पर लोगों को संबोधित करते विशेषज्ञ सुखदेव सिंह • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हेल्थ थेरेपी पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हेल्थ स्टूडियो, सिंगापुर सुखदेव सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग, यूथ रेडक्रास, अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय व भारत स्काउट एंड गाइड के संयुक्त प्रयासों से किया गया। शुरुआत में डा. मुकेश कुमार व प्रो. दिनेश चहल ने विशेषज्ञ का स्वागत किया।

विद्यार्थियों ने किया दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का भ्रमण

दिल्ली मैट्रो का भ्रमण करते हकेंवि के विद्यार्थी • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थियों ने दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से अवगत कराना था। इस भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. विकास गर्ग, इंजीनियर सन्नी तंवर, डा. अभिषेक जिंदल व डा. विकास कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दिल्ली मेट्रो विश्व का एक बेहतरीन रेल नेटवर्क सिस्टम है और इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़ी विभिन्न परिचालन व तकनीकी बारीकियों से अवगत कराना था।

हकेंवि के विद्यार्थियों ने किया दिल्ली मेट्रो का भ्रमण

दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी में बृहस्पतिवार को औद्योगिक भ्रमण के दौरान उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षक। -हप्र

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थियों ने दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े व्यावहारिक व तकनीकी पक्षों से अवगत कराना था। इस भ्रमण में विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. विकास गर्ग, इंजीनियर सन्नी तंवर, डॉ. अभिषेक जिंदल व डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो. विकास गर्ग ने कहा कि इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को मेट्रो प्रणाली से जुड़े इंजीनियर्स व अन्य कर्मचारियों से भी सीधे संवाद का अवसर प्राप्त हुआ। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने मेट्रो परिचालन में सिग्नल, संचार, सुरक्षा उपायों व पर्यावरणीय प्रयासों को जाना व समझा। उन्होंने इस प्रयास में सहयोग व मार्गदर्शन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व दिल्ली मेट्रो से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

दैनिक ट्रिब्यून
Fri, 19 April 2024
https://epaper.dainiktribun

PG COURSE REGISTRATIONS COMMENCE

Mahendragarh: The results for the Common University Entrance Test (CUET) 2024 of Postgraduate (PG) and PG diploma programmes have been declared by National Testing Agency (NTA). Following this, the registration for counselling at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh will started from April 22 (Monday). The process of the online registration will continue till May 21 and the merit list will be released after the completion of the registration process. Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar congratulated the successful candidates and wished them luck for their bright future. Common University Entrance Test nodal officer Tejpal Dhewa said the interested applicants could get detailed information about the registration process from the university's website. The CUET (PG)-2024 process will be coordinated by a team comprising Tejpal Dhewa, Siddharth Rai and Sushil Kumar.

Haryana Tribune Fri, 19 April 2024
https://epaper.tribun

स्नातकोत्तर में आज से करें ऑनलाइन आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

हकेंवि। फाइल फोटो

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू की जाएगी। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी, जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जाएंगे। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ने बताया कि अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू की जाएगी। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई तक करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं।

हकेंवि में स्नातकोत्तर के दाखिले को होगी काउंसलिंग, आज से ऑनलाइन पंजीकरण

- पंजीकरण के बाद जारी होगी मेरिट लिस्ट
- स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 पाठ्यक्रमों की कुल 1482 सीटें उपलब्ध

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी-2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी, जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले होंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू होने हो रही है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई, 2024 तक करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। जिसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

हकेंवि में स्नातकोत्तर के लिए पंजीकरण आज से

संवाद सहयोगी, जागरण महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग के लिए पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। आनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 21 महकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए आनलाइन पंजीकरण आज सेई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

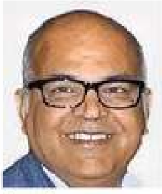
प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल आफिसर डा. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू होने हो रही है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई तक करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।जिसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डा. तेजपाल ढ़ेवा, डा. सिद्धार्थ शंकर राय व डा. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का ऑनलाइन पंजीकरण आज से

21 मई तक चलेगी प्रक्रिया

महेंद्रगढ़, 21 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुँच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू हो रहा है। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जायेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं। सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढेवा ने बताया कि सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 22 April 2024
https://epaper.dainiktribu

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

Mahendragarh: A two-day academic fest 'IGNITE-2024' was held by Department of Physics and Astrophysics at Central University of Haryana (CUH). Vice-Chancellor Professor Tankeshwar Kumar, speaking on the occasion, highlighted the importance of such programmes and emphasised that apart from academics, students must participate in co-curricular activities for overall development. Head of Department Professor Sunita Srivastava said prizes were also given to winners of various competitions such as talk room, quiz ball, face art, furious crafts, mystery, mansion and camera shorts.

Haryana Tribune Mon, 22 April 20
https://epaper.t

यूजीसी नेट के लिए दिया प्रशिक्षण

मनोविज्ञान विभाग के प्रयास से आईफर एजुकेशन के विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

संवाद न्यूज एजेंसी

विशेषज्ञों का स्वागत करतीं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव। स्रोत : हकेंवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग में आईफर एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, केरल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की तैयारी के लिए विशेषज्ञ दिशा-निर्देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा अर्शीना रियाज ने आईफर की तरफ से पूर्व छात्र निधि में ग्यारह हजार की राशि का योगदान दिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यूजीसी नेट की परीक्षा भारत की प्रमुख परीक्षा है, जिससे विश्वविद्यालयों और अनुसंधान विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और अनुसंधान हेतु विद्यार्थियों के लिए आवश्यक योग्यता प्राप्त होती है।

मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने परीक्षा की तैयारी में खुशहाल अधिगम पारिस्थितिकी का महत्व बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तथा पूरी प्रक्रिया के दौरान हमारी खुशी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हकेवि में विद्यार्थी क्षमता निर्माण और कौशल प्रबंधन पर विशेष सत्र

महेंद्रगढ़, 22 अप्रैल (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'उड़ान सीयूएच' प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण व कौशल प्रबंधन पर केंद्रित विशेष सत्र का आयोजन किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस विशेष सत्र में प्रबंधक, बिलिंग-क्वालिटी एस्टेट एंड सीएसआर, वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड, इंजीनियर पुनीत गुलाटी व असिस्टेंट जनरल मैनेजर, एमथ्रीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इंजीनियर उज्जवल गुप्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विकास कुमार सहित विभाग के शिक्षक सन्नी तंवर और शिवानी त्यागी ने इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से उद्योग जगत व शिक्षा जगत के बीच आपसी समन्वय और समझ विकसित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। दोनों ही विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान में प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र की बारीकियों से अवगत कराया। आयोजकों का कहना है कि अवश्य ही इस सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ होगा।

ट्रेनिंग • मनोविज्ञान विभाग के प्रयासों से आईफर एजुकेशन के विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

हकेंवि में यूजीसी नेट की परीक्षा के लिए दिया प्रशिक्षण

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में मनोविज्ञान विभाग में आईफर एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से विद्यार्थियों के लिए यूजीसी की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा की तैयारी के लिए विशेषज्ञ दिशा-निर्देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यूजीसी नेट की परीक्षा भारत की प्रमुख परीक्षा है, जिससे विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और अनुसंधान हेतु विद्यार्थियों के लिए आवश्यक योग्यता प्राप्त होती है।

मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने परीक्षा की तैयारी में खुशहाल अधिगम पारिस्थितिकी का महत्व बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तथा पूरी प्रक्रिया के दौरान हमारी ख़ुशी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोजन में मुख्य वक्ता अनीस पूवती जिन्होंने आठ विषयों में नेट की परीक्षा तथा दो विषयों में जेआरएफ की

परीक्षा उत्तीर्ण की है, ने बताया कि यूजीसी नेट परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को जानना परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बता दें विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा अर्शीना रियाज इस फाउंडेशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं जिनके योगदान से ये व्याख्यान संभव हो पाया है। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल तथा अन्य संकाय सदस्य प्रो. वी.एन. यादव, डॉ. प्रदीप कुमार एवं डॉ. रवि पाण्डे ने आयोजन में अहम भूमिका निभाई। इसमें विवि के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

'लैंगिक समानता और भेदभाव' पर हुई कार्यशाला

महेंद्रगढ़ | राजकीय महाविद्यालय में चाणक्या इकोनॉमिक्स सोसाइटी और जेंडर स्टडीज सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में लैंगिक समानता और भेदभाव पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी नारायण एवं मुख्य वक्ता प्रो. कविता रानी विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, राजकीय महिला महाविद्यालय, महेंद्रगढ़ ने विधिवत रूप से किया। कार्यशाला में लैंगिक समानता के मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने, लैंगिक आधार पर भेदभाव को कम करने, और समाज में सामाजिक और आर्थिक समानता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभागियों को सरकार एवं समाज के संयुक्त प्रयासों की महता पर प्रकाश डाला। अर्थशास्त्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ प्रो. कविता रानी ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए महिलाओं द्वारा अवैतनिक कार्यों पर अपने दिन के अधिकतम समय व्यतीत करने के फलस्वरूप उनके वैतनिक कार्यों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जागरूक किया। मंच संचालन डॉ. संदीप कुमारी ने किया। अंत में डॉ. पविता यादव ने प्राचार्य एवं मुख्य वक्ता सहित सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रेणु यादव, डॉ. पविता यादव, डॉ. संदीप कुमारी, प्रो. पूजा रानी, सुमन, डॉ. रनू यादव, विनोद कुमार, दीपक कुमार सहित महाविद्यालय के अनय स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में विद्यार्थी क्षमता निर्माण व कौशल प्रबंधन पर हुआ विशेष सत्र

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से 'उड़ान सीयूएच' प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण व कौशल प्रबंधन पर केंद्रित विशेष सत्र का आयोजन किया गया। ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रबंधक, बिलिंग-क्वालिटी एस्टेट एंड सीएसआर, वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड, इंजीनियर पुनीत गुलाटी व असिस्टेंट जनरल मैनेजर, एमथ्रीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इंजीनियर उज्ज्वल गुप्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विकास कुमार सहित विभाग के शिक्षक सन्नी तंवर और शिवानी त्यागी ने इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से उद्योग जगत व शिक्षा जगत के बीच आपसी समन्वय और समझ विकसित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

यूजीसी नेट परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग में आईफर एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, केरल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की तैयारी के लिए विशेषज्ञ दिशा-निर्देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया। उन्होंने कहा कि यूजीसी नेट की परीक्षा भारत की प्रमुख परीक्षा है, जिससे विश्वविद्यालयों और अनुसंधान विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और अनुसंधान के लिए विद्यार्थियों के लिए आवश्यक योग्यता प्राप्त होती है। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने परीक्षा की तैयारी में खुशहाल अधिगम पारिस्थितिकी का महत्व बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तथा पूरी प्रक्रिया के दौरान हमारी खुशी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोजन में मुख्य वक्ता अनीस पूवती ने बताया कि यूजीसी नेट परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को जानना परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विषय की समझ तथा सही मार्गदर्शन प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रभावी तरीके से सहायक होता है।

आईफर एजुकेशन विशेषज्ञों का स्वागत करतीं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव • सौ. प्रवक्ता

कार्यक्रम के संयोजक एवं मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल तथा अन्य संकाय सदस्य प्रो. वीएन यादव, डा. प्रदीप कुमार एवं डा. रवि पांडे ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

कौशल प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'उड़ान सीयूएच' प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण व कौशल प्रबंधन पर केंद्रित विशेष सत्र का आयोजन किया गया। आनलाइन माध्यम से आयोजित इस विशेष सत्र में प्रबंधक, बिलिंग-क्वालिटी एस्टेट एंड सीएसआर, वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड, इंजीनियर पुनीत गुलाटी व असिस्टेंट जरनल मैनेजर, एमथ्रीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इंजीनियर उज्ज्वल गुप्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग व कार्यक्रम समन्वयक डा. विकास कुमार सहित विभाग के शिक्षक सन्नी तंवर और शिवानी त्यागी ने इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि आयोजन के माध्यम से उद्योग व शिक्षा जगत के बीच आपसी समन्वय और समझ विकसित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। विशेषज्ञों ने व्याख्यान में प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र की बारीकियों से अवगत कराया। सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक व व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

‘उड़ान सीयूएच‘ प्रोग्राम : हकेंवि में कौशल प्रबंधन पर विशेष सत्र

विशेषज्ञों ने विचार किये साझा

महेंद्रगढ़, 22 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ‘उड़ान सीयूएच’ प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण व कौशल प्रबंधन पर केंद्रित विशेष सत्र का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस विशेष सत्र में प्रबंधक, बिलिंग-क्वालिटी एस्टेट एंड सीएसआर, वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड, इंजीनियर पुनीत गुलाटी व असिसटेंट जरनल मैनेजर, एमथ्रीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इंजीनियर उज्जवल गुप्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विकास कुमार सहित विभाग के शिक्षक सन्नी तंवर और शिवानी त्यागी ने सत्र में अपने विचार रखे और इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 23 April 2024
https://epaper.dainiktribu

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

Mahendragarh: Department of Civil Engineering, School of Engineering and Technology (SOET), Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, organised an insightful session titled 'Student Capacity Building and Skill Enhancement'. The session was held online, where two distinguished experts, Punit Gulati from Vardhman Textiles Limited and Ujjwal Gupta from m3m India Private Limited, shared their expertise and valuable insights. They conducted personalised one-on-one mock interviews with each student, providing tailored feedback and guidance. The session was successfully guided and organised by Prof Vikas Garg, along with coordinator Dr Vikas Kumar and several faculty members, including Sunny Tawar and Dr Shivani Tyagi. Professor Garg said the session was helpful in bridging the gap between academia and industry. Participants engaged in meaningful conversations, connected with professionals in the field and gained insights into the latest advancements and trends in civil engineering.

Haryana Tribune Tue, 23 April 20
https://epaper.ti

विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय चिंताओं पर किया जागरूक

हकेंवि में नारा लेखन प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थी। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में प्लैनेट बनाम प्लास्टिक पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय चिंताओं एवं उसके समाधानों पर केंद्रित नारों के माध्यम से जागरूक किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की एक सराहनीय पहल है। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जहां जीवन मौजूद है। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम प्लैनेट बनाम प्लास्टिक रखी गई है।

विज्ञान और संस्कृत के ज्ञान से होगा ज्ञान परंपरा का विकास

हकेंवि में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रतिभागियों के साथ प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, प्रो. सुषमा यादव व प्रो. सुनीता। स्रोत- हकेंवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को अवगत कराया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परंपरा को हानि पहुंचाई। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था और यही कारण था कि पहले विद्यार्थी, फिर सैलानी और उसके बाद आक्रमणकारी भारत आए। प्रो. सुषमा यादव ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार फिर से भारत इस नीति के माध्यम से अपना पुराना वैभव प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

भूगोल में रोजगार की अपार संभावनाएं :डॉ. मीणा

कनीना। राजकीय महाविद्यालय कनीना में भूगोल विभाग के तत्वावधान में भूगोल विषय में रोजगार के अवसर पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हकेंवि से प्रो. मुरारी लाल मीणा रहे। उन्होंने बताया कि भूगोल विषय में रोजगार के अपार अवसर हैं। भूगोल के विद्यार्थी कार्टोग्राफी, सेटेलाइट टेक्नोलॉजी, जनसंख्या परिषद, मौसम विभाग, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा आदि में रोजगार पा सकते हैं।

हकेंवि में सीआरई कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से मंगलवार को एक दिवसीय ऑनलाइन सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लिनिकल साइकलोजिस्ट सी दीपक ने विशेष श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा एक वरदान विषय पर विचार व्यक्त किए। शिक्षा के महत्त्व और उसके माध्यम से संभव सुधार पर प्रकाश डाला।

हकेवि में एक दिवसीय सीआरई कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद् (आरसीआई), नई दिल्ली के सहयोग से मंगलवार को एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल विभाग के लिए बल्कि समुदाय के लिए भी आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम के विषय विशेष बच्चों की आवश्यकताह्य मुद्दे एवं चुनौतियों के महत्त्व और आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. विश्वानंद यादव ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विषय परिचय प्रस्तुत किया जबकि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने वक्ताओं का परिचय कराया। साइंटिस्ट सी श्री दीपक ने विशेष श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा एक वरदान विषय पर विचार व्यक्त किए और शिक्षा के महत्त्व और उसके माध्यम से संभव सुधार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के क्लिनिकल साइक्लोजी विभाग की प्रमुख डॉ. सत्यम ने विशेष श्रेणी के बच्चों के लिए महत्त्वपूर्ण जीवन प्रबंधन कौशल पर अपने विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में अन्य क्लिनिकल साइक्लोजिस्ट डॉ. प्रियंका ने समुदाय आधारित पुनर्वास की उपयोगिता पर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. विश्वानंद यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेवि में भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संगोष्ठी का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। उन्होंने अपने संबोधन में ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परम्परा को हानि पहुंचाई।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में इस आयोजन में उपस्थित अतिथि प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री व उनकी पत्नी डॉ. मृदुला सिंघल का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था और यही कारण था कि पहले विद्यार्थी, फिर सैलानी और उसके बाद आक्रमणकारी भारत आए। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा की जड़ें गहरी हैं। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. सुनीता तंवर, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. किरण रानी, डॉ. सुमन रानी, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. नीलम व डॉ. नवीन ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। मंच का संचालन डॉ. किरण रानी ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. कामराज सिंधु सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संगोष्ठी का हुआ आयोजन

चेतना ब्यूरो।

महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। उन्होंने अपने संबोधन में ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परम्परा को हानि पहुँचाई।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में इस आयोजन में उपस्थित अतिथि प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री व उनकी पत्नी डॉ. मृदुला सिंघल का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था और यही कारण था कि पहले विद्यार्थी, फिर सैलानी और उसके बाद आक्रमणकारी भारत आए। प्रो. सुषमा यादव ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार फिर से भारत इस नीति के माध्यम से अपना पुराना वैभव प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विज्ञान और संस्कृत का ज्ञान एक साथ मिलने से ही हम अपनी ज्ञान परम्परा का विकास कर सकते हैं और इस दिशा में योग भी एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है।

हकेवि में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। प्लैनेट बनाम पलास्टिक पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण अध्ययन विभाग ने पृथ्वी की सुरक्षा व संरक्षण हेतु एक अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया। अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यदव ने प्लास्टिक की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे प्लास्टिक हमारे जीवन में प्रवेश कर गया है और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में समस्याएं पैदा कर रहा है। उन्होंने पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु समर्पित भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक दिन को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने पर्यावरण और उसके परिवेश का सम्मान करना चाहिए। समापन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. प्रवीण कुमार ने सतत भविष्य की दिशा में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और प्रेरक कार्रवाई की पेशकश की। उन्होंने नमामि गंगे के तहत नदी पुनर्जीवन पर एक अद्भुत व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार का परिचय दिया। उन्होंने स्वच्छता अभियान और ऐसे जागरूकता अभियानों के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मोना शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आयोजित क्विज प्रतियोगिता के लिए रितिक त्यागी, निवेदिता और विवेक कुमार को तथा स्लोगन प्रतियोगिता के लिए रिया नस्विन सीके, अनीश शर्मा, अनु को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में समन्वयक डॉ. स्मिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. अनीता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. दुष्यन्त कुमार, डॉ. सुषमा, डॉ. सुनील कुमार सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का हुआ समापन

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। प्लैनेट बनाम पलास्टिक पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण अध्ययन विभाग ने पृथ्वी की सुरक्षा व संरक्षण हेतु एक अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया। अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यदव ने प्लास्टिक की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे प्लास्टिक हमारे जीवन में प्रवेश कर गया है और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में समस्याएं पैदा कर रहा है। उन्होंने पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु समर्पित भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक दिन को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।

Earth Day celebration concluded at CUH

April 24, 2024 06:22 PM

Mahendergarh, 24.04.24-The Department of Environmental Studies at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh concluded a two-day celebration of Earth Day on the theme "Planet VS Plastics." Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University conveyed his message that Department of Environmental Studies conducted a wonderful event on the Earth Day for protecting and preserving our mother. He mentioned that two-day Earth Day celebrations stand as a commendable example of an academic institution taking initiative to raise awareness and inspire positive environmental action.

Prof. Sushma Yadav, Pro Vice-Chancellor highlighted the role of plastic and how plastic entered in our life and creating problems for maintaining the ecosystem. She emphasized the department's dedication to fostering environmental consciousness and empowering students to become responsible stewards of the planet. Prof. Sunita Srivastava, First Lady of the University said that each day must be celebrated as earth day and we should respect our environment and its surroundings. She expressed their delight at the student turnout and participation throughout the two days.

Prof. Neelam Sangwan, Dean, School of Interdisciplinary and Applied Sciences introduced today's speaker, renowned environmentalist, Dr. Praveen Kumar, Director, National Mission for Clean Ganga. She told the importance of cleanliness drive and such awareness campaigns and encouraged the students of the university for more and more participation. Dr. Pravin Kumar offered valuable insights and inspiring action towards a sustainable future. He delivered a wonderful talk on river rejuvenation under Namami Gange.

Dr. Mona Sharma, Head of the Department and Convener of the program welcomed all the guests and told about the various activities conducted during this two-day program. Dr. Mona further informed that the celebrations culminated in a prize distribution ceremony and following winners Ritik Tyagi, Niveditha, and Vivek Kumar got the awards for quiz and Riya Naswin CK, Aneesh Sharma, Anu for slogan competition, aiming to encourage continued environmental commitment among the University community. Dr. Smita, coordinator proposed vote of thanks at the end. At this occasion Dr. Anita Singh, Dr. Vikram Singh, Dr. Anoop Yadav, Dr. Bhupendra Singh, Dr. Dushyant Kumar, Dr. Sushma, Dr. Sunil Kumar, students and Ph.D. scholars were available. While the event has concluded, the department's commitment to environmental education continues.

हकेवि में डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डिजिटल मीडिया लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला माध्यम है। उन्होंने कहा कि भावी मीडियाकर्मी डिजिटल मीडिया के कौशल व बारीकियों को सीखें व अपने कंटेंट के माध्यम से वैश्विक समाज को सूचित, शिक्षित, जागरूक एवं उसका मनोरंजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। प्रो. सुषमा यादव ने इस आयोजन के लिए अपनी व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की ओर से विभाग को बधाई दी।ऐसे में विद्यार्थी अपडेट रहेंगे व नए कौशल हासिल करेंगे तभी वे मीडिया क्षेत्र में अपना स्थान हासिल कर सकते है। वरिष्ठ पत्रकार रोहित चौधरी ने डिजिटल मीडिया के विद्यार्थियों को शार्ट वीडियो बनाने का कौशल हासिल करने की आवश्यकता है। अपने व्याख्यान में उन्होंने डिजिटल मीडिया के प्राइम टाइम, डेड टाइम, कॉपी फलो, डेड स्टोरी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजेश ने कंटेंट ऑप्टिमाइजेशन, ऑनलाइन विजिबिलिटी बढ़ाने के कुछ स्ट्रेटजी, कीवर्ड रिसर्च, लिंक बिलिंग्स के बारे में विद्यार्थियों को बताया। वरिष्ठ पत्रकार विकास जांगड़ा ने डिजिटल न्यूजरूम के संरचनात्मक ढांचे के बारे में अपनी बात को रखते हुए डिजिटल मीडिया में हो रहे नए प्रयोगों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. आलेख एस नायक ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भारती बत्रा ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर डॉ. सुरेंद्र सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

डिजिटल मीडिया में हैं अपार संभावनाएः प्रो. सुषमा यादव

हकेवि में डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महेन्द्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डिजिटल मीडिया लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला माध्यम है। उन्होंने कहा कि भावी मीडियाकर्मी डिजिटल मीडिया के कौशल व बारीकियों को सीखें व अपने कंटेंट के माध्यम से वैश्विक समाज को सूचित, शिक्षित, जागरूक एवं उसका मनोरंजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। प्रो. सुषमा यादव ने इस आयोजन के लिए अपनी व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की ओर से विभाग को बधाई दी।

विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा डिजिटल मीडिया के प्रसार व विस्फोट से मीडिया उद्योग में बड़े बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थी अपडेट रहेंगे व नए कौशल हासिल करेंगे तभी वे मीडिया क्षेत्र में अपना स्थान हासिल कर सकते है। वरिष्ठ पत्रकार तथागत राय चौधरी ने छात्रों को डिजिटल मीडिया के वर्तमान रुझानों से अवगत कराया। वरिष्ठ पत्रकार रोहित चौधरी ने डिजिटल मीडिया के विद्यार्थियों को शार्ट वीडियो बनाने का कौशल हासिल करने की आवश्यकता है। अपने व्याख्यान में उन्होंने डिजिटल मीडिया के प्राइम टाइम, डेड टाइम, कॉपी फलो, डेड स्टोरी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

वरिष्ठ पत्रकार थिरुमॉय बनर्जी ने विद्यार्थियों को बताया कि डिजिटल जर्नलिज्म में विश्वसनीयता और सटीकता सुनिश्चित करना संपादकों का महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने ऑनलाइन मीडिया के उद्भव से लेकर ऑनलाइन मीडिया के रोल और इसके लिए आवश्यक स्किल एवं मोजो जर्नलिज्म और इसके प्रैक्टिल स्किल के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

हकेवि में सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी यूनिट द्वारा 'सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने ऐसे व्याख्यानों के महत्त्व, नेतृत्व गुणों पर प्रकाश डाला और अपनी पिछली उपलब्धियों और अनुभवों से सभी को प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय की एनसीसी अधिकारी प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात डिप्टी एनसीसी अधिकारी श्री नरेश कुमार ने वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस वेंकटरमन का परिचय प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन ने कैडेट्स और विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों में विभिन्न अवसरों, इसमें शामिल होने के तरीकों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने एसएसबी के बारे में, इसकी तैयारी कैसे करें, विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया।

राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार हो रहे प्रयास

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ की ओर से राजभाषा हिंदी का कार्यन्वयन और विकास विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) श्रीकुमार पाल शर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। नराकास अध्यक्ष कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में यह कार्यशाला आयोजित रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशेषज्ञ का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

हिंदी कार्यशाला के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण • सौ. प्रवक्ता

विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों को बताया कि किस तरह से व्यावहारिक रूप से राजभाषा हिंदी का क्रियान्वयन सफलता के साथ किया जा सकता है। भाषा के स्तर पर भारत में अंग्रेजी के उपयोग और उसके पीछे के ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख भी किया। यह भी कहा कि विद्यार्थियों को भी इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी के उत्थान के लिए सभी को मिलकर कदम उठाना होगा। कार्यशाला के अंत में विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी डा. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डिजिटल मीडिया कौशल पर कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डिजिटल मीडिया लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला माध्यम है। उन्होंने कहा कि भावी मीडियाकर्मी डिजिटल मीडिया के कौशल व बारीकियों को सीखें व अपने कंटेंट के माध्यम से वैश्विक समाज को सूचित, शिक्षित, जागरूक एवं उसका मनोरंजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। प्रो. सुषमा यादव ने इस आयोजन के लिए अपनी व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की ओर से विभाग को बधाई दी। विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार व विस्फोट से मीडिया उद्योग में बड़े बदलाव हो रहे हैं।

कार्यशाला को संबोधित करती समकुलपति प्रो. सुषमा यादव • सौ. प्रवक्ता

Lieutenant Colonel S. Venkatraman addressing the expert lecture at CUH

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH :'Expert Lecture on 'Opportunities for young leaders in Armed Forces' organized at CUH An expert lecture was organized by 16 Haryana Battalion NCC Unit, Central University of Haryana (CUH), Haryana on 'Opportunities for young leaders in Armed Forces'. Lt Col S. Venkatraman was the esteemed speaker of the event. At the very beginning of the lecture, the speaker, the Pro-Vice Chancellor Prof. Sushma Yadav, NCC Cadets and all other dignitaries present there were welcomed by Prof. Payal Chandel, NCC Officer. Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor highlighted the importance of such lectures, leadership qualities and inspired everyone with her past achievements and experiences. After that, Sh. Naresh Kumar, Deputy NCC Officer gave introduction about the speaker Lt Col S. Venkatraman. Lt Col S. Venkatraman encouraged and motivated cadets & students to join the armed forces. During his lecture, he discussed about various opportunities in armed forces, what are the ways to join, about SSB, how to prepare for it, what are the qualities we should have to be a leader and in the last he interacted with the cadets, cleared their doubts and inspired them. There were around 60 cadets and students present in the event. In the last, vote of thanks was given by Prof. Ramesh Kumar, NCC Officer to make this lecture successful and fruitful.

PROF. SUSHMA YADAV, PRO-VICE CHANCELLOR HIGHLIGHTED THE IMPORTANCE OF SUCH LECTURES, LEADERSHIP QUALITIES AND INSPIRED EVERYONE WITH HER PAST ACHIEVEMENTS AND EXPERIENCES. AFTER THAT, SH. NARESH KUMAR, DEPUTY NCC OFFICER GAVE INTRODUCTION ABOUT THE SPEAKER LT COL S. VENKATRAMAN.

Expert Lecture on 'Opportunities for young leaders in Armed Forces' organized at CUH

April 25, 2024 01:08 PM

MAHENDERGARH,25.04.24-An expert lecture was organized by 16 Haryana Battalion NCC Unit, Central University of Haryana (CUH), Haryana on 'Opportunities for young leaders in Armed Forces'. Lt Col S. Venkatraman was the esteemed speaker of the event. At the very beginning of the lecture, the speaker, the Pro-Vice Chancellor Prof. Sushma Yadav, NCC Cadets and all other dignitaries present there were welcomed by Prof. Payal Chandel, NCC Officer.

Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor highlighted the importance of such lectures, leadership qualities and inspired everyone with her past achievements and experiences. After that, Sh. Naresh Kumar, Deputy NCC Officer gave introduction about the speaker Lt Col S. Venkatraman.

Lt Col S. Venkatraman encouraged and motivated cadets & students to join the armed forces. During his lecture, he discussed about various opportunities in armed forces, what are the ways to join, about SSB, how to prepare for it, what are the qualities we should have to be a leader and in the last he interacted with the cadets, cleared their doubts and inspired them. There were around 60 cadets and students present in the event. In the last, vote of thanks was given by Prof. Ramesh Kumar, NCC Officer to make this lecture successful and fruitful.

विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 25 अप्रैल (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी यूनिट द्वारा 'सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। समकुलपति प्रो.सुषमा यादव ने ऐसे व्याख्यानों के महत्त्व, नेतृत्व गुणों पर प्रकाश डाला और अपनी पिछली उपलब्धियों और अनुभवों से सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय की एनसीसी अधिकारी प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात डिप्टी एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार ने वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस वेंकटरमन का परिचय प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन ने कैडेट्स और विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों में विभिन्न अवसरों, इसमें शामिल होने के तरीकों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ एलुमनी मीट का आयोजन

कुलपति बोले विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों की भूमिका महत्त्वपूर्ण

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेवि में अध्ययन कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान की भी गरिमामयी उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। यह मंच अवसर है, फिर से विश्वविद्यालय के साथ जुड़ने और इसके साथ मिलकर काम करने का। कुलपति ने कहा कि आप हमारे ब्रांड अम्बेस्डर है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पूर्व छात्रों के लिए आयोजित एलुमनी मीट को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस भी क्षेत्र में सक्रिय होंगे, वहाँ प्रगति करेंगे। कुलपति ने इस प्रगति में विश्वविद्यालय की सहभागिता पर भी जोर दिया और कहा कि आज हम इस मुलाकात के माध्यम से जानने का प्रयास करेंगे कि हम आपके लिए और आप हमारे लिए क्या कर सकते हैं? अपने संबोधन में कुलपति ने इस आयोजन की महत्ता का उल्लेख करते

हुए कहा कि यह परम्परा अब निरंतर जारी रहेगी और हम मिलकर इसको आगे बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय का आधार स्तम्भ बताया। उन्होंने इस आयोजन को एक महत्त्वपूर्ण प्रयास बताते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से बेहतर प्रयासों को पूर्ण करने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह हम सभी के लिए हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके मार्गदर्शन में ही इस तरह के बदलाव संभव है।

कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र एसोसिएशन के अधिष्ठाता प्रो. हरीश कुमार ने एसोसिएशन व विश्वविद्यालय की गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि एसोसिएशन के माध्यम से वर्ष 2023 में 12 और वर्ष 2024 में 14 विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से अवश्य ही विद्यार्थियों को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस मौके पर पूर्व छात्र एसोसिएशन के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने भी विस्तार से एसोसिएशन के कामकाज और उसके लिए विद्यार्थियों की उपयोगिता का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व कुलानुशासक प्रो. नंद किशोर ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. कृष्णा आर्य, नागमणि आदि पूर्व छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किए और विश्वविद्यालय की प्रगति में सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. सुदीप ने किया।

पूर्व विद्यार्थी विश्वविद्यालय के आधार स्तंभ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को हुआ एलुमनी मीट का आयोजन, साझा की यादें

संवाद न्यूज एजेंसी

एलुमनी मीट को संबोधित करते कुलपति। स्रोत : विवि

एलुमनी मीट में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ पूर्व विद्यार्थी। स्रोत : विवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेंवि में अध्ययन कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहे।

आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान की भी गरिमामयी उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। यह मंच अवसर है, फिर से विश्वविद्यालय के साथ जुड़ने और इसके साथ मिलकर काम करने का। कुलपति ने कहा कि आप हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पूर्व छात्रों के लिए आयोजित एलुमनी मीट को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस भी क्षेत्र में सक्रिय होंगे, वहां प्रगति करेंगे।

कुलपति ने इस प्रगति में विश्वविद्यालय की सहभागिता पर भी जोर दिया और कहा कि आज हम इस मुलाकात के माध्यम से जानने का प्रयास करेंगे कि हम आपके लिए और आप हमारे लिए क्या कर सकते हैं। अपने संबोधन में कुलपति ने इस आयोजन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परंपरा अब निरंतर जारी रहेगी और हम मिलकर इसको आगे बढ़ाएंगे। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय का आधार स्तंभ बताया। उन्होंने इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से बेहतर प्रयासों को पूर्ण करने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके मार्गदर्शन में ही इस तरह के बदलाव संभव है।

कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र एसोसिएशन के अधिष्ठाता प्रो. हरीश कुमार ने एसोसिएशन व विश्वविद्यालय की गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि एसोसिएशन के माध्यम से वर्ष 2023 में 12 और वर्ष 2024 में 14 विद्यार्थियों की ओर से विश्वविद्यालय को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। कहा कि इस मंच के माध्यम से अवश्य ही विद्यार्थियों को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व कुलानुशासक प्रो. नंद किशोर ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। डॉ. कृष्णा आर्य, नागमणि आदि पूर्व छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किए और विश्वविद्यालय की प्रगति में सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. सुदीप ने किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ एलुमनी मीट का आयोजन

विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों की भूमिका महत्त्वपूर्ण : कुलपति

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेंवि में अध्ययन कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान की उपस्थित रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। यह मंच अवसर है, फिर से विश्वविद्यालय के साथ जुड़ने और इसके साथ मिलकर काम करने का। कुलपति ने कहा कि आप हमारे ब्रांड एम्बेसडर हैं। उन्होंने कहा कि आज हम इस मुलाकात के माध्यम से जानने का प्रयास करेंगे कि हम आपके लिए और आप हमारे लिए क्या कर सकते हैं? विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय का आधार स्तम्भ बताया। कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र एसोसिएशन के अधिष्ठाता प्रो. हरीश कुमार ने एसोसिएशन व विश्वविद्यालय की गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. सुदीप ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ एलुमनी मीट का आयोजन

कुलपति बोले विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों की भूमिका महत्त्वपूर्ण

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेवि में अध्ययन कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान की भी गरिमामयी उपस्थित रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। यह मंच अवसर है, फिर से विश्वविद्यालय के साथ जुड़ने और इसके साथ मिलकर काम करने का। कुलपति ने कहा कि आप हमारे ब्रांड अम्बेस्डर है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पूर्व छात्रों के लिए आयोजित एलुमनी मीट को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस भी क्षेत्र में सक्रिय होंगे, वहाँ प्रगति करेंगे। कुलपति ने इस प्रगति में

विश्वविद्यालय की सहभामिता पर भी जोर दिया और कहा कि आज हम इस मुलाकात के माध्यम से जानने का प्रयास करेंगे कि हम आपके लिए और आप हमारे लिए क्या कर सकते हैं? विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय का आधार स्तम्भ बताया। उन्होंने इस आयोजन को एक महत्त्वपूर्ण प्रयास बताते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से बेहतर प्रयासों को पूर्ण करने का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र एसोसिएशन के अधिष्ठाता प्रो. हरीश कुमार ने एसोसिएशन व विश्वविद्यालय की गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि एसोसिएशन के माध्यम से वर्ष 2023 में 12 और वर्ष 2024 में 14 विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। पूर्व अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने भी विस्तार से एसोसिएशन के कामकाज और उसके लिए विद्यार्थियों की उपयोगिता का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व कुलानुशासक प्रो. नंद किशोर ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया।

'विश्वविद्यालय के विकास में छात्रों की भूमिका अहम'

पूर्व विद्यार्थियों के संवाद करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण : महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेवि में अध्ययन कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। वह संस्थान के ब्रांड अंबेसडर हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने उन्हें विश्वविद्यालय का आधार स्तम्भ बताया। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके मार्गदर्शन में ही इस तरह के बदलाव संभव है। कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. सुदीप ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व अन्य उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विवि में एलुमनी मीट का आयोजन

महेंद्रगढ़, 27 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेंवि में अध्ययन कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने उत्साह के साथहिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहे। आयोजन में विवि की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान की भी उपस्थित रही।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। यह अवसर है, फिर से विवि के साथ जुड़ने और मिलकर काम करने का। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विवि का आधार स्तम्भ बताया। कार्यक्रम के आयोजक विवि में पूर्व छात्र एसोसिएशन के अधिष्ठाता प्रो. हरीश कुमार ने एसोसिएशन व विवि की गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

विवि पहुंचने पर प्रतिभागियों का किया स्वागत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एलुमनी मीट आयोजित

वीसी बोले, पूर्व छात्र किसी भी संस्था के ब्रॉड एंबेसडर होते हैं, हम अब इस परंपरा को भविष्य में जारी रखते हुए और बेहतर करने का किया जाएगा प्रयास

महेंद्रगढ़। एलुमनी मीट में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ पूर्व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज: महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेंवि में अध्ययन कर चुके पूर्व विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान की भी गरिमामयी उपस्थित रही। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। यह मंच अवसर है, फिर से विश्वविद्यालय के साथ जुड़ने और इसके साथ मिलकर काम करने का। कुलपति ने कहा कि आप हमारे ब्रांड एंबेस्डर है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पूर्व छात्रों के लिए आयोजित एलुमनी मीट को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस भी क्षेत्र में सक्रिय होंगे, वहां प्रगति करेंगे। कुलपति ने इस प्रगति में विश्वविद्यालय की सहभामिता पर भी जोर दिया और कहा कि आज हम इस मुलाकात के माध्यम से जानने का प्रयास करेंगे कि हम आपके लिए और आप हमारे लिए क्या कर सकते हैं? अपने संबोधन में कुलपति ने इस आयोजन की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परंपरा अब निरंतर जारी रहेगी और हम मिलकर इसको आगे बढ़ाएंगे।

बेहतर प्रयासों को पूर्ण करने का मिलेगा मार्ग

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से बेहतर प्रयासों को पूर्ण करने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह हम सभी के लिए हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके मार्गदर्शन में ही इस तरह के बदलाव संभव है। कार्यक्रम के आयोजक विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र एसोसिएशन के अधिष्ठाता प्रो. हरीश कुमार ने एसोसिएशन व विश्वविद्यालय की गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और बताया कि एसोसिएशन के माध्यम से वर्ष 2023 में 12 और वर्ष 2024 में 14 विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से अवश्य ही विद्यार्थियों को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस मौके पर पूर्व छात्र एसोसिएशन के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने भी विस्तार से एसोसिएशन के कामकाज और उसके लिए विद्यार्थियों की उपयोगिता का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा व कुलानुशासक प्रो. नंद किशोर ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. कृष्णा आर्य, नागमणि आदि पूर्व छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किए और विश्वविद्यालय की प्रगति में सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. सुदीप ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित

पृथ्वी दिवस पर 'प्लैनेट बनाम प्लास्टिक' कार्यक्रम

प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागी ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण : महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में 'प्लैनेट बनाम प्लास्टिक' पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई को प्रेरित करने की एक सराहनीय पहल है। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने पृथ्वी दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी एकमात्र ग्रह है, जहां जीवन मौजूद है। कार्यक्रम की संयोजक एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने बताया कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम प्लैनेट बनाम प्लास्टिक है। इसके तहत पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व आधारित सफाई अभियान व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक एवं प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डा. प्रवीण कुमार का विशेषज्ञ व्याख्यान होगा तथा विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन की समन्वयक डा. स्मिता ने पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

हकेंवी में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित संगोष्ठी आयोजित

संवाद सहयोगी, जागरण: महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। उन्होंने अपने संबोधन में ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परम्परा को हानि पहुंचाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं।

हकेंवि में पृथ्वी दिवस समारोह का आयोजन

महेंद्रगढ़, 23 अप्रैल (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में 'प्लैनेट बनाम प्लास्टिक' पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई को प्रेरित करने की एक सराहनीय पहल है। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजक एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद 'स्लोगन' लेखन का आयोजन किया गया। आयोजन की समन्वयक डॉ. स्मिता ने पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में डॉ. अनिता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 24 April 2024
https://epaper.dainiktribu

भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संगोष्ठी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में इस आयोजन में उपस्थित अतिथि प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री व उनकी पत्नी डॉ. मृदुला सिंघल का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 24 April 2024
https://epaper.dainiktrib

पर्यावरण संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित

हकेंवि में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का हुआ समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का बुधवार को समापन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को पर्यावरणीय चेतना को बढ़ाने व जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

आयोजन के समापन सत्र में उपस्थित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व अन्य। स्रोत : हकेंवि

प्लैनेट बनाम प्लास्टिक पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण अध्ययन विभाग ने पृथ्वी की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया। अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्लास्टिक की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे प्लास्टिक हमारे जीवन में प्रवेश कर गया है और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में समस्याएं पैदा कर रहा है। उन्होंने पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु समर्पित भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक दिन को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। हमें अपने पर्यावरण और उसके परिवेश का सम्मान करना चाहिए। समापन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. प्रवीण कुमार ने सतत भविष्य की दिशा में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और प्रेरक कार्रवाई की पेशकश की।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आयोजित क्विज प्रतियोगिता के लिए रितिक त्यागी, निवेदिता और विवेक कुमार को तथा स्लोगन प्रतियोगिता के लिए रिया नस्विन सीके, अनीश शर्मा, अनु को पुरस्कृत किया गया।

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम संपन्न

'प्रत्येक दिन को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाना ही आज की जरूरत'

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। प्लैनेट बनाम प्लास्टिक पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पर्यावरण अध्ययन विभाग ने पृथ्वी की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक अद्‌भुत कार्यक्रम का आयोजन किया। अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

आयोजन के समापन सत्र में विवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्लास्टिक की भूमिका पर प्रकाश डाला। विवि की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक दिन को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।

विवि के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार का परिचय दिया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मोना शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आयोजित क्विज प्रतियोगिता के लिए रितिक त्यागी, निवेदिता और विवेक कुमार को तथा स्लोगन प्रतियोगिता के लिए रिया नस्विन सीके, अनीश शर्मा, अनु को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में समन्वयक डॉ. स्मिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. अनीता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. दुष्यन्त कुमार, डॉ. सुषमा, डॉ. सुनील कुमार सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

'पर्यावरण आधारित कार्यक्रम के प्रतिभागियों में बढ़ेगी जागरूकता'

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया।

प्लैनेट बनाम प्लास्टिक पर केंद्रित इस आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पर्यावरण अध्ययन विभाग ने पृथ्वी की सुरक्षा व संरक्षण हेतु एक अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके माध्यम से प्रतिभागियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डा. प्रवीण कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यदव ने पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु समर्पित भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक दिन को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।

समापन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता डा. प्रवीण कुमार ने सतत भविष्य की दिशा में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और प्रेरक कार्रवाई की पेशकश की। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आयोजित क्विज प्रतियोगिता के लिए रितिक त्यागी, निवेदिता और विवेक कुमार को तथा स्लोगन प्रतियोगिता के लिए रिया नस्विन सीके, अनीश शर्मा, अनु को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में समन्वयक डा. स्मिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बदलाव लाने का माध्यम है डिजिटल मीडिया

हकेंवि में डिजिटल मीडिया कौशल और व्यवहार पर कार्यशाला आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डिजिटल मीडिया लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला माध्यम है। उन्होंने कहा कि भावी मीडियाकर्मी डिजिटल मीडिया के कौशल व बारीकियों को सीखें व अपने कंटेंट के माध्यम से वैश्विक समाज को सूचित, शिक्षित, जागरूक एवं उसका मनोरंजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार व विस्फोट से मीडिया उद्योग में बड़े बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थी अपडेट रहेंगे व नए कौशल हासिल करेंगे तभी वह मीडिया क्षेत्र में अपना स्थान हासिल कर सकते है। तथागत राय चौधरी ने छात्रों को डिजिटल मीडिया के वर्तमान रुझानों से अवगत कराया। रोहित चौधरी ने डिजिटल मीडिया के विद्यार्थियों को शॉर्ट वीडियो बनाने का कौशल हासिल करने की आवश्यकता है।

हकेंवि । संवाद

थिरुमॉय बनर्जी ने विद्यार्थियों को बताया कि डिजिटल जर्नलिज्म में विश्वसनीयता और सटीकता सुनिश्चित करना संपादकों का महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने ऑनलाइन मीडिया के उद्भव से लेकर ऑनलाइन मीडिया के रोल और इसके लिए आवश्यक स्किल एवं मोजो जर्नलिज्म और इसके प्रैक्टिल स्किल के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट राजेश ने कंटेंट ऑप्टिमाइजेशन, ऑनलाइन विजिबिलिटी बढ़ाने के कुछ स्ट्रेटजी, कीवर्ड रिसर्च के बारे में विद्यार्थियों को बताया। विकास जांगड़ा ने डिजिटल न्यूजरूम के संरचनात्मक ढांचे के बारे में अपनी बात को रखते हुए डिजिटल मीडिया में हो रहे नए प्रयोगों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. आलेख एस नायक ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भारती बत्रा ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर डॉ. सुरेंद्र सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

अवसर विषय पर विद्यार्थियों को दी जानकारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी यूनिट द्वारा सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 60 कैडेट्स व विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने व्याख्यानों के महत्त्व, नेतृत्त्व गुणों पर प्रकाश डाला और अपनी पिछली उपलब्धियों और अनुभवों से सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय की एनसीसी अधिकारी प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात डिप्टी एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार ने वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस वेंकटरमन का परिचय प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन ने कैडेट्स और विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों में विभिन्न अवसरों, इसमें शामिल होने के तरीकों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। संवाद

हिंदी विषय को लेकर कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति (नराकास) की ओर से राजभाषा हिंदी का कार्यन्वयन और विकास विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) कुमार पाल शर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशेषज्ञ का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। विवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने स्मृति चिह्न भेंटकर विशेषज्ञ का स्वागत किया। हिंदी अधिकारी डॉ. कमलेश कुमारी ने विषय विशेषज्ञ, कार्यशाला अध्यक्ष, नराकास के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों का शाब्दिक स्वागत करते हुए विषय विशेषज्ञ कुमार पाल शर्मा का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कुमार पाल शर्मा ने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक है कि इसका उपयोग कंठ, कलम व कम्प्यूटर के स्तर पर किया जाए। संवाद

लेफ्टिनेंट कर्नल ने दी 'सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसरों' की जानकारी

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में विशेषज्ञ व्याख्यान...

हकेंवि की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी यूनिट द्वारा 'सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने ऐसे व्याख्यानों के महत्त्व, नेतृत्व गुणों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय की एनसीसी अधिकारी प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात डिप्टी एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार ने वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन का परिचय प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन ने कैडेट्स और विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया। उन्होंने एसएसबी के बारे में, इसकी तैयारी कैसे करें, विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में लगभग 60 कैडेट्स व विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के अंत में एनसीसी अधिकारी प्रो. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर पर व्याख्यान

हकेंवि में व्याख्यान को संबोधित करते लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण : महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी यूनिट द्वारा 'सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने ऐसे व्याख्यानों के महत्व, नेतृत्व गुणों पर प्रकाश डाला और अपनी पिछली उपलब्धियों और अनुभवों से सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय की एनसीसी अधिकारी प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात डिप्टी एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार ने वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस वेंकटरमन का परिचय प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन ने कैडेट्स और विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। सशस्त्र बलों में विभिन्न अवसरों में शामिल होने के तरीकों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने एसएसबी के बारे में, इसकी तैयारी कैसे करें, विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र में शंकाओं का समाधान किया।कार्यक्रम में लगभग 60 कैडेट्स व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

SEMINAR ON INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM

Mahendragarh: A national seminar on the 'Indian knowledge system' was organised by the Department of Yoga of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. Prof Dinesh Chandra Shastri, Vice-Chancellor of Uttarakhand Sanskrit University, was present as the keynote speaker. CUH Pro Vice-Chancellor Prof Sushma Yadav and first lady Prof Sunita Srivastava also present on the occasion. Prof Shastri familiarised the participants with various aspects of the 'Indian knowledge system'. He told the participants that during ancient times, knowledge, science, yoga and ancient Indian texts had played a key role in making India a major centre of knowledge in the world He further shed light on how the British rule had destroyed India's ancient knowledge system. Prof Yadav said the event was organised under the direction and guidance of the CUH VC Prof Tankeshwar Kumar. She said India was a developed economy. Referring to the new National Education Policy, Prof Yadav said India was once again moving towards regaining its old glory through the policy.

Haryana Tribune Fri, 26 April 2024
https://epaper.tri

शेक्सपियर पर प्रश्नोत्तरी में मुकेश, अभिषेक व गौतम की टीम विजयी

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा सोमवार को शेक्सपियर दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में सम-कुलपति प्रो.सुषमा यादव सहित शोध अधिष्ठाता में प्रो.नीलम सांगवान व शैक्षणिक अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो.संजीव कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही।

कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन में जुटे विद्यार्थियों व शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो.सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्तर पर इस तरह से कार्यक्रमों का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता व प्रस्तुति कौशल का विकास हो। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. स्नेहलता एवं संचालन सुप्रिया ने किया। समारोह में सुरभि का एक गीत, रीतू और खुशबू का एकांत भाषण और फातिमा और पूजा का सॉनेट पाठ शामिल रहा। इसी तरह हिन्दी विभाग के विद्यार्थी रॉबिन ने प्रसिद्ध सॉनेट 130 का हिंदी संस्करण सभी के समक्ष सुनाया।

इस आयोजन में शेक्सपियर पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी भी शामिल रही। जिसमें मुकेश, अभिषेक और गौतम की टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह ट्रेजर हंट में भावना, रफी और प्रिया ने बाजी मारी। कार्यक्रम के अंत में एलिजाबेथन नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. कमलेश, डॉ. अभिरंजन, डॉ. सुदीप, डॉ. पिंकी, डॉ. उषा, डॉ. राजपाल, डॉ. किरण, डॉ. सुमन, डॉ. नीरज सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रश्नोत्तरी में मुकेश, अभिषेक और गौतम की टीम विजेता

हकेवि में आयोजित कार्यक्रम में नाटक मंचन करते कलाकार। स्रोत: हकेवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा सोमवार को शेक्सपियर दिवस मनाया गया। समारोह में सुरभि का एक गीत, रीतू और खुशबू का एकांत भाषण और फातिमा और पूजा का सॉनेट पाठ शामिल रहा। शेक्सपियर पर केंद्रित प्रश्नोत्तरी में मुकेश, अभिषेक और गौतम की टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह ट्रेजर हंट में भावना, रफी और प्रिया ने बाजी मारी।

हिंदी विभाग के विद्यार्थी रॉबिन ने प्रसिद्ध सॉनेट 130 का हिंदी संस्करण सभी के समक्ष सुनाया। आयोजन में विद्यार्थियों ने मर्चेंट ऑफ वेनिस से अदालत के दृश्य, एज यू लाइक इट से वन दृश्य और मैकबेथ से गेट पर दस्तक दृश्य और जूलियस सीजर से ब्रूटस और मार्क एंटनी द्वारा अक्सर उद्धृत भाषणों का भी मंचन किया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में जुटे विद्यार्थियों व शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्तर पर इस तरह से कार्यक्रमों का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता व प्रस्तुति कौशल का विकास हो। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. स्नेहसता एवं संचालन सुप्रिया ने किया। स अवसर पर डॉ. कमलेश, डॉ. अभिरंजन, डॉ. सुदीप मौजूद रहे।

शेक्सपियर पर प्रश्नोत्तरी में मुकेश, अभिषेक व गौतम की टीम विजयी

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा सोमवार को शेक्सपियर दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में सम-कुलपति प्रो.सुषमा यादव सहित शोध अधिष्ठाता में प्रो.नीलम सांगवान व शैक्षणिक अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो.संजीव कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही।

कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन में जुटे विद्यार्थियों व शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो.सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्तर पर इस तरह से कार्यक्रमों का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता व प्रस्तुति कौशल का विकास हो। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. स्नेहलता एवं संचालन सुप्रिया ने किया। समारोह में सुरभि का एक गीत, रीतू और खुशबू का एकांत भाषण और फातिमा और पूजा का सॉनेट पाठ शामिल रहा। इसी तरह हिन्दी विभाग के विद्यार्थी रॉबिन ने प्रसिद्ध सॉनेट 130 का हिंदी संस्करण सभी के समक्ष सुनाया।

इस आयोजन में शेक्सपियर पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी भी शामिल रही। जिसमें मुकेश, अभिषेक और गौतम की टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह ट्रेजर हंट में भावना, रफी और प्रिया ने बाजी मारी। कार्यक्रम के अंत में एलिजाबेथन नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. कमलेश, डॉ. अभिरंजन, डॉ. सुदीप, डॉ. पिंकी, डॉ. उषा, डॉ. राजपाल, डॉ. किरण, डॉ. सुमन, डॉ. नीरज सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में अंग्रेजी विभाग की ओर से हुआ शेक्सपियर दिवस का आयोजन

- मर्चेंट आफ वेनिस नाटक से अदालत के दृश्य का किया शानदार मंचन
- ब्रूटस और मार्क एंटनी द्वारा उद्धृत भाषणों का भी किया मंचन
- हिन्दी विभाग के छात्रों ने प्रसिद्ध सानेट का हिंदी संस्करण सुनाया

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा सोमवार को शेक्सपियर दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में सम-कुलपति प्रो.सुषमा यादव सहित शोध अधिष्ठाता में प्रो.नीलम सांगवान व शैक्षणिक अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो.संजीव कुमार की उपस्थित रहे।

इस मौके पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन में जुटे विद्यार्थियों व शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र हमेशा कुछ नया करने को तत्पर रहते हैं। वे ऐसे आयोजनों के माध्यम से एक साथ मिलकर कुछ नया करने के लिए तत्पर हैं। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो.सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्तर पर इस तरह से कार्यक्रमों का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता व प्रस्तुति कौशल का विकास हो। इस कार्यक्रम का संयोजन डा. स्नेहलता एवं संचालन सुप्रिया ने किया। समारोह में सुरभि का एक गीत, रीतू और खुशबू का एकांत भाषण और फातिमा और पूजा का सॉनेट पाठ शामिल रहा। इसी तरह हिन्दी विभाग के विद्यार्थी राबिन ने प्रसिद्ध सानेट 130 का हिंदी संस्करण सभी के समक्ष सुनाया। आयोजन में विद्यार्थियों ने मर्चेंट आफ वेनिस से अदालत के दृश्य, एज यू लाइक इट से वन दृश्य और मैकबेथ से गेट पर दस्तक दृश्य और जूलियस सीजर से ब्रूटस और मार्क एंटनी द्वारा अक्सर उद्धृत भाषणों का भी बेहतरीन ढंग से मंचन किया। इस आयोजन में शेक्सपियर पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी भी शामिल रही। इसमें मुकेश, अभिषेक और गौतम की टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह ट्रेजर हंट में भावना, रफी और प्रिया ने बाजी मारी। कार्यक्रम के अंत में एलिजाबेथन नृत्य प्रस्तुत किया गया। लोगों ने छात्रों के अभिनय की प्रशंसा की। इस अवसर पर डा. कमलेश, डा. अभिरंजन, डा. सुदीप, डा. पिंकी, डा. उषा, डा. राजपाल, डा. किरण, डा. सुमन, डा. नीरज सहित काफी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहें।

हकेंवि मे शेक्सपियर डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

शेक्सपियर डे के अवसर पर हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में हुए नाटक मंचन का दृश्य • सौ. हकेंवि प्रवक्ता

हकेंवि में हुआ शेक्सपियर दिवस का आयोजन

- विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने लिया कार्यक्रम में भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा सोमवार को शेक्सपियर दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित शोध अधिष्ठाता में प्रो. नीलम सांगवान व शैक्षणिक अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन में जुटे विद्यार्थियों व शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में हुए नाटक मंचन का दृश्य।

की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों का सम्मलित होना इस बात का परिचायक है कि वे ऐसे आयोजनों के माध्यम से एक साथ मिलकर कुछ नया करने के लिए तत्पर हैं। समकुलपति प्रो.सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्तर पर इस तरह से कार्यक्रम का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता व प्रस्तुति कौशल का विकास हो। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. स्नेहसता एवं संचालन सुप्रिया ने किया। समारोह में सुरभि का एक गीत, रीतू और खुशबू का एकांत भाषण और फातिमा और पूजा का सॉनेट पाठ शामिल रहा। इसी तरह हिन्दी विभाग के विद्यार्थी रॉबिन ने प्रसिद्ध सॉनेट 130 का हिंदी संस्करण सभी के समक्ष सुनाया। आयोजन में विद्यार्थियों ने मर्चेंट ऑफ वेनिस से अदालत के दृश्य, एज यू लाइक इट से वन दृश्य और मैकबेथ से गेट पर दस्तक दृश्य और जूलियस सीजर से ब्रूटस और मार्क एंटनी द्वारा अक्सर उद्धृत भाषणों का भी बेहतरीन ढ़ग से मंचन किया। इस आयोजन में शेक्सपियर पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी भी शामिल रही। जिसमें मुकेश, अभिषेक और गौतम की टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह ट्रेजर हंट में भावना, रफी और प्रिया ने बाजी मारी। कार्यक्रम के अंत में एलिजाबेथन नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. कमलेश, डॉ. अभिरंजन, डॉ. सुदीप, डॉ. पिंकी, डॉ. उषा, डॉ. राजपाल, डॉ. किरण, डॉ. सुमन, डॉ. नीरज आदि उपस्थित रहें।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। फोटोः हरिभूमि

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों हेतु ऑनलाइन पंजीकरण आज से

- 21 मई तक चलेगी ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी, जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू होने हो रही है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई तक करवाया जा सकता है। विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा, जिसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विवि की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

हकेवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के ऑनलाइन पंजीकरण आज से

महेंद्रगढ़, 21 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुँच गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण आज 22 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस

■ सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं

प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया आज 22 अप्रैल से शुरु होने हो रही है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई, 2024 तक करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं।

नवोदय टाइम्स
Mon, 22 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74948034

हकेंवि में यूजीसी नेट परीक्षा का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नेट परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को जानना छात्रों के लिए जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग में आईफर एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड केरल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की तैयारी के लिए विशेषज्ञ दिशा-निर्देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया। उन्होंने कहा कि यूजीसी नेट की परीक्षा भारत की प्रमुख परीक्षा है, जिससे विश्वविद्यालयों और अनुसंधान विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और अनुसंधान के लिए विद्यार्थियों के लिए आवश्यक योग्यता प्राप्त होती है। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने परीक्षा की तैयारी में खुशहाल अधिगम पारिस्थितिकी का महत्व बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तथा पूरी प्रक्रिया के दौरान हमारी खुशी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोजन में मुख्यवक्ता अनीस पूवती जिन्होंने आठ विषयों में नेट की परीक्षा तथा दो विषयों में जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण की है, ने बताया कि यूजीसी नेट परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को जानना परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विषय की समझ तथा सही मार्गदर्शन प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रभावी तरीके से सहायक होता है। यहां बता दें कि आईफर एजुकेशन का उद्देश्य परीक्षा की तैयारी में अभ्यर्थियों को सहायता प्रदान करना है। विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा अर्शीना रियाज इस फाउंडेशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं जिनके योगदान से ये व्याख्यान संभव हो पाया है। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल तथा अन्य संकाय सदस्य प्रो. वीएन यादव, डॉ. प्रदीप कुमार एवं डॉ. रवि पांडे ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा अर्शीना रियाज ने आईफर की तरफ से पूर्व छात्र निधि में 11 हजार की राशि का योगदान दिया।

- विद्यार्थियों को दिए परीक्षा में सफल होने के टिप्स

महेंद्रगढ़। आईफर एजुकेशन के विशेषज्ञों का स्वागत करती समकुलपति प्रो. सुषमा यादव।

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यक्रम का हुआ आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की ओर से पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में प्लैनेट बनाम प्लास्टिक पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई को प्रेरित करने की एक सराहनीय पहल है।

विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जहां जीवन मौजूद है। कार्यक्रम की संयोजक एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम प्लैनेट बनाम प्लास्टिक है। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय चिंताओं एवं उसके समाधानों पर केंद्रित स्लोगन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि आयोज के दूसरे दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी शिक्षकों के साथ।

साथ ही राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक एवं प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार का विशेषज्ञ व्याख्यान होगा तथा विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन की समन्वयक डॉ. स्मिता ने पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस कार्यक्रम में डॉ. अनिता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव व डॉ. भूपेंद्र सिंह सिहत विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

CRE Programme organised at CUH

Pradeep Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Department of Psychology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organized an online Continuing Rehabilitation Education (CRE) program on 'Needs of Special Children:Issues, Challenges and Intervention' with the collaboration of Rehabilitation Council of India (RCI). Prof. Tankehswar Kumar, Vice-Chancellor of the University emphasized on the need of organizing such events not only for the Department of Psychology, but for the community as a whole. Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor emphasized about the importance and relevance of the topic. Prof. Vishwanand Yadav, Course Coordinator welcomed all the participants and introduced the topic of the program and Prof. Payal K. Chandel, Head of the Department welcomed the speakers. This program was attended by students of Psychology and other professionals and special educators from various Institutions from all over India. Dr. Dweep Chand Singh, Mentor, Professor, Amity University, U.P.; Mr. Deepak, who is a 'scientist C' and a Clinical Psychologist; Dr. Satyam, Head Department of Clinical Psychology, Atal Bihari Vajpayee Institute of Medical Sciences and Dr. Priyanka, Clinical Psychologist discussed the challenges for parents, special children, and service providers. Experts discussed the importance of life management skills for the special children. Lastly the session was concluded by Prof. Vishwanand Yadav, by thanking the speakers for taking out their valuable time in contributing the knowledge base for our participants.

ISSUES, CHALLENGES AND INTERVENTION' WITH THE COLLABORATION OF REHABILITATION COUNCIL OF INDIA (RCI). PROF. TANKEHSWAR KUMAR, VICE-CHANCELLOR OF THE UNIVERSITY EMPHASIZED ON THE NEED OF ORGANIZING SUCH EVENTS NOT ONLY FOR THE DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY, BUT FOR THE COMMUNITY

CRE Programme organised at CUH

April 23, 2024 05:48 PM

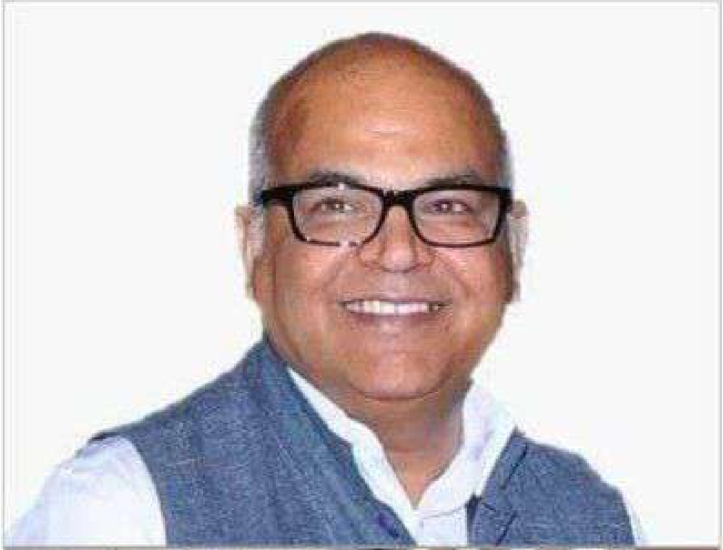

MAHENDERGAR, 23.04.24-HDepartment of Psychology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organized an online Continuing Rehabilitation Education (CRE) program on 'Needs of Special children : Issues, Challenges and Intervention' with the collaboration of Rehabilitation Council of India (RCI).

Prof. Tankehswar Kumar, Vice-Chancellor of the University emphasized on the need of organizing such events not only for the Department of Psychology, but for the community as a whole.

Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor emphasized about the importance and relevance of the topic.

Prof. Vishwanand Yadav, Course Coordinator welcomed all the participants and introduced the topic of the program and Prof. Payal K. Chandel, Head of the Department welcomed the speakers. This program was attended by students of Psychology and other professionals and special educators from various Institutions from all over India. Dr. Dweep Chand Singh, Mentor, Professor, Amity University, U.P.; Mr. Deepak, who is a 'scientist C' and a Clinical Psychologist; Dr. Satyam, Head Department of Clinical Psychology, Atal Bihari Vajpayee Institute of Medical Sciences and Dr. Priyanka, Clinical Psychologist discussed the challenges for parents, special children, and service providers. Experts discussed the importance of life management skills for the special children. Lastly the session was concluded by Prof. Vishwanand Yadav, by thanking the speakers for taking out their valuable time in contributing the knowledge base for our participants.

पृथ्वी दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 23 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में 'प्लैनेट बनाम प्लास्टिक' पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई को प्रेरित करने की एक सराहनीय पहल है।

विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जहां जीवन मौजूद है। कार्यक्रम की संयोजक एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम प्लैनेट बनाम प्लास्टिक है।

उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी शिक्षकों के साथ।

इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय चिंताओं एवं उसके समाधानों पर केंद्रित स्लोगन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि आयोज के दूसरे दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

साथ ही राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक एवं प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार का विशेषज्ञ व्याख्यान होगा तथा विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन की समन्वयक डॉ. स्मिता ने पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में डॉ. अनिता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह सिहत विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

नवोदय टाइम्स
Wed, 24 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74958817

महेंद्रगढ़। समापन सत्र में उपस्थित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व अन्य।

हकेंवि में पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। प्लैनेट बनाम पलास्टिक पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पर्यावरण अध्ययन विभाग ने पृथ्वी की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया। अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के निदेशक व पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यदव ने प्लास्टिक की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे प्लास्टिक हमारे जीवन में प्रवेश कर गया है और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में समस्याएं पैदा कर रहा है। उन्होंने पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक दिन को पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने पर्यावरण और उसके परिवेश का सम्मान करना चाहिए। समापन सत्र में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. प्रवीण कुमार ने सतत भविष्य की दिशा में बहुमूल्य अंतदृष्टि और प्रेरक कार्रवाई की पेशकश की। उन्होंने नमामि गंगे के तहत नदी पुनर्जीवन पर एक अद्भुत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के अंत में समन्वयक डॉ. स्मिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. अनीता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अनूप यादव, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. दुष्यंत कुमार, डॉ. सुषमा, डॉ. सुनील कुमार सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

विजेताओं को किया सम्मानित

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता व प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. प्रवीण कुमार का परिचय दिया। उन्होंने स्वच्छता अभियान और ऐसे जागरूकता अभियानों के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मोना शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आयोजित क्विज प्रतियोगिता के लिए रितिक त्यागी, निवेदिता और विवेक कुमार को तथा स्लोगन प्रतियोगिता के लिए रिया नस्विन सीके, अनीश शर्मा, अनु को पुरस्कृत किया गया।

डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा डिजिटल मीडिया कौशल एवं व्यवहार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डिजिटल मीडिया लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला माध्यम है। उन्होंने कहा कि भावी मीडियाकर्मी डिजिटल मीडिया के कौशल व बारीकियों को सीखें व अपने कंटेंट के माध्यम से वैश्विक समाज को सूचित, शिक्षित, जागरूक एवं उसका मनोरंजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि डिजिटल मीडिया के प्रसार व विस्फोट से मीडिया उद्योग में बड़े बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थी अपडेट रहेंगे व

महेंद्रगढ़। कार्यशाला को संबोधित करतीं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव। फोटो: हरिभूमि

नए कौशल हासिल करेंगे तभी वे मीडिया क्षेत्र में अपना स्थान हासिल कर सकते है। पत्रकार तथागत राय चौधरी ने छात्रों को डिजिटल मीडिया के वर्तमान रुझानों से अवगत कराया। पत्रकार रोहित चौधरी ने डिजिटल मीडिया के विद्यार्थियों को शार्ट वीडियो बनाने का कौशल हासिल करने की आवश्यकता है। पत्रकार थिरुमॉय बनर्जी ने बताया कि डिजिटल जर्नलिज्म में विश्वसनीयता और सटीकता सुनिश्चित करना संपादकों का महत्वपूर्ण कार्य है। डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट राजेश ने कंटेंट ऑप्टिमाइजेशन, ऑनलाइन विजिबिलिटी बढ़ाने के कुछ स्ट्रेटजी, कीवर्ड रिसर्च, लिंक बिल्डिंग के बारे में विद्यार्थियों को बताया। पत्रकार विकास जांगड़ा ने डिजिटल न्यूजरूम के संरचनात्मक ढांचे के बारे में अपनी बात को रखते हुए डिजिटल मीडिया में हो रहे नए प्रयोगों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. आलेख एस नायक ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भारती बत्रा ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर डॉ. सुरेंद्र इत्यादि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते लेफ्टिनेंट कर्नल एस. वेंकटरमन।

युवाओं को सशस्त्र बलों में जाने पर दिया व्याख्यान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी यूनिट द्वारा सशस्त्र बलों में युवाओं के लिए अवसर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल एस वेंकटरमन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने ऐसे व्याख्यानों के महत्त्व, नेतृत्व गुणों पर प्रकाश डाला और अपनी पिछली उपलब्धियों और अनुभवों से सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय की एनसीसी अधिकारी प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात डिप्टी एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार ने वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस वेंकटरमन का परिचय प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एस वेंकटरमन ने कैडेट्स और विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों में विभिन्न अवसरों, इसमें शामिल होने के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने एसएसबी के बारे में, इसकी तैयारी कैसे करें, विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में लगभग 60 कैडेट्स व विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के अंत में एनसीसी अधिकारी प्रो. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महिला कॉलेज में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

पांच रोल ऑफ ऑनर, 24 सांस्कृतिक व 12 छात्राएं रिचुअल्स पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं तथा छात्रा को सम्मानित करते मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय में वीरवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर ज्ञानचंद राणा ने की।

प्राचार्य ने महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में पुरस्कार प्राप्त करने वाली सभी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार रोल ऑफ ऑनर से पांच छात्राओं को नवाजा गया। अकादमिक क्षेत्र में छात्रा मीनाक्षी, सुषमा व हिमांशी को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। खेल के लिए छात्रा दिव्या व एनसीसी के लिए छात्रा मानसी को रोल ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। महाविद्यालय की कुल 41 छात्राओं ने विविध क्षेत्रों में कॉलेज कलर प्राप्त किया। कॉलेज कलर सबसे अधिक सांस्कृतिक क्षेत्र में 24 छात्राओं ने प्राप्त किया। क्लासिकल म्यूजिक के लिए मोनिका, मेहंदी के लिए आहुति, वन एक्ट प्ले के लिए शीतल के अतिरिक्त 12 छात्राओं को रिचुअल्स के लिए तथा छह छात्राओं को नाट्यविद्या के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ। कॉलेज कलर प्राप्त करने वाली अन्य छात्राएं एनएसएस के लिए मोनू, खेल के लिए रेनू, एनसीसी के लिए करीना व तेजसी तथा एकेडमिक के लिए योगिता, ज्योति, निकिता, अंकिता अग्रवाल रही। इसके अतिरिक्त यूनिवर्सिटी पॉजीशन हासिल करने वाली छात्राओं अनीता, साक्षी वशिष्ठ, स्वाति निमहोरिया, रवीना, शिवानी, आरती, नेहा जांगिड़, पूजा, मांशु को भी कॉलेज कलर प्रदान किया गया। स्नातक व स्नातकोत्तर की सभी स्ट्रीम में सत्र 2022-23 में महाविद्यालय में सवार्ेच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। सत्र 2022-23 में सांस्कृतिक, विभागीय, यूथ

रेडक्रॉस, विभिन्न सेल व क्लब के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने के लिए भी छात्राओं को सम्मानित किया गया। मंच संचालन अंजू रानी व डा. ममता सिद्धार्थ ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर डा. यशपाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में हुआ शेक्सपियर दिवस का आयोजन

- विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने लिया कार्यक्रम में भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा सोमवार को शेक्सपियर दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव सहित शोध अधिष्ठाता में प्रो. नीलम सांगवान व शैक्षणिक अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन में जुटे विद्यार्थियों व शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों का सम्मलित होना इस बात का परिचायक है कि वे ऐसे आयोजनों के माध्यम से एक साथ मिलकर कुछ नया करने के लिए तत्पर हैं। समकुलपति प्रो.सुषमा यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्तर पर इस तरह से कार्यक्रम का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता व प्रस्तुति कौशल का विकास हो। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. स्नेहसता एवं संचालन सुप्रिया ने किया। समारोह में सुरभि का एक गीत, रीतू और खुशबू का एकांत भाषण और फातिमा और पूजा का सॉनेट पाठ शामिल रहा। इसी तरह हिन्दी विभाग के विद्यार्थी रॉबिन ने प्रसिद्ध सॉनेट 130 का हिंदी संस्करण सभी के समक्ष सुनाया। आयोजन में विद्यार्थियों ने मर्चेंट ऑफ वेनिस से अदालत के दृश्य, एज यू लाइक इट से वन दृश्य और मैकबेथ से गेट पर दस्तक दृश्य और जूलियस सीजर से ब्रूटस और मार्क एंटनी द्वारा अक्सर उद्धृत भाषणों का भी बेहतरीन ढ़ग से मंचन किया। इस आयोजन में शेक्सपियर पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी भी शामिल रही। जिसमें मुकेश, अभिषेक और गौतम की टीम ने जीत हासिल की। इसी तरह ट्रेजर हंट में भावना, रफी और प्रिया ने बाजी मारी। कार्यक्रम के अंत में एलिजाबेथन नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. कमलेश, डॉ. अभिरंजन, डॉ. सुदीप, डॉ. पिंकी, डॉ. उषा, डॉ. राजपाल, डॉ. किरण, डॉ. सुमन, डॉ. नीरज आदि उपस्थित रहें।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में हुए नाटक मंचन का दृश्य।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शेक्सपियर डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान नाटक का मंचन करते कलाकार।

नवोदय टाइम्स Tue, 30 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74991340